Media Speaks

OCT 2025

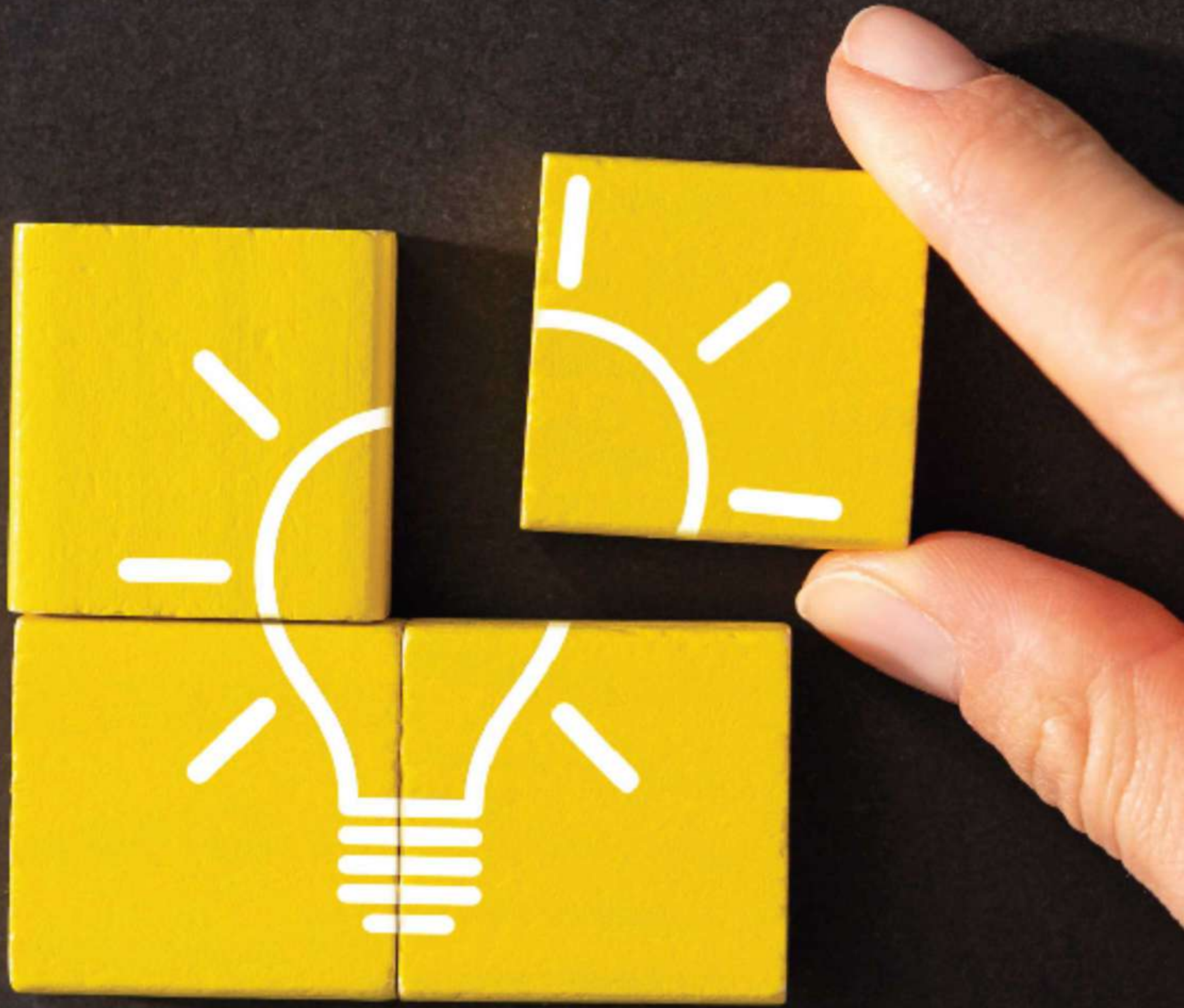

Conglomeration of Raisoni News in Print Media

Hon'ble Late
Shri. Gyanchandji Raisoni

Inspiration

Innovation is the heartbeat of progress. It is the practice of thinking differently, finding new solutions, and improving the way we live and learn. In today's world, where change is constant, innovative thinking helps us grow stronger, smarter, and more creative.

Education gives us knowledge, but innovation turns that knowledge into action. Whether in science, technology, art, or daily life, new ideas open the door to endless possibilities. As young learners, you must cultivate curiosity, experiment fearlessly, and never be afraid of failure—because every great idea begins with a small step of imagination.

Let innovation be your daily habit. Think beyond textbooks, question old ways, and create something meaningful that benefits others. Remember, the future belongs to those who dare to innovate.

Shri. Sunil Raisoni
Chairman
Raisoni Group of Institutions

raisoni EDUCATION

Raisoni Education Media Coverage

THE TIMES OF INDIA
Wednesday 01/10/2025

Raisoni's Shiva Clinches Chess Title

Shiva Iyer of Raisoni College clinched the top spot at Combat Chess Academy Open Rapid Chess Tournament 2025. **Sehajveer Singh Maras** and Sourabh Lokhande finished second and third respectively.

It was organised by **Shri Swami Samarth Bahuuddeshiya Sanstha** With 276 participants, including 50 internationally FIDE-rated players, it stood out as one of the city's premier chess events. The tournament was ably led by chief arbiter Akash Rewatkar, assisted by Amit Tembhurne, Shishir Indurkar, Shyam Agrawal, Ninad Jain, and volunteers.

Chief guest **Nutan Rewatkar,** founder of Shri Swami Samarth Sanstha, presented trophies. medals, and cash awards.

नवराष्ट्र

Wednesday 01/10/2025

अन्वी, रिद्धी, लक्षिता, सक्षम विजेते

विभागीय बुद्धिबळ स्पर्धा : २४० खेळाडूंचा सहभाग

▶ नागपूर, क्रीडा प्रतिनिधी. महाराष्ट्र सरकारच्या जिल्हा क्रीडा कार्यालय आणि क्रीडा व युवा सेवा संचालनालय, पुणे यांच्या संयुक्त विद्यमाने जीएच रायसोनी क्रीडा आणि सांस्कृतिक प्रतिष्ठानच्या सहकार्याने २९ सप्टेंबर रोजी हिंगणा येथील जीएच रायसोनी संस्थेत विभागीय बुद्धिबळ स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्पर्धेत एकूण २४० खेळाडूंनी सहभाग नोंदविला. स्पर्धेच्या बक्षीस वितरण समारंभात डॉ. अचल शहारे यांनी विजेत्यांना पुरस्कार प्रदान केले, तर डॉ. अखिलेश उगले यांचा कार्यक्रमात विशेष पाहुणे म्हणून सहभाग होता.

विजेते खेळाडू:

मुली : अंडर-14 : अन्वी हि

अंडर-17 : रिद्धी अग्रवाल

अंडर-19 : लक्षिता राठौर

मुले : अंडर-14 : अनन्य पिपळकर

अंडर-17 : निहान पोहाणे

अंडर-19 : सक्षम वाधवा

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

अमरावती दर्पण
Wednesday 01/10/2025

जीएच रायसोनी विश्वविद्यालय में आंतरिक स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025 आयोजित

जीएच रायसोनी विश्वविद्यालय, अमरावती, रचनात्मकता और समस्या समाधान का केंद्र बन गया, जब उसने स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एसआईएच) 2025 के आंतरिक हैकथॉन की मेजबानी की। राष्ट्रीय स्तर के एसआईएच 2025 के लिए एक प्रारंभिक कदम के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में 246 उत्साही छात्रों ने 41 बहुविषयक टीमों के रूप में स्वास्थ्य सेवा, स्थिरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में वास्तविक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत किया।

हैकथॉन की शुरुआत एक प्रेरणादायक उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसमें एसआईएच 2025 के नोडल ऑफिसर डॉ. अमोल जाडे ने प्रतिभागियों को पारंपरिक सोच से परे जाकर सामाजिक प्रभाव वाले समाधान तैयार करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में जीएच रायसोनी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे की गरिमामय उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने संबोधन में नवाचार, सहयोग और प्रौद्योगिकी की भारत के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, एसआईएच जैसे मंच छात्रों को वैश्विक नवप्रवर्तक बनने की दिशा में कदम बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। डॉ. अमित गायकवाड ने भी अपने प्रेरक शब्दों से प्रतिभागियों में जोश भरा और प्रतियोगिता के लिए एक दूरदर्शी स्वर स्थापित किया।

दिन भर, टीमें गहन विचार-मंथन, प्रोटोटाइप विकास और अपने प्रोजेक्ट्स की जीवंत प्रस्तुतियों में व्यस्त रहीं। उनकी परियोजनाओं का मूल्यांकन डॉ. विनय राजगुरे, डॉ. स्नेहा बोहरा, श्री सुरज ढोले और श्री नितिन चितले जैसे प्रतिष्ठित जजों के पैनल द्वारा नवाचार, व्यवहार्यता, तकनीकी जटिलता और सामाजिक प्रभाव के आधार पर किया गया।

समापन समारोह में डॉ. वैभव ठाकरे ने प्रतिभागियों के समर्पण की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आयोजन नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। विजेता टीमें अब एसआईएच 2025 राष्ट्रीय ग्रैंड फिनाले में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार होंगी, जो अमरावती की नवाचार की भावना को राष्ट्रीय मंच पर ले जाएंगी।

TheHitavada
Wednesday 01/10/2025

Hirde, Agrawal, Rathod clinch chess titles

■ Sports Reporter

ANVI Hirde clinched the Under-14 girls chess title with 5 ½ points while Nrutya Gurve stood second with five in the District Sports Office organised Division-Level Chess Tournament under the aegis of Directorate of Sports and Youth Services, Pune in association with the GH Raisoni Sports and Cultural Foundation and Chess Association Nagpur at Raisoni Institute of Information and Technology, Shraddha Park, Hingna.

In Under Under-17 girls, Riddhi Agrawal won the championship and Shraddha Bajaj finished second while in the Under-19 girls group, Lakshita Rathod emerged winner with Swanandi Sole getting the second position.

In boys Under-14, Anay Pimparkar won the title follwoed by Kushagra Paliwal. The Under-17 title went to Nihaan Pohane while Arush Chitre finished second. In the Under-19, Saksham Wadhwa won the title. Ayush Ramteke got the second position.

The prizes were distributed by Dr Achal Shahare, Registrar, GH Raisoni College of Engineering and Management.

Dr Akhilesh Ugale, Registrar, GH Raisoni University was the guest of honour. Bhushan Shriwas, Secretary, Chess Association Nagpur and Maya Dubale, Incharge DSO chess meet, were prominently present on the occasion.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

नवभारत
Thursday 02/10/2025

अन्वी, ऋद्धि, लक्षिता विजेता

■ नागपुर, खेल प्रतिनिधि. जिला खेल कार्यालय, महाराष्ट्र शासन द्वारा निदेशालय क्रीड़ा व युवक सेवा संचालनालय पुणे के तत्वावधान में जीएच रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन के सहयोग से 29 सितंबर को जीएच रायसोनी इंस्टीट्यूट, हिंगना में डिवीजन लेवल शतरंज स्पर्धा आयोजित की गई. इस स्पर्धा में 240 खिलाड़ियों ने भाग लिया. पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. आचल शहारे ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए. इस अवसर पर डॉ. अखिलेश उगले विशेष अतिथि थे.

लड़कियां :

- अंडर-14 : अन्वी हिरडे
- अंडर-17 : ऋद्धि अग्रवाल
- अंडर-19 : लक्षिता राठौड़

लड़के :

- अंडर-14 : अनय
- अंडर-17 : निहान पोहाने
- अंडर-19 : सक्षम वाधवा

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

दैनिक भास्कर
Saturday 04/10/2025

जीएचआरसीईएम में एआर/वीआर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

नागपुर| जी एच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (जीएचआरसीईएम), नागपुर में 'संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता' (एआर/वीआर) पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यशाला सीएसई और ईटीसी विभागों द्वारा पुणे की डिनोवेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एआर-वीआर लैब के तहत आयोजित किया गया था। कार्यशाला के विशेषज्ञ डिनोवेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पुणे

के क्रिएटिव डायरेक्टर राहुल चुटे थे। कार्यशाला में 55 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया, जिन्होंने संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) तकनीकों में नवीनतम प्रगति के बारे में सीखने में सक्रिय रुचि दिखाई। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को अत्याधुनिक एआर-वीआर तकनीकों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया, जिससे उनकी तकनीकी कौशल और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों की समझ में वृद्धि हुई। यह आयोजन डॉ. विवेक कपूर (निदेशक, जीएचआरसीईएम, नागपुर), डॉ. सोनाली रिधोरकर (विभाग प्रमुख, सीएसई), डॉ. देवश्री मरोतकर (विभाग प्रमुख, ईटीसी) के मार्गदर्शन में किया गया। इसका समन्वय डॉ. सर्वेश वरजुरकर और डॉ. संकेत कस्तुरीवाला ने किया।

नवभारत
Saturday 04/10/2025

रायसोनी में AR/VR पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

■ **नागपुर, बिजनेस कनेक्ट.** जीएच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (जीएचआरसीईएम) में 'संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता' (एआर/वीआर) पर एक 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. यह कार्यशाला सीएसई और ईटीसी विभागों द्वारा पुणे की डिनोवेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एआर-वीआर लैब के तहत आयोजित की गई थी. इस कार्यशाला के विशेषज्ञ डिनोवेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पुणे के क्रिएटिव डायरेक्टर राहुल चुटे थे. संवर्धित

वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) तकनीकों में नवीनतम प्रगति के बारे में सिखाई गई. प्रशिक्षण कार्यक्रम में कई प्रमुख विषयों को शामिल किया गया जिनमें यूनिटी परिचय और बुनियादी प्रायोगिक, संवर्धित वास्तविकता और इसके अनुप्रयोगों का परिचय, संवर्धित और आभासी वास्तविकता के कार्यान्वयन का प्रत्यक्ष प्रदर्शन शामिल था. यह आयोजन निदेशक डॉ. विवेक कपूर, विभाग प्रमुख डॉ. सोनाली रिधोरकर, डॉ. देवश्री मरोतकर के मार्गदर्शन में हुआ और इसका समन्वय सर्वेश वरजुरकर और संकेत कस्तुरीवाला ने किया.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

नवराष्ट्र
Saturday 04/10/2025

रायसोनीत प्रशिक्षण कार्यक्रमाची सांगता

'एआर-व्हीआर' विषयावर दोन दिवस तज्ज्ञांकडून व्यापक विचारमंथन

▶ **नागपूर, बिझनेस कनेक्ट.** जीएच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट (जीएचआरसीईएम) येथे 'ऑगमेंटेड रिॲलिटी अँड व्हर्च्युअल रिॲलिटी' (एआर/व्हीआर) या विषयावर दोन दिवसांचा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला होता. सेंटर ऑफ एक्सलन्स एआर-व्हीआर लॅब अंतर्गत सीएसई आणि ईटीसी विभागांनी डायनोव्हेट टेक्नॉलॉजीज प्रायव्हेट लिमिटेड, पुणे यांच्या सहकार्याने ही कार्यशाळा आयोजित केली होती. कार्यशाळेचे तज्ज्ञ राहुल चुटे, डायनोव्हेट टेक्नॉलॉजीज प्रायव्हेट लिमिटेड, पुणे यांचे क्रिएटिव्ह डायरेक्टर होते. ऑगमेंटेड रिॲलिटी (एआर) आणि व्हर्च्युअल रिॲलिटी (व्हीआर) तंत्रज्ञानातील नवीनतम प्रगती शिकवण्यात आली. प्रशिक्षण कार्यक्रमात युनिटी आणि

बेसिक प्रॅक्टिकल्सचा परिचय, ऑगमेंटेड रिॲलिटी आणि त्याच्या अनुप्रयोगांचा परिचय आणि ऑगमेंटेड आणि व्हर्च्युअल रिॲलिटी अंमलबजावणीचे प्रत्यक्ष प्रात्यक्षिक यासह अनेक प्रमुख विषयांचा समावेश होता. हा कार्यक्रम संचालक डॉ. विवेक कपूर, विभाग प्रमुख डॉ. सोनाली रिधोरकर आणि डॉ. देवश्री मारोतकर यांच्या मार्गदर्शनाखाली आणि सर्वेश वरजुरकर आणि संकेत कस्तुरीवाला यांच्या समन्वयाखाली आयोजित करण्यात आला होता.

नवराष्ट्र

Saturday 04/10/2025

संशोधन ● उच्च शिक्षणासाठी नव्या पर्वाची होणार सुरुवात

रायसोनी, अमरावती विद्यापीठात करार

शैक्षणिक

▸ **अमरावती**, ब्युरो. विदर्भातील उच्च शिक्षण क्षेत्रात महत्त्वपूर्ण पाऊल उचलत, अमरावतीच्या जी.एच. रायसोनी विद्यापीठ आणि संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ यांच्यात शैक्षणिक, वैज्ञानिक व तांत्रिक सहकार्यासाठी नुकताच सामंजस्य करार झाला. दोन्ही विद्यापीठांचे प्रतिनिधी उपस्थित असलेल्या या कराराने परस्पर सहकार्याच्या नव्या पर्वाची सुरुवात झाली आहे. या एमओयूमध्ये जीएचआरयूएचे कुलसचिव डॉ. स्नेहिल जयस्वाल आणि एसजीबीएयूचे कुलसचिव डॉ. अविनाश असनारे यांनी स्वाक्षरी केली. यावेळी जीएचआरयूएचे कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे, एसजीबीएयूच्या आयआयएल विभागाचे संचालक डॉ. अजय लाड,

जीएचआरयूएचे विद्यार्थी कल्याण विभागाचे अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत अवचट, पीएच.डी. सेल प्रभारी डॉ. श्रीकांत चव्हाटे, व विभागप्रमुख तसेच जनसंपर्क अधिकारी अनिता यादव यांची उपस्थित होती. हा एमओयू फार्मास्युटिकल सायन्सेस, भौतिक शास्त्र, रासायनिक शास्त्र, जीवनशास्त्र, वाणिज्य व व्यवस्थापन, सामाजिक शास्त्र, शैक्षणिक शास्त्र, माध्यम अभ्यास, ललित व प्रदर्शन कला, ग्रंथालय शास्त्र, कायदा, तंत्रज्ञान तसेच आंतरशाखीय अभ्यास यांसारख्या विविध क्षेत्रांमध्ये शैक्षणिक उत्कृष्टता व नवकल्पना प्रोत्साहित करण्याचे उद्दिष्ट ठेवतो.

विद्यार्थी विकासाला चालना: या प्रसंगी बोलताना डॉ. देशपांडे म्हणाले, ही भागीदारी शैक्षणिक उत्कृष्टता, संशोधन आणि विद्यार्थी विकासाला चालना देईल, तसेच दोन्ही संस्थांमधील सहकार्याचे मजबूत नेटवर्क तयार करेल. असे त्यांनी सांगितले.

एमओयूचे मुख्य मुद्दे

माहिती, साहित्य आणि वैज्ञानिक ज्ञानाचा आदान-प्रदान, अभ्यासक्रम विकास आणि संयुक्त अध्यापन, सेमिनार, कार्यशाळा आणि शैक्षणिक बैठकींत सहभाग, संयुक्त संशोधन प्रकल्प, दुहेरी पदवी आणि संयुक्त पीएच.डी. कार्यक्रम, विद्यार्थ्यांसाठी आणि संकुल सदस्यांसाठी द्विपक्षीय देवाणघेवाण कार्यक्रम, हे या एमओयूचे मुख्य मुद्दे आहे.

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

लोकमत
Saturday 04/10/2025

रायसोनी कॉलेजमध्ये डिजिटल आणि व्हर्च्युअल तंत्रज्ञानावर प्रशिक्षण

लोकमत न्यूज नेटवर्क

नागपूर : जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट (जीएचआरसीईएम) येथे डिजिटल आणि व्हर्च्युअल तंत्रज्ञानावर दोनदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित केला गेला. हा कार्यक्रम सीएसई आणि ईटीसी विभागांनी पुण्यातील डिनोवेट टेक्नॉलॉजीज प्रा. लि. यांच्या सहकार्याने सेंटर ऑफ एक्सलन्स एआर-व्हीआर लॅब अंतर्गत घेण्यात आला. कार्यशाळेला मार्गदर्शक म्हणून डिनोवेट टेक्नॉलॉजीज प्रा. लि., पुणे चे

क्रिएटिव्ह डायरेक्टर राहुल चुटे होते. त्यांनी कार्यक्रमातील ५५ विद्यार्थी आणि शिक्षकांना मार्गदर्शन केले.या उपक्रमाचे आयोजन डॉ. विवेक कपूर (संचालक), डॉ. सोनाली रिधोरकर (प्रमुख, सीएसई), आणि डॉ. देवश्री मरोतकर (प्रमुख, ईटीसी) यांच्या मार्गदर्शनाखाली करण्यात आले. तर समन्वय डॉ. सर्वेश वरजुरकर आणि डॉ. संकेत कस्तुरीवाला यांनी केला.

लोकमत समाचार
Saturday 04/10/2025

जीएचआरसीईएम में एआर-वीआर पर ट्रेनिंग प्रोग्राम

नागपुर : जीएच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (जीएचआरसीईएम), नागपुर में हाल ही में 'संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता' (एआर/वीआर) पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. सीएसई और ईटीसी विभागों द्वारा पुणे की डिनोवेट टेक्नोलॉजीज प्रा.लि. के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एआर-वीआर लैब के तहत आयोजित कार्यशाला के विशेषज्ञ डिनोवेट टेक्नोलॉजीज प्रा.लि., पुणे के क्रिएटिव डायरेक्टर राहुल चुटे थे. कार्यशाला में 55 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया. उन्होंने संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) तकनीकों में नवीनतम प्रगति के बारे में सीखने में सक्रिय रुचि दिखाई. प्रशिक्षण में कई प्रमुख विषयों को शामिल किया गया. इनमें यूनिटी परिचय और बुनियादी प्रायोगिक, संवर्धित वास्तविकता और इसके अनुप्रयोगों का परिचय, संवर्धित और आभासी वास्तविकता के कार्यान्वयन का प्रत्यक्ष प्रदर्शन शामिल थे. यह आयोजन डॉ. विवेक कपूर (निदेशक, जीएचआरसीईएम, नागपुर), डॉ. सोनाली रिधोरकर (विभाग प्रमुख, सीएसई), डॉ. देवश्री मारोतकर (विभाग प्रमुख, ईटीसी) के मार्गदर्शन में हुआ. इसका समन्वय डॉ. सर्वेश वरजुरकर और डॉ. संकेत कस्तूरीवाला ने किया.

लोकमत
Sunday 05/10/2025

विद्यापीठाचा 'युवारंग' ८ पासून रायसोनी महाविद्यालयात!

यंदा शोभायात्रा रहित, 'वंदे मातरम १५०' संकल्पना

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठातर्फे आयोजित युवारंग युवक महोत्सव दि. ८ ते १२ ऑक्टोबरदरम्यान जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयात होणार असून उद्घाटन सोहळा गुरुवार, ९ सप्टेंबरला सकाळी मान्यवरांच्या उपस्थितीत होणार आहे. खान्देशातील १७७९ विद्यार्थी, संघ व्यवस्थापक यामध्ये सहभागी होतील.

कवी बकिंमचंद्र चट्टोपाध्याय यांच्या आनंदमठ कादंबरीला यावर्षी १५० वर्षे पूर्ण होत आहेत, त्यानिमित्ताने 'वंदे मातरम : १५०' अशी मध्यवर्ती संकल्पना महोत्सवासाठी निश्चित करण्यात आली आहे. याच अनुषंगाने संन्यस्त योद्ध्यांचा स्वातंत्र्य लढा दाखविणारे संगीत आनंदमठ नाटक दि. ८ रोजी सायंकाळी ६ वाजता महोत्सवाच्या ठिकाणी विद्यार्थ्यांसाठी सादर केले जाणार आहे.

महोत्सवाचे उद्घाटन...

महोत्सवाचे उद्घाटन जलसंपदा व आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते ९ ऑक्टोबरला सकाळी ९:३० वाजता केले जाणार आहे. प्रमुख पाहुणे म्हणून जैन उद्योग समूहाचे अध्यक्ष अशोक जैन, अध्यक्षस्थानी कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचे कुलगुरू डॉ. व्ही. एल. माहेश्वरी उपस्थित राहतील. रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी, विद्यापीठाचे प्र-कुलगुरू प्रा. डॉ. एस. टी. इंगळे यांची विशेष उपस्थिती असणार आहे. युवारंगचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे आहेत.

शोभायात्रा रहित...

महोत्सवाचे ठिकाण ते जळगाव शहरापर्यंतचे अंतर आणि पावसाची असलेली शक्यता लक्षात घेऊन यावर्षी शोभायात्रा रहित करण्यात आली आहे, अशी माहिती विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक प्रा. डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे यांनी दिली. सहभागी स्पर्धक मुले-मुली, संघ व्यवस्थापक व इतरांची निवास व्यवस्था परिसरातच केली आहे. १५ संचालक यांचा सत्कार मान्यवरांच्या हस्ते केला जाणार आहे.

बेहतर प्रदर्शन : जल्लोष 2025 सांस्कृतिक प्रतियोगिता

रायसोनी के विद्यार्थी चमके

■ पुणे, (सं.) जीएच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के छात्रों ने सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित जल्लोष 2025 सांस्कृतिक प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदक जीते है. 9 श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करते हुए रायसोनी कॉलेज के छात्रों ने इस यूनिवर्सिटी स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में अपनी कलात्मक उत्कृष्टता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया.

अदिति शिंदे ने जीता स्वर्ण पदक : रायसोनी कॉलेज के छात्रों में अखिलेश चराडे ने पश्चिमी वाद्य यंत्र में प्रथम पुरस्कार जीता और अदिति शिंदे ने भरतनाट्यम नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता. चैतन्य चव्हाण ने क्ले मॉडलिंग में दूसरा स्थान और सौरव कांबले ने स्पॉट पेंटिंग में दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता. इसके अलावा सार्थक देशपांडे ने भारतीय शास्त्रीय गायन में संयम दोभाड़ा, भारतीय शास्त्रीय वाद्य यंत्र में भक्ति पटेल, भाषण में प्रवीण पैठणकर की टीम, अथर्व, अनुज और वृषा ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता.

नवराष्ट्र
Sunday 05/10/2025

रायसोनीत आंतरिक स्मार्ट इंडिया हॅकाथॉन

शैक्षणिक

▶ **अमरावती,** ब्युरो. जीएच रायसोनी विद्यापीठात आंतरिक स्मार्ट इंडिया हॅकाथॉनचे आयोजन करण्यात आले होते. यात राष्ट्रीय स्तरावरील एसआयएच कार्यक्रमात २४६ उत्साही विद्यार्थ्यांनी ४१ बहुविद्याशाखीय संघांच्या माध्यमातून आरोग्यसेवा, शाश्वतता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षण आणि सायबर सुरक्षेवर मार्गदर्शन करण्यात आले आहे.

उद्घाटन नोडल ऑफिसर डॉ. अमोल झाडे यांच्या हस्ते झाले. या समारंभाला जीएच रायसोनी विद्यापीठाचे कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे उपस्थित होते. डॉ. अमित गायकवाड यांनीही विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन केले. दिवसभर, संघांनी गहन

विचारमंथन, प्रोटोटाइप विकासाचे सादरीकरण केले. प्रकल्पांचे मूल्यमापन डॉ. विनय राजगुरे, डॉ. स्नेहा बोहरा, सूरज ढोले आणि नितीन चितळे यांनी केले.

समारोप समारंभात डॉ. वैभव ठाकरे यांनी सहभागींचे कौतुक केले आणि अशा प्रकारच्या कार्यक्रमांमुळे नवोन्मेषाची संस्कृती वाढते आणि विद्यार्थ्यांना वास्तववादी आव्हानांसाठी तयार करते, यावर जोर दिला.

LOKMAT TIMES
Sunday 05/10/2025

GHRCE&M hosts workshop on AR/VR

A two-day training programme on Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR) was successfully conducted at G.H. Raisoni College of Engineering and Management (GHRCE&M), Nagpur. The workshop was organised by the CSE and ETC departments in collaboration with Pune-based Dinovate Technologies Pvt. Ltd., under the Center of Excellence AR-VR Lab. Led by Rahul Chute, Creative Director at Dinovate Technologies, the session attracted over 55 enthusiastic students and faculty members. Participants explored key concepts such as Unity basics, applications of AR/VR, and gained hands-on experience through live demonstrations. The initiative, held under the guidance of Dr Vivek Kapoor (Director, GHRCE&M), Dr Sonali Ridorkar (HOD, CSE), and Dr Devashree Marotkar (HOD, ETC).

नवराष्ट्र

Monday 05/10/2025

अविष्कार ● विद्यापीठस्तरीय सांस्कृतिक स्पर्धेत सुवर्ण, रौप्य व कांस्य पदकांसह वर्चस्व

'रायसोनी'च्या विद्यार्थ्यांचा जल्लोष स्पर्धेत डंका

▸ **पुणे, शहर प्रतिनिधी.** सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाद्वारे आयोजित जल्लोष २०२५ सांस्कृतिक स्पर्धेत जी एच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंटच्या विद्यार्थ्यांनी अपूर्व कामगिरी केली. विद्यार्थ्यांनी २ सुवर्ण, २ रौप्य आणि ५ कांस्य पदके जिंकत स्पर्धेत आपले वर्चस्वसिद्ध केले. विविध नऊ विभागांमध्ये होणाऱ्या या विद्यापीठस्तरीय सांस्कृतिक महोत्सवात रायसोनी कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांनी त्यांच्या कलात्मक कौशल्याचे दर्शन घडवले.सुवर्ण पदक जिंकणाऱ्यांमध्ये अखिलेश चरडे यांनी वेस्टर्न इन्स्ट्रुमेंटल मध्ये प्रथम क्रमांक मिळवला, तर आदिती शिंदे यांनी भरतनाट्यम नृत्यात प्रथम क्रमांक मिळवून सुवर्ण पदक पटकावले. रौप्य पदक जिंकलेले विद्यार्थी आहेत – चैतन्य चव्हाण (क्ले मॉडेलिंग) आणि सौरव कांबळे (स्पॉट पेंटिंग).कांस्य पदक जिंकणाऱ्यांमध्ये सार्थक देशपांडे (इंडियन क्लासिकल व्होकल), सय्यम दोभाडा (इंडियन क्लासिकल इन्स्ट्रुमेंटल), भक्ती पटेल (वक्तृत्व) तसेच टीम प्रवीण पैठणकर (माइम) आणि अथर्व, अनुज व वृषा (क्विझ स्पर्धा) यांचा समावेश आहे. या स्पर्धेचे समन्वयक साइकोलॉजिस्ट सुरभी प्रणव आणि डॉ. प्रगती कोरडे होत्या.

कलात्मक विकासासाठी एक आदर्श व्यासपीठ

या प्रसंगी बोलताना, कॅम्पस डायरेक्टर डॉ. आर. डी. खराडकर आणि प्रभारी संचालक डॉ. एन. बी. हुल्ले यांनी सांगितले की, "रायसोनी कॉलेज हे केवळ शैक्षणिक उत्कृष्टतेसाठी नाही तर विद्यार्थ्यांच्या सांस्कृतिक व कलात्मक विकासासाठीही एक आदर्श व्यासपीठ आहे. जल्लोष २०२५ मधील विद्यार्थ्यांचे यश शिस्त, सर्जनशीलता आणि टीमवर्कची उत्कृष्ट उदाहरण आहे."रायसोनी एज्युकेशनचे अध्यक्ष सुनील रायसोनी, कार्यकारी संचालक. श्रेयश रायसोनी, कॅम्पस डायरेक्टर आणि प्रभारी संचालकांनी विजेत्यांचे अभिनंदन करून त्यांचा उत्साह वाढविला .या यशामुळे रायसोनी कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांचे नाम व प्रतिष्ठा केवळ शिक्षणातच नाही तर सांस्कृतिक क्षेत्रातही उजळून निघाली आहे.

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

TheHitavada
Monday 06/10/2025

G H Raisoni College of Engineering and Management

A TWO-DAY training programme on "Augmented Reality & Virtual Reality" was conducted recently at G H Raisoni College of Engineering & Management (GHRCEM), Nagpur. The workshop was organised by the CSE and ETC Departments in association with Dnnovate Technologies Pvt Ltd, Pune, under the Centre of Excellence AR-VR Lab.

Rahul Chute, Creative Director, Dnnovate Technologies Pvt Ltd, Pune was the expert for this workshop.

The workshop witnessed active participation from over 55 students and faculty members, who enthusiastically engaged in learning about the latest advancements in Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR) technologies. The training programme covered various key topics, including Unity introduction and basic practical, Introduction to augmented reality and its applications and Hands-on demonstration of augmented and virtual reality implementation.

The workshop provided an excellent platform for participants to gain hands-on experience in cutting-edge AR-VR technologies, enhancing their technical skills and understanding of real-world applications.

The event was conducted under the guidance of Dr Vivek Kapur, Director, GHRCEM, Nagpur, Dr Sonali Ridhorkar, HoD, CSE, Dr Devashree Marotkar, HoD, ETC, and co-ordinated by Dr Sarvesh Warjurkar and Dr Sanket Kasturiwala. The initiative received an overwhelming response from students and faculty members, emphasising the growing importance of immersive technologies in shaping the future of education and industry.

प्रभात
Tuesday 07/10/2025

'रायसोनी'ने पटकावली जल्लोष स्पर्धेत नऊ पदके

पुणे विद्यापीठाच्या स्पर्धेमध्ये कामगिरी

प्रभात वृत्तसेवा

पुणे, दि. ६ - सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाद्वारा आयोजित जल्लोष २०२५ सांस्कृतिक स्पर्धेत जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंटच्या विद्यार्थ्यांनी २ सुवर्ण, २ रौप्य आणि ५ कांस्यपदके जिंकून स्पर्धेत वर्चस्व मिळविले. नऊ विभागांमध्ये स्पर्धा करत विद्यार्थ्यांनी या विद्यापीठस्तरीय सांस्कृतिक महोत्सवात उल्लेखनीय यश मिळविले.

अखिलेश चरडे यांनी वेस्टर्न इन्स्ट्रूमेंटलमध्ये प्रथम पुरस्कार आणि आदिती शिंदे यांनी भरतनाट्यम नृत्यात प्रथम क्रमांक घेत सुर्वणपदक जिंकले. चैतन्य चव्हाण यांनी क्ले मॉडेलिंगमध्ये द्वितीय क्रमांक, सौरव कांबळे यांनी स्पॉट पेंटिंगमध्ये द्वितीय क्रमांक मिळवत रौप्यपदक जिंकले. याशिवाय सार्थक देशपांडे यांनी इंडियन क्लासिकल व्होकल, सय्यम दोभाडा यांनी इंडियन क्लासिकल इन्स्ट्रुमेंटलम, भक्ती पटेल यांनी वक्तृत्वात, टीम प्रवीण पैठणकर यांनी माइममध्ये आणि अथर्व, अनुज आणि वृषा यांनी क्विझ स्पर्धेत तिसरे क्रमांक मिळवत कांस्यपदक जिंकले. 'जल्लोष २०२५'च्या समन्वयक साइकोलॉजिस्ट सुरभी प्रणव आणि डॉ. प्रगती कोरडे होत्या.

रायसोनी ही केवळ शैक्षणिक उत्कृष्टतेचे केंद्र नाही, तर सांस्कृतिक, कलात्मक विकासासाठी व्यासपीठ देणारी संस्था आहे. विद्यार्थ्यांचे यश हे शिस्त, सर्जनशीलता आणि टीमवर्कची किमया आहे, असे मत कॅम्पस डायरेक्टर डॉ. आर. डी. खराडकर आणि प्रभारी संचालक डॉ. एन. बी. हुल्ले यांनी व्यक्त केले. रायसोनी एज्युकेशनचे अध्यक्ष सुनील रायसोनी, कार्यकारी संचालक श्रेयश रायसोनी यांनी या कामगिरीबद्दल विजेत्यांचे कौतुक केले.

दैनिक भास्कर
Tuesday 07/10/2025

जीएच रायसोनी कॉलेज में युवरंग महोत्सव 8 को

संवाददाता | जलगांव

जीएच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट व कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय के सहयोग से 25 वर्षों से चल रहा 'युवरंग महोत्सव' 8 से 12 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। युवरंग महोत्सव का भव्य उद्घाटन 9 अक्टूबर को सुबह 9 बजे होगा। उद्घाटन महाराष्ट्र राज्य के जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन के तत्वावधान में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. विजय एल. माहेश्वरी करेंगे और जैन उद्योग समूह के अध्यक्ष अशोक जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी संस्थान की निदेशक प्रो. डॉ. प्रीति अग्रवाल ने एक प्रेस वार्ता में दी। प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय के छात्र विकास विभाग के निदेशक प्रो. डॉ. जयेंद्र लेकुरवाले और युवा रंग समन्वयक प्रो. डॉ. संजय शेखावत भी उपस्थित थे।

नवभारत
Tuesday 07/10/2025

जीएच रायसोनी कॉलेज में 'युवारंग' का आयोजन

1800 छात्र दिखाएंगे कला का जादू

■ जलगांव, (सं.) जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में 8 से 12 अक्टूबर तक उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ के सहयोग से "रौप्य युवारंग महोत्सव" का आयोजन होगा. इस पांच दिवसीय सांस्कृतिक पर्व में 114 कॉलेजों के लगभग 1800 विद्यार्थी भाग लेंगे, जो अपनी कला का जादू दिखाएंगे. 9 अक्टूबर को होने वाले इस भव्य आयोजन का उद्घाटन जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन के हाथों होगा, जबकि कुलगुरु डॉ. विजय माहेश्वरी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे.

थीम 'वंदे मातरम् 150' और नई स्पर्धाएं: इस वर्ष की थीम 'वंदे मातरम् 150' है, जिसका विशेष आकर्षण बंकिमचंद्र चटर्जी की कृति 'आनंदमठ' पर आधारित मराठी संगीत नाटक रहेगा. आयोजन के लिए पांच रंगमंच तैयार किए गए हैं, जिन्हें राष्ट्रकवि और समाज सुधारकों के नाम समर्पित किया गया है. कुल 27 कलाप्रकारों में प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें एकांकिका स्पर्धा को पहली बार युवारंग में शामिल किया गया है. विजेताओं को नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह दिए जाएंगे. संचालिका डॉ. प्रीति अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन छात्रों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति को मंच प्रदान करने वाला होगा. समापन समारोह 12 अक्टूबर को होगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे और अभिनेत्री केतकी माटेगांवकर विशेष अतिथि होंगी.

दैनिक पुण्यप्रताप
Tuesday 07/10/2025

विद्यापीठस्तरीय युवारंगसाठी जी. एच. रायसोनी महाविद्यालय सज्ज ; ८ ऑक्टोबरला उद्घाटन

जळगाव : येथील जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अँड मॅनेजमेंट महाविध्यालय व कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने २५ वर्षांच्या गौरवशाली परंपरेचा रौप्य युवारंग महोत्सव ता. ८ ते १२ ऑक्टोबर २०२५ या कालावधीत जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयाच्या भव्य प्रांगणात आयोजित केला जात आहे.

ता. ९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९ वाजता रौप्य युवारंग महोत्सवाचे भव्य उद्घाटन होणार आहे. उद्घाटनाचे औचित्य महाराष्ट्र राज्याचे जलसंपदा व आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री मा. श्री. गिरीशजी महाजन यांच्या शुभहस्ते पार पडणार आहे. या कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. डॉ. विजय एल. माहेश्वरी विराजमान राहणार असून प्रमुख पाहुणे म्हणून जैन उद्योग समूहाचे

अध्यक्ष श्री. अशोकभाऊ जैन हे उपस्थित राहणार आहेत. अशी माहिती जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रिती अग्रवाल यांनी आयोजित पत्रकार परिषदेत दिली. यावेळी पत्रकार परिषदेत विद्यापीठाचे विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक प्रा. डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे व युवारंग समन्वयक प्रा. डॉ. संजय शेखावत उपस्थित होते.

रौप्य युवारंग : २५ वर्षांचा गौरव

'युवारंग' म्हणजेच तरुणाईच्या कलेचा, उत्साहाचा आणि प्रतिभेच्या तेजाचा महोत्सव. या रंगोत्सवातून नव्या पिढीच्या स्वप्नांना दिशा मिळते आणि सृजनशीलतेच्या क्षितिजावर नवे सूर्योदय घडतात. गेल्या पंचवीस वर्षांत या व्यासपीठाने अनेक नामवंत कलाकार, लेखक, साहित्यिक व सांस्कृतिक व्यक्तिमत्त्वांना घडवले आहे. यंदाचे वर्ष हे युवारंगच्या रौप्यमहोत्सवी पर्वाचे सुवर्णपान ठरणार असून तरुणाईच्या कर्तृत्वाचा हा रौप्यमहोत्सवी सोहळा भव्य, दिव्य आणि अद्वितीय सांस्कृतिक तसेच राष्ट्रीय वारशाच्या गौरवाने सुशोभित होणार आहे.

'वंदे मातरम् १५०' संकल्पना केंद्रस्थानी

२०२५ चा युवा महोत्सव 'वंदे मातरम् – १५०' या मध्यवर्ती संकल्पनेवर आधारित आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या, क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बंकिमचंद्र चॅटर्जी यांच्या 'वंदे मातरम्' या राष्ट्रगीताला आणि त्याच्या जननी असलेल्या 'आनंदमठ' या कादंबरीला यंदा १५० वर्षे पूर्ण होत आहेत. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत, यंदाचा युवारंग महोत्सव कलात्मकतेचा, संस्कृतीचा आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम ठरेल, असे आयोजकांनी सांगितले.

दैनिक दिव्य मराठी
Tuesday 07/10/2025

जळगावात उद्यापासून विद्यापीठस्तरीय 'युवारंग', १८०० विद्यार्थ्यांचा सहभाग

रायसोनी महाविद्यालयात रंगणार पाचदिवसीय महोत्सव; २७ स्पर्धा

प्रतिनिधी | जळगाव

जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट महाविद्यालय व कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या संयुक्त विद्यमाने गौरवशाली परंपरेचा रौप्य युवारंग महोत्सव ८ ते १२ ऑक्टोबर दरम्यान जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयात होणार आहे.

९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९ वाजता मंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते उद्घाटन केले जाईल. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. डॉ. विजय एल. माहेश्वरी, जैन उद्योग समूहाचे अध्यक्ष अशोक जैन हे उपस्थित राहणार आहेत. अशी माहिती जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रिती अग्रवाल यांनी सोमवारी पत्रकार परिषदेत दिली.

यंदाचा युवा महोत्सव 'वंदे मातरम् -१५०' या मध्यवर्ती संकल्पनेवर आधारित आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या, क्रांतीची ज्वाला पेटवणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बंकिमचन्द्र चॅटर्जी यांच्या 'वंदे मातरम्' या राष्ट्रगीताला आणि 'आनंदमठ' या कादंबरीला यंदा १५० वर्षे पूर्ण होत आहेत. या निमित्ताने ८ ऑक्टोबर रोजी, सर्व विद्यार्थ्यांची नावनोंदणी पूर्ण झाल्यानंतर सायंकाळी ७ वाजता, हे मराठी संगीत नाटक जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयाच्या 'बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह' (रंगमंच क्रमांक १) येथे सादर केले जाणार आहे.

५ कलाप्रकारात होईल स्पर्धा

महोत्सवात सहभाग घेणाऱ्या महाविद्यालयांचे रजिस्ट्रेशन ८ ऑक्टोबरला होणार आहे. ९ ते ११ ऑक्टोबरपासून सकाळी आठ वाजता पाच रंगमंचावर २७ उपकला प्रकारात विविध स्पर्धा घेतल्या जाणार आहेत.

९ रोजी : मिमिक्री, मूकनाट्य, समूह गीत (भारतीय), वक्तृत्व, स्थळचित्र, भारतीय शास्त्रीय वाद्यसंगीत (स्वरवाद्य), भारतीय शास्त्रीय वाद्यसंगीत (तालवाद्य).

१० रोजी : स्कीट, पाश्चिमात्य समूहगान, वादविवाद, चिकट कला, भारतीय शास्त्रीय गायन-एकल, भारतीय लोकसंगीत वाद्यवृंद, माती कला, पाश्चिमात्य गायन-एकल, एकांकिका, स्थळ छायाचित्रण, पाश्चिमात्य वाद्यसंगीत-एकल.

११ रोजी : भारतीय लोक समूहनृत्य, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, पोस्टर मेकिंग, भारतीय नाट्यसंगीत-एकल, रांगोळी, स्थळ छायाचित्रण-अंतिम फेरी, भारतीय सुगम संगीत, इन्स्टॉलेशन, मेहंदी हे कलाप्रकार आयोजित केले जाणार आहे.

सकाळ

Tuesday 07/10/2025

'वंदे मातरम्-१५०' संकल्पनेवर यंदाचा युवारंग

१८०० युवकांचा होणार कलाविष्कार; ११४ महाविद्यालयांचा सहभाग

सकाळ वृत्तसेवा

जळगाव, ता. ६ : गेल्या दोन वर्षांपासून युवारंग महोत्सव वेगवेगळ्या थीमनुसार होत आहे. यंदा 'वंदे मातरम्- १५०' या संकल्पनेवर युवारंग म्होत्सव होणार आहे. यंदा 'आनंदमठ' हा नाट्यप्रयोगही होईल. महोत्सवात ११४ महाविद्यालयांतील १८०० विद्यार्थ्यांचा कलाविष्कारांचा महासंगम होईल, अशी माहिती युवारंग महोत्सवाचे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे यांनी माहिती दिली.

जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँन्ड मॅनेजमेंट व कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठातर्फे विद्यापीठस्तरीय 'रौप्य युवारंग महोत्सव-२०२५' बद्दल सोमवारी (ता. ६) रायसोनी महाविद्यालयात झालेल्या पत्रकार परिषदेत ते बोलत होते. महोत्सवाचे स्वरूप, संकल्पना, स्पर्धेची माहिती दिली. तसेच, महोत्सवाच्या यशस्वी आयोजनासाठी २५ समित्यांची स्थापना झाली आहे. निवास, भोजन व व्यवस्थापनाची तयारी पूर्ण झाली आहे, अशी माहिती रायसोनी महाविद्यालयाच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रीती अग्रवाल यांनी दिली. विद्यार्थी विकास परिषदेचे संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे, युवारंग समन्वयक प्रा. डॉ. संजय शेखावत, व्यवस्थापन समितीचे सदस्य राजेश झाल्टे उपस्थित होते.

गुरुवारी उद्घाटन

८ ते १२ ऑक्टोबरदरम्यान महोत्सव होईल. गुरुवारी (ता. ९) सकाळी नऊला जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते महोत्सवाचे उद्घाटन होईल. 'उमवि'चे कुलगुरू प्रा. डॉ. विजय माहेश्वरी अध्यक्षस्थानी असतील. अशोक जैन प्रमुख पाहुणे राहतील. रविवारी (ता. १२) महोत्सवाचा समारोप होईल. केंद्रीय राज्यमंत्री रक्षा खडसे, पालकमंत्री गुलाबराव पाटील, वस्त्रोद्योग मंत्री संजय सावकारे, खासदार स्मिता वाघ, आमदार सुरेश भोळे व अभिनेत्री केतकी माटेगावकर उपस्थित राहतील.

२७ कला प्रकारांत होणार स्पर्धा

- युवारंग महोत्सवासाठी पाच रंगमंच तयार केले आहेत. या रंगमंचांवर २७ विविध कला प्रकारांत स्पर्धा होणार असून, यात नृत्य, नाटक, संगीत, वक्तृत्व, चित्रकला, छायाचित्रण यांचा समावेश आहे. यंदा प्रथमच एकांकिका स्पर्धा युवारंगमध्ये समाविष्ट केली असून, विजेत्यांना रोख पारितोषिक व स्मृतिचिन्ह देण्यात येणार आहे.

आनंदमठ नाटकाचे होणार सादरीकरण

- बुधवारी (ता. ८) सायंकाळी सातला 'आनंदमठ' या मराठी संगीत नाटकाचे सादरीकरण विद्यार्थ्यांसाठी होणार आहे.

लोकशाही
Tuesday 07/10/2025

बुधवारपासून विद्यापीठस्तरीय 'युवारंग' महोत्सव!

तरुणाईच्या उत्साहाला येणार उधाण : अठराशे विद्यार्थ्यांचा राहणार सहभाग

लोकशाही न्यूज नेटवर्क
जळगाव ✍ प्रतिनिधी

येथील जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अँड मॅनेजमेंट महाविद्यालय व कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने २५ वर्षांच्या गौरवशाली परंपरेचा 'रौप्य युवारंग महोत्सव' दि. ८ ते १२ ऑक्टोबर या कालावधीत जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयाच्या भव्य प्रांगणात आयोजित केला जात आहे.

दि. ९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९ वाजता रौप्य युवारंग महोत्सवाचे उद्घाटन होणार आहे. यावेळी मंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते उद्घाटन होईल. अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. डॉ. विजय एल. माहेश्वरी राहतील. प्रमुख पाहुणे म्हणून जैन उद्योग समूहाचे अध्यक्ष अशोक जैन हे उपस्थित राहणार आहेत अशी माहिती जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रिती अग्रवाल यांनी पत्रकार परिषदेत दिली. यावेळी पत्रकार परिषदेत विद्यापीठाचे विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक प्रा. डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे व युवारंग समन्वयक प्रा. डॉ. संजय शेखावत उपस्थित होते.

२०२५ चा युवा महोत्सव 'वंदे मातरम् १५०' या मध्यवर्ती संकल्पनेवर आधारित आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या, क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बंकिमचंद्र चॅटर्जी यांच्या 'वंदे मातरम्' या राष्ट्रगीताला आणि त्याच्या जननी असलेल्या 'आनंदमठ' या कादंबरीला यंदा १५० वर्षे पूर्ण होत आहेत. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत, यंदाचा युवारंग महोत्सव कलात्मकतेचा, संस्कृतीचा आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम ठरेल, असे आयोजकांनी सांगितले.

महोत्सवात प्रथमच एकांकिका स्पर्धा

विद्यार्थ्यांच्या सुप्त कलागुणांना आणि अभिनय क्षमतेला प्रकट करण्याची संधी देण्यासाठी दरवर्षी कबचौउमवि बहिणाबाई करंडक आंतर महाविद्यालयीन एकांकिका स्पर्धा स्वतंत्रपणे आयोजित केली जात असे. परंतु यंदा ही स्पर्धा युवारंग महोत्सव २०२५ मध्ये समाविष्ट केली जाणार आहे. या स्पर्धेत सहभागी होणाऱ्या विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढवण्यासाठी पुरस्कार देण्यात येणार आहे. रोख पारितोषिक, स्मृती चिन्ह व प्रमाणपत्र या बक्षिसांद्वारे विद्यार्थ्यांच्या प्रतिभेला गौरव मिळणार असून, या महोत्सवात त्यांचे एकत्रित व कलात्मक सादरीकरण अधिक प्रभावी आणि संस्मरणीय ठरणार आहे.

'आनंदमठ'चा भव्य नाट्यप्रयोग

विनिता तेलंग लिखित आणि रवींद्र सातपुते दिग्दर्शित 'आनंदमठ' हे मराठी संगीत नाटक बंकिमचंद्र चटर्जी यांच्या सुप्रसिद्ध बंगाली कादंबरी 'आनंदमठ' वर आधारित आहे. यंदा या कादंबरीच्या प्रकाशनाला १५० वर्षे पूर्ण होत असून, त्याच 'युवारंग' महोत्सवाच्या संकल्पनेवर आधारित हे नाट्य विशेष सादरीकरणासाठी निवडले गेले आहे. दि. ८ ऑक्टोबर रोजी, सर्व विद्यार्थ्यांची नावनोंदणी पूर्ण झाल्यानंतर सायंकाळी ७ वाजता हे मराठी संगीत नाटक रंगणार आहे.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

देशदूत
नवी आशा नवी दिशा
Tuesday 07/10/2025

कलाविष्कारांचा अविस्मरणीय सोहळा!

बुधवारपासून रंगणार 'युवारंग' चा जल्लोष

पाच दिवसीय महोत्सव

जळगाव । प्रतिनिधी

येथील जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अँड मॅनेजमेंट महाविध्यालय व कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने २५ वर्षांच्या गौरवशाली परंपरेचा रौप्य युवारंग महोत्सव ता. ८ ते १२ ऑक्टोबर २०२५ या कालावधीत जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयाच्या भव्य प्रांगणात आयोजित केला जात आहे.ता. ९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९ वाजता रौप्य युवारंग महोत्सवाचे भव्य उद्घाटन होणार आहे. उद्घाटनाचे औचित्य महाराष्ट्र राज्याचे जलसंपदा व आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री मा. श्री. गिरीशजी महाजन यांच्या शुभहस्ते पार पडणार आहे. या कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. डॉ. विजय एल. माहेश्वरी विराजमान राहणार असून प्रमुख पाहुणे म्हणून जैन उद्योग समूहाचे अध्यक्ष श्री. अशोकभाऊ जैन हे उपस्थित राहणार आहेत. अशी माहिती जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रिती अग्रवाल यांनी आयोजित पत्रकार परिषदेत दिली. यावेळी पत्रकार परिषदेत विद्यापीठाचे विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक प्रा. डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे व युवारंग समन्वयक प्रा. डॉ. संजय शेखावत उपस्थित होते.

रौप्य युवारंग : २५ वर्षांचा गौरव

'युवारंग' म्हणजेच तरुणाईच्या कलेचा, उत्साहाचा

आणि प्रतिभेच्या तेजाचा महोत्सव. या रंगोत्सवातून नव्या पिढीच्या स्वप्नांना दिशा मिळते आणि सृजनशीलतेच्या क्षितिजावर नवे सूर्योदय घडतात. गेल्या पंचवीस वर्षांत या व्यासपीठाने अनेक नामवंत कलाकार, लेखक, साहित्यिक व सांस्कृतिक व्यक्तिमत्त्वांना घडवले आहे. यंदाचे वर्ष हे युवारंगच्या रौप्यमहोत्सवी पर्वाचे सुवर्णपान ठरणार असून तरुणाईच्या कर्तृत्वाचा हा रौप्यमहोत्सवी सोहळा भव्य, दिव्य आणि अद्वितीय सांस्कृतिक तसेच राष्ट्रीय वारशाच्या गौरवाने सुशोभित होणार आहे.

'वंदे मातरम् १५०' संकल्पना केंद्रस्थानी

२०२५ चा युवा महोत्सव 'वंदे मातरम् १५०' या मध्यवर्ती संकल्पनेवर आधारित आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या, क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बंकिमचंद्र चॅटर्जी यांच्या 'वंदे मातरम्' या राष्ट्रगीताला आणि त्याच्या जननी असलेल्या 'आनंदमठ' या कादंबरीला यंदा १५० वर्षे पूर्ण होत आहेत. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत, यंदाचा युवारंग महोत्सव कलात्मकतेचा, संस्कृतीचा

११४ महाविद्यालयांनी नोंदवला सहभाग

आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम ठरेल, असे आयोजकांनी सांगितले.

आनंदमठचा भव्य नाट्यप्रयोग !

विनिता तेलंग लिखित आणि रवींद्र सातपुते दिग्दर्शित आनंदमठ हे मराठी संगीत नाटक बंकिमचंद्र चटर्जी यांच्या सुप्रसिद्ध बंगाली कादंबरी 'आनंदमठ' वर आधारित आहे. यंदा या कादंबरीच्या प्रकाशनाला १५० वर्षे पूर्ण होत असून, त्याच युवारंग महोत्सवाच्या संकल्पनेवर आधारित हे नाट्य विशेष सादरीकरणासाठी निवडले गेले आहे. दिनांक ८ ऑक्टोबर २०२५ रोजी, सर्व विद्यार्थ्यांची नावनोंदणी पूर्ण झाल्यानंतर सायंकाळी ७.०० वाजता, हे मराठी संगीत नाटक जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयाच्या 'बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह' (रंगमंच क्रमांक १) येथे रंगणार आहे. या नाट्यप्रयोगाने मराठी राज्य नाट्य स्पर्धेत अनेक पारितोषिके मिळवून आपली कलात्मक आणि सांस्कृतिक श्रेष्ठता सिद्ध केली आहे. सहभागी युवा कलाकारांना त्यांच्या उपजत कलागुणांची सादरीकरण करण्याची संधी देण्यासाठी ५ भव्य रंगमंच तयार करण्यात आले आहेत. या रंगमंचांना 'वंदे मातरम् १५०' या मध्यवर्ती संकल्पनेनिमित्त समाजसुधारक कवींचा गौरव करत विविध नावे देण्यात आली आहेत.

विद्यार्थ्यांच्या सुप्त कलागुणांना आणि अभिनय क्षमतेला प्रकट करण्याची संधी देण्यासाठी दरवर्षी कबचौउमवि बहिणाबाई करंडक आंतर महाविद्यालयीन एकांकिका स्पर्धा स्वतंत्रपणे आयोजित केली जात असे. परंतु यंदा ही स्पर्धा युवारंग महोत्सव २०२५ मध्ये समाविष्ट केली जाणार आहे. या स्पर्धेत सहभागी होणाऱ्या विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढवण्यासाठी पुरस्काराचे स्वरूप असे आहे प्रथम: रु. ७,००१/- रोख पारितोषिक, स्मृती चिन्ह व प्रमाणपत्र, द्वितीय: रु. ५,००१/- रोख पारितोषिक, स्मृती चिन्ह व प्रमाणपत्र, तृतीय: रु. ३,००१/- रोख पारितोषिक, स्मृती चिन्ह व प्रमाणपत्र, उत्तेजनार्थ: रु. २,००१/- रोख पारितोषिक, स्मृती चिन्ह व प्रमाणपत्र या बक्षिसांद्वारे विद्यार्थ्यांच्या प्रतिभेला गौरव मिळणार असून, या महोत्सवात त्यांचे एकत्रित व कलात्मक सादरीकरण अधिक प्रभावी आणि संस्मरणीय ठरणार आहे.

विविध समित्या, ११४ महाविद्यालयांचा सहभाग

जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रिती अग्रवाल व अकॅडमिक डीन प्रा. डॉ. संजय शेखावत यांनी युवारंग महोत्सवासाठी २५ समित्या बनविल्या आहेत. मुलींसाठी निवासाची सोय महाविद्यालयातील मुलींच्या वस्तीगृहात तर मुलांसाठी स्वतंत्र इमारतीत केली आहे. भोजनाची व्यवस्था रायसोनी महाविद्यालयाच्या आवारातच केली आहे. ११४ महाविद्यालयांनी सहभाग नोंदविला असून व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थ्यांची संख्या झाली आहे. सर्व स्पर्धक व प्रेक्षकांनी या युवारंग महोत्सवात सहभागी होण्याचे आवाहन त्यांनी केले आहे.

सकाळ
Wednesday 08/10/2025

जळगावात आजपासून तरुणाईच्या 'युवारंग'चा जल्लोष

आंतरमहाविद्यालयीन महोत्सव; 'वंदे मातरम १५०' संकल्पना केंद्रस्थानी

■ सकाळ वृत्तसेवा

जळगाव, ता. ७ : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पूर्ण झाली असून, पाचही रंगमंच सज्ज झाले आहेत.

बुधवारपासून (ता. ८) विविध संघांचे आगमन होणार आहे. त्यांची नोंदणी होणार आहे, तसेच सायंकाळी सहाला 'संगीत आनंदमठ' या महानाट्याचा प्रयोग सादर होणार आहे. यंदाचा युवक महोत्सव जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँन्ड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) येथील प्रांगणात होणार असून, रंगमंच सज्ज झाले आहेत.

राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम

भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बंकिमचंद्र चटर्जी यांच्या 'वंदे मातरम्' या राष्ट्रगीताला आणि आनंद मठ या कादंबरीला १५० वर्षे पूर्ण होत आहे. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत यंदाचा युवक महोत्सव कलात्मक, संस्कृती आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम होणार आहे.

युवक महोत्सवाच्या तयारीचा कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी यांनी आढावा घेतला. महोत्सवासाठी पाचही रंगमंच सज्ज झाले असून, तयारी पूर्ण झाली असल्याचे संचालिका प्रा. प्रीती अग्रवाल व प्रा. संजय शेखावत, तसेच विद्यार्थी विकास विभागाचे प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांनी सांगितले.

युवारंग २०२५

जळगाव : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या बुधवारपासून सुरू होत असलेल्या रौप्यमहोत्सवी युवारंग महोत्सवाची रायसोनी महाविद्यालयातील तयारी.

महोत्सवासाठी २५ समित्या गठित

महोत्सवासाठी विविध २५ समित्या गठित केल्या असून, मुलींच्या निवासाची व मुलांच्या निवासासाठी स्वतंत्र व्यवस्था वेगवेगळ्या इमारतीमध्ये केली आहे. सहभागी संघांसाठी भोजन व्यवस्थादेखील महाविद्यालयाच्या आवारातच करण्यात आली आहे. एकूण ११४ महाविद्यालयांनी विद्यार्थी महोत्सवात सहभागी होत असून, महाविद्यालयांच्या व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थी विविध कला सादर करून युवारंगात रंगून जाणार आहेत.

'संगीत आनंदमठ' महानाट्याचा प्रयोग

बुधवारी (ता. ८) सायंकाळी सहाला ऋषी बंकिमचंद्र चटोपाध्याय यांच्या 'आनंदमठ' या अजरामर कादंबरीवर आधारित कोलाज क्रिएशन पुणे निर्मित मातृभूमीच्या उत्कट प्रेमाची अनुभूती देणारे अलौकिक 'संगीत आनंदमठ' हे नाटक सादर होईल.

गुरुवारी उद्घाटन समारंभ

■ गुरुवारी (ता. ९) सकाळी साडेनऊला राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते उद्घाटन होईल. कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी अध्यक्षस्थानी असतील. विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन प्रमुख पाहुणे राहतील. रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी व प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, 'युवारंग'चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य, अधिसभा सदस्य, विद्या परिषद सदस्य व रायसोनी एज्युकेशनचे पदाधिकारी उपस्थित राहतील.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

दैनिक भास्कर
Wednesday 08/10/2025

जीएच रायसोनी कॉलेज में युवरंग महोत्सव 8 को

संवाददाता | जलगांव

जीएच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट व कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय के सहयोग से 25 वर्षों से चल रहा 'युवरंग महोत्सव' 8 से 12 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। युवरंग महोत्सव का भव्य उद्घाटन 9 अक्टूबर को सुबह 9 बजे होगा। उद्घाटन महाराष्ट्र राज्य के जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन के तत्वावधान में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. विजय एल. माहेश्वरी करेंगे और जैन उद्योग समूह के अध्यक्ष अशोक जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी संस्थान की निदेशक प्रो. डॉ. प्रीति अग्रवाल ने एक प्रेस वार्ता में दी।

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

तरुण भारत
Wednesday 08/10/2025

आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग महोत्सवाची तयारी पूर्णत्वास

यंदा 'वंदे मातरम १५०' संकल्पना; आजपासून संघांचे आगमन

तभा वृत्तसेवा
जळगाव, ७ ऑक्टोबर

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठातर्फे आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पूर्णत्वास आली असून, पाचही रंगमंच सज्ज झाले आहेत. बुधवारपासून (८ ऑक्टोबर) संघांचे आगमन होणार असून, त्यांची नोंदणी केली जाणार आहे. तसेच सायंकाळी सहाला संगीत आनंदमठ या महानाट्याचा प्रयोग सादर केला जाणार आहे.

यंदाचा युवक महोत्सव जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) येथील प्रांगणात होत असून, रंगमंच सज्ज झाले आहेत. युवारंगाची २५ वर्षांच्या गौरवशाली परंपरा कायम ठेवत कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) यांच्यातर्फे हा युवक महोत्सव घेण्यात येत आहे. महोत्सवात 'वंदे मातरम १५०' संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बंकिमचंद्र चटर्जी यांच्या वंदे मातरम या राष्ट्रगीताला आणि आनंदमठ या कादंबरीला १५० वर्षे पूर्ण होत आहेत. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत यंदाचा युवक महोत्सव कलात्मक, संस्कृती आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम होणार आहे.

महोत्सवाच्या तयारीचा कुलगुरू प्रा. व्ही एल. माहेश्वरी यांनी आढावा घेतला. महोत्सवासाठी पाच रंगमंच सज्ज झाले असून तयारी पूर्ण झाली असल्याचे संचालिका प्रा. प्रीती अग्रवाल व प्रा. संजय शेखावत, तसेच विद्यार्थी विकास विभागाचे प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांनी सांगितले.

महोत्सवासाठी विविध २५ समित्या तयार केल्या असून, मुलींच्या निवासाची व मुलांच्या निवासासाठी स्वतंत्र व्यवस्था वेगवेगळ्या इमारतींमध्ये करण्यात आली आहे. सहभागी संघांसाठी भोजन व्यवस्था देखील महाविद्यालयाच्या आवारातच करण्यात आली आहे. एकूण ११४ महाविद्यालये महोत्सवात सहभागी होत असून, महाविद्यालयांच्या व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थी या युवक महोत्सवात आपल्या विविध कला सादर करून युवारंगात रंगून जाणार आहेत.

असे असतील रंगमंच

महोत्सवासाठी सज्ज करण्यात आलेले रंगमंच क्र. १ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह, रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह, रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृह, रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृह आणि रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह असे आहेत.

संगीत आनंदमठ महानाट्याचा आज प्रयोग

बुधवारी (८ ऑक्टोबर) सायंकाळी सहाला ऋषी बंकिमचंद्र चटोपाध्याय यांच्या आनंदमठ या अजरामर कादंबरीवर आधारित कोलाज क्रिएशन (पुणे)निर्मित मातृभूमीच्या उत्कट प्रेमाची अनुभूती देणारे अलौकिक संगीत आनंदमठ हे नाटक सादर केले जाणार आहे.

महोत्सवाचा उद्या उद्घाटन समारंभ

गुरुवारी (९ ऑक्टोबर) सकाळी साडेनऊला जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापनमंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते महोत्सवाचे उद्घाटन होईल.प्रमुख अतिथी म्हणून विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन उपस्थित राहतील. कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी अध्यक्षस्थानी असतील. रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी व प्र-कुलगुरू प्रा. एस. टी. इंगळे यांच्यासह विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य व स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंगचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांच्यासमवेत विविध विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य, अधिसभा सदस्य, विद्या परिषद सदस्य व रायसोनी एज्युकेशनचे पदाधिकारी यावेळी उपस्थित राहणार आहेत.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

हम नवा
Wednesday 08/10/2025

रायसोनी कॉलेज के छात्रों ने जल्लोष २०२५ में ९ पदक जीते

पुणे । हमनवा प्रतिनिधी

जी एच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के छात्रों ने सावित्रीबाई फुले पुणे युनिवर्सिटी द्वारा आयोजित जल्लोष २०२५ सांस्कृतिक प्रतियोगिता में २ स्वर्ण, २ रजत और ५ कांस्य पदक जीते। नौ श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करते हुए, रायसोनी कॉलेज के छात्रों ने इस युनिवर्सिटी स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में अपनी कलात्मक उत्कृष्टता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

रायसोनी कॉलेज के छात्रों में, अखिलेश चराडे ने पश्चिमी वाद्य यंत्र में प्रथम पुरस्कार जीता और अदिति शिंदे ने भरतनाट्यम नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। चैतन्य चव्हाण ने क्ले मॉडलिंग में दूसरा स्थान और सौरव कांबले ने स्पॉट पेंटिंग में दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता। इसके अलावा, सार्थक देशपांडे ने भारतीय शास्त्रीय गायन में, संयम दोभाड़ा ने भारतीय शास्त्रीय वाद्य यंत्र में, भक्ति पटेल ने भाषण में, प्रवीण पैठणकर की टीम ने माइम में और अथर्व, अनुज और वृषा ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। मनोवैज्ञानिक सुरभि प्रणव और डॉ. प्रगति कोर्डे जल्लोश २०२५ के समन्वयक थे।

इस अवसर पर परिसर निदेशक डॉ. आर. डी. खराडकर और कार्यवाहक निदेशक डॉ. एन. बी. हुल्ले ने कहा कि हमारे छात्रों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जी एच रायसोनी न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र है, बल्कि एक ऐसा संस्थान भी है जो सांस्कृतिक और कलात्मक विकास के लिए एक मंच प्रदान करता है। जल्लोश २०२५ में छात्रों की सफलता अनुशासन, रचनात्मकता और टीम वर्क का मिश्रण है।

रायसोनी एजुकेशन के चेयरमैन श्री सुनील रायसोनी, रायसोनी एजुकेशन के कार्यकारी निदेशक श्री श्रेयश रायसोनी, कैंपस निदेशक डॉ. आर. डी. खराडकर और कार्यवाहक निदेशक डॉ. एन. बी. हुल्ले ने विजेता को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

लोकमत
Wednesday 08/10/2025

युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी अंतिम टप्प्यात!

आजपासून संघांचे जळगावात होणार आगमन : महानाट्याचा प्रयोग होणार

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सव यंदा ९ ऑक्टोबरपासून जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट येथे होत आहे. यासाठी पाचही रंगमंच सज्ज झाले आहेत. दि. ८ ऑक्टोबरपासून सहभागी संघांचे आगमन व नोंदणी सुरू होणार आहे. तसेच, सायंकाळी ६ वाजता 'संगीत आनंदमठ' या महानाट्याचा प्रयोग सादर केला जाणार आहे.

यंदाच्या महोत्सवाच्या केंद्रस्थानी वंदे मातरम् १५० ही संकल्पना आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीची चेतना जागृत करणाऱ्या बंकिमचंद्र चटर्जी यांच्या 'वंदे मातरम्' राष्ट्रगीताला आणि 'आनंद मठ' कादंबरीला १५० वर्षे पूर्ण होत असल्याच्या औचित्याने हा महोत्सव कला, संस्कृती आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम ठरणार आहे.

युवारंग महोत्सवासाठी रायसोनी महाविद्यालयात उभारण्यात आलेला भव्य मंडप. तसेच सजवलेले प्रवेशद्वार.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

सकाळ

Wednesday 08/10/2025

अंबाडा: आंतरराष्ट्रीय 'सायबर समिट'मध्ये सहभागी झालेले तज्ज्ञ.

रायसोनी कॉलेजमध्ये आंतरराष्ट्रीय 'सायबर समिट'

अंबाडा: जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, नागपूर आणि संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी (सायबर सुरक्षा) विभागाच्या वतीने इंटरनॅशनल सायबर समिटचे आयोजन नुकतेच पार पडले. या शिखर परिषदेत देश-विदेशातील सायबर सुरक्षा तज्ज्ञ, उद्योग क्षेत्रातील मान्यवर आणि कायदा व सुव्यवस्था यंत्रणेचे अधिकारी सहभागी झाले. सायबर थ्रेट्स, फॉरेन्सिक, क्लाउड सिक्युरिटी, आयओटी सिक्युरिटी अशा विषयांवर केयनोट सेशन्स, पॅनल डिस्कशन्स आणि पॉवर टॉक्स आयोजित करण्यात आले. उद्घाटन समारंभात पूजा वि. जोशी मुख्य अतिथी म्हणून उपस्थित होत्या. विशेष अतिथी म्हणून आयपीएस लोहित मटानी, पोलिस उपायुक्त नागपूर, तसेच डॉ. राकेश कृपलानी 'गेस्ट ऑफ हॉनर' म्हणून उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे मार्गदर्शन कॉलेजचे संचालक डॉ. विवेक कपूर यांनी केले. आयोजन समितीत डॉ. प्रीती एम. बिहाडे (संयोजक व विभागप्रमुख), डॉ. प्रवीण कुलुर्कर (सह-संयोजक) आणि प्रा. सौरभ व्यास यांनी महत्त्वाची भूमिका बजावली. या परिषदेत विद्यार्थ्यांमध्ये सायबर सुरक्षेबाबत जागरूकता वाढविणे आणि जागतिक ज्ञानाचे आदानप्रदान साध्य करणे हा मुख्य उद्देश होता. अनिकेत लोहे आणि कॉलेजमधील विद्यार्थ्यांच्या सक्रिय सहभागामुळे समिट यशस्वीरीत्या पार पडले.

पुण्य नगरी
Wednesday 08/10/2025

आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पूर्ण

जळगाव : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पुर्ण झाली असून पाचही रंगमंच सज्ज झाले आहेत, आज दि. ०८ ऑक्टोबर पासून संघाचे आगमन होणार असून त्यांची नोंदणी केली जाणार आहे. तसेच सायंकाळी ६ वाजता संगीत आनंदमठ या महानाट्याचा प्रयोग सादर केला जाणार आहे.

यंदाचा युवक महोत्सव जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) येथील प्रांगणात होत असून रंगमंच सज्ज झाले आहेत. युवारंगाची २५ वर्षाच्या गौरवशाली परंपरा कायम ठेवत कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) यांच्या संयुक्त विद्यमाने हा युवक महोत्सव घेण्यात येत आहे. या युवक महोत्सवात 'वंदे मातरम १५०' संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बक्कीमचंद्र चटर्जी यांच्या वंदे मातरम या राष्ट्रगीताला आणि आनंद मठ या कादंबरीला १५० वर्षे पूर्ण होत आहे. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत यंदाचा युवक महोत्सव कलात्मक, संस्कृती आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम होणार आहे.

या युवक महोत्सवाच्या तयारीचा कुलगुरू प्रा. व्ही एल. माहेश्वरी यांनी आढावा घेतला आहे. या युवक महोत्सवाकरिता पाचही रंगमंच सज्ज झाले असून तयारी पूर्ण झाली असल्याचे संचालिका प्रा. प्रीती अग्रवाल व प्रा. संजय शेखावत तसेच विद्यार्थी विकास विभागाचे प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांनी सांगितले.

या महोत्सवा करिता विविध पंचवीस समिती तयार केली असून मुलींच्या निवासाची व मुलांच्या निवासासाठी स्वतंत्र व्यवस्था वेगवेगळ्या इमारतींमध्ये करण्यात आली आहे. या युवक महोत्सवात सहभागी संघांसाठी भोजन व्यवस्था देखील महाविद्यालयाच्या आवारातच करण्यात आली आहे एकूण ११४ महाविद्यालयांनी या युवक महोत्सवात सहभागी होत असून महाविद्यालयांच्या व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थी या युवक महोत्सवात आपल्या विविध कला सादर करून युवारंगात रंगून जाणार आहेत.

या महोत्सवासाठी सज्ज करण्यात आलेले रंगमंच क्र. १ बकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह, रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह, रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृह, रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृह आणि रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह असे आहेत.

संगीत आनंदमठ महानाट्याचा प्रयोग

● दि.८ ऑक्टोबर रोजी सायंकाळी ६ वाजता ऋषी बंकीमचंद्र चटपोध्याय यांच्या आनंदमठ या अजरामर कादंबरीवर आधारित कोलाज क्रिएशन पुणे निर्मित मातृभूमीच्या उत्कट प्रेमाची अनुभूती देणारे अलौकीक संगीत आनंदमठ हे नाटक सादर केले जाणार आहे.

उदघाटन समारंभ

● दिनांक ९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९ वाजून ३० मिनिटांनी राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री श्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते उद्घाटन होणार असून प्रमुख अतिथी म्हणून विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन हे उपस्थित राहतील. कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही एल माहेश्वरी हे असून रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी व प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी इंगळे यांच्यासह विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य व स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांच्या समवेत विविध विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य, अधिसंभा सदस्य, विद्या परिषद सदस्य व रायसोनी एज्युकेशन चे पदाधिकारी यावेळी उपस्थित राहणार आहेत.

दैनिक पुण्यप्रताप
Wednesday 08/10/2025

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उमविचा आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सव

रौप्य महोत्सवी ◆ युवारंग २०२५

जळगाव (प्रतिनिधी) :- कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पुर्ण झाली असून पाचही रंगमंच सज्ज झाले आहेत, उद्या दि. ०८ ऑक्टोबर पासुन संघाचे आगमन होणार असून त्यांची नोंदणी केली जाणार आहे तसेच सायंकाळी ६ वाजता संगीत आनंदमठ या महानाट्याचा प्रयोग सादर केला जाणार आहे.

यंदाचा युवक महोत्सव जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) येथील प्रांगणात होत असून रंगमंच सज्ज झाले आहेत. युवारंगाची २५ वर्षांच्या गौरवशाली परंपरा कायम ठेवत कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) यांच्या संयुक्त विद्यमाने हा युवक महोत्सव घेण्यात येत आहे. या युवक महोत्सवात वंदे मातरम १५० संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बकीमचंद्र चटर्जी यांच्या वंदे मातरम या राष्ट्रगीताला आणि आनंद मठ या कादंबरीला १५० वर्षे पूर्ण होत आहे. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत यंदाचा युवक महोत्सव कलात्मक, संस्कृती आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम होणार आहे.

या महोत्सवा करिता विविध पंचवीस समिती तयार केली असून मुलींच्या निवासाची व मुलांच्या निवासासाठी स्वतंत्र व्यवस्था वेगवेगळ्या इमारतींमध्ये करण्यात आली आहे. या युवक महोत्सवात सहभागी संघांसाठी भोजन व्यवस्था देखील महाविद्यालयाच्या आवारातच करण्यात आली आहे एकूण ११४ महाविद्यालयांनी या युवक महोत्सवात सहभागी होत असून महाविद्यालयांच्या व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थी या युवक महोत्सवात आपल्या विविध कला सादर करून युवारंगात रंगून जाणार आहेत.

उदघाटन समारंभ

दिनांक ९ ऑक्टोंबर रोजी सकाळी ९ वाजून ३० मिनिटांनी राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री श्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते उद्घाटन होणार असून प्रमुख अतिथी म्हणून विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन हे उपस्थित राहतील. कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही एल माहेश्वरी हे असून रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी व प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी इंगळे यांच्यासह विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य व स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांच्या समवेत विविध विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य, अधिसभा सदस्य, विद्या परिषद सदस्य व रायसोनी एज्युकेशन चे पदाधिकारी यावेळी उपस्थित राहणार आहेत.

नवराष्ट्र
Wednesday 08/10/2025

विद्यापीठ \\ ९ ऑक्टोबरला मंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते होणार उदघाटन

युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पूर्णत्वास

रायसोनी कॉलेजच्या प्रांगणात गौरवशाली परंपरा रंगणार

जळगाव : कबचौउमविचा आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पुर्ण झाली असून पाचही रंगमंच सज्ज झाले आहेत. बुधवार ८ ऑक्टोबर पासून संघाचे आगमन होणार असून त्यांची नोंदणी केली जाणार आहे तसेच सायंकाळी ६ वाजता संगीत आनंदमठ या महानाट्याचा प्रयोग सादर केला जाणार आहे.

यंदाचा युवक महोत्सव रायसोनी इंजिनियरिंग कॉलेजच्या प्रांगणात होत आहे. युवारंगाची २५ वर्षांच्या गौरवशाली परंपरा कायम ठेवत विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व रायसोनी इंजिनियरिंग कॉलेजच्या संयुक्त विद्यमाने हा युवक महोत्सव होत आहे.

या युवक महोत्सवात "वंदे मातरम १५०" संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार

देणाऱ्या बक्कीमचंद्र चटर्जी यांच्या वंदे मातरम या राष्ट्रगीताला आणि आनंद मठ या कादंबरीला १५० वर्षे पूर्ण होत आहे.

या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत यंदाचा युवक महोत्सव कलात्मक, संस्कृती आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम होणार आहे. तयारीचा कुलगुरू प्रा. व्ही एल. माहेश्वरी यांनी आढावा घेतला. पाचही रंगमंच सज्ज झाले असून तयारी पूर्ण झाली असल्याचे संचालिका प्रा. प्रीती अग्रवाल व प्रा. संजय शेखावत तसेच विद्यार्थी विकास विभागाचे प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांनी सांगितले.

या महोत्सवाकरिता विविध पंचवीस समिती तयार केली असून मुलींच्या निवासाची व मुलांच्या निवासासाठी स्वतंत्र व्यवस्था वेगवेगळ्या इमारतींमध्ये करण्यात आली आहे. ११४ महाविद्यालयांनी या युवक महोत्सवात सहभागी होत असून महाविद्यालयांच्या व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थी या युवक महोत्सवात आपल्या विविध कला सादर करतील.

या महोत्सवासाठी सज्ज करण्यात आलेले रंगमंच क्र. १ बकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह, रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह, रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृह, रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृह आणि रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृह असे आहेत.

उदघाटन समारंभ

दिनांक ९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९ वाजून ३० मिनिटांनी राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांच्याहस्ते उद्घाटन होणार असून प्रमुख अतिथी म्हणून विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन हे उपस्थित राहतील. कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही एल माहेश्वरी हे असून रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी व प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी इंगळे यांच्यासह विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य व स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांच्या समवेत विविध विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य, अधिसभा सदस्य, विद्या परिषद सदस्य व रायसोनी एज्युकेशन चे पदाधिकारी यावेळी उपस्थित राहणार आहेत.

संगीत आनंदमठ महानाट्याचा प्रयोग

दि ८ ऑक्टोबर रोजी सायंकाळी ६ वाजता ऋषी बंकीमचंद्र चटपोध्याय यांच्या आनंदमठ या अजरामर कादंबरीवर आधारित कोलाज क्रिएशन पुणे निर्मित मातृभूमीच्या उत्कट प्रेमाची अनुभूती देणारे अलौकीक संगीत आनंदमठ हे नाटक सादर केले जाणार आहे.

महाराष्ट्र टाइम्स
Thursday 09/10/2025

'आयईटीई' उपाध्यक्षपदी डॉ. रवींद्र खराडकर

डॉ. रवींद्र खराडकर

पुणे : जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनीअरिंग आणि मॅनेजमेंटचे कॅम्पस डायरेक्टर डॉ. रवींद्र खराडकर यांची नवी दिल्ली येथील इन्स्टिट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स अँड टेलिकम्युनिकेशन इंजिनीअर्सच्या (आयईटीई) उपाध्यक्षपदी निवड झाली आहे. त्यांना 'आयईटीई'चे वेस्ट झोन इंडिया मेंटॉर म्हणूनही नियुक्त केले आहे.

'आयईटीई' ही देशाची आघाडीची व्यावसायिक संस्था आहे. भारतात आणि परदेशात दीड लाखांहून अधिक सदस्य या संस्थेचे आहेत. डॉ. खराडकर 'आयईटीई पुणे सेंटर'चे अध्यक्ष होते. त्यांच्या कारकिर्दीत, त्यांनी तंत्रज्ञान, संशोधन, जागतिक नवतंत्रज्ञान आणि नवोपक्रमात असंख्य उपक्रमांचे नेतृत्व केले आहे. 'रायसोनी एज्युकेशन'चे अध्यक्ष सुनील रायसोनी, कार्यकारी संचालक श्रेयश रायसोनी यांनी डॉ. खराडकर यांचे निवडीबद्दल अभिनंदन केले.

THE TIMES OF INDIA
Thursday 09/10/2025

Kharadkar new VP of IETE

Pune: The campus director of G H Raisoni College of Engineering, Ravindra Kharadkar, is elected vice president of the Institution of Electronics & Telecommunication Engineers (IETE), New Delhi. He has also been nominated as the IETE west zone mentor. Kharadkar spearheaded numerous initiatives in technology, research, global outreach, and innovation. TNN

पुरोगामी विचाराचे
एकमत
Thursday 09/10/2025

डॉ. रवींद्र खराडकर आयईटीईच्या उपाध्यक्षपदी

पुणे : प्रतिनिधी

जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनीअरिंग आणि मॅनेजमेंट पुणेचे कॅम्पस डायरेक्टर डॉ. रवींद्र खराडकर यांची नवी दिल्ली येथील इन्स्टिट्युशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स अँड टेलिकम्युनिकेशन इंजिनीअर्सच्या उपाध्यक्षपदी निवड झाली आहे. डॉ. खराडकर यांना आयईटीईचे वेस्ट झोन इंडिया मेंटर म्हणूनही नियुक्त केले आहे.

आयईटीई ही भारतातील आघाडीची व्यावसायिक संस्था आहे. भारतात आणि परदेशात १.५ लाखांहून अधिक सदस्य या संस्थेचे आहेत. या सदस्यांमध्ये शिक्षणतज्ज्ञ, उद्योजक, शास्त्रज्ञ आणि विद्यार्थी आहेत. आयईटीई देशभरातील त्यांच्या ८० केंद्रांद्वारे सदस्यांना सेवा देते. डॉ. खराडकर आयईटीई पुणे सेंटरचे अध्यक्ष होते. त्यांच्या कारकीर्दीत त्यांनी तंत्रज्ञान, संशोधन, जागतिक नवतंत्रज्ञान आणि नवोपक्रमात असंख्य उपक्रमांचे नेतृत्व केले आहे. त्यांनी शैक्षणिक आणि उद्योगाची एकत्र सांगड घालत पूरक इकोसिस्टिम तयार केली आहे. शैक्षणिक संशोधनासाठी व्यासपीठ निर्माण केले आहे. डॉ. आर. डी. खराडकर यांनी आयईटीईचे आभार मानले. रायसोनी एज्युकेशनचे अध्यक्ष सुनील रायसोनी, रायसोनी एज्युकेशनचे कार्यकारी संचालक श्रेयश रायसोनी यांनी डॉ. खराडकर यांच्या निवडीबद्दल अभिनंदन केले.

देशदूत
नवी आशा नवी दिशा
Thursday 09/10/2025

आजपासून रंगणार.... युवारंग महोत्सव

जळगाव । प्रतिनिधी

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्रविद्यापीठाच्याआंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची तयारी पुर्ण झाली असून पाचही रंगमंच सज्ज झाले आहेत, उद्या दि. ८ ऑक्टोबर पासून संघाचे आगमन होणार असून त्यांची नोंदणी केली जाणार आहे तसेच सायंकाळी ६ वाजता संगीत आनंदमठ या महानाट्याचा प्रयोग सादर केला जाणार आहे. यंदाचा युवक महोत्सव जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) येथील प्रांगणात होत असून रंगमंच सज्ज झाले आहेत. युवारंगाची २५ वर्षांच्या गौरवशाली परंपरा कायम ठेवत कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) यांच्या संयुक्त विद्यमाने हा युवक महोत्सव घेण्यात येत आहे. या युवक महोत्सवात वंदे मातरमं १५०'संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या क्रांतीची ज्वाला पेटविणाऱ्या आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार देणाऱ्या बंकीमचंद्र चटर्जी यांच्या वंदे मातरम या राष्ट्रगीताला आणि आनंद मठ या कादंबरीला १५० वर्षे पूर्ण होत आहे. या ऐतिहासिक क्षणाचे औचित्य साधत यंदाचा युवक महोत्सव कलात्मक, संस्कृती आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य महासंगम होणार आहे. या युवक महोत्सवाच्या तयारीचा कुलगुरू प्रा. व्ही एल. माहेश्वरी यांनी आढावा घेतला आहे. या युवक महोत्सवाकरिता पाचही रंगमंच सज्ज झाले असून तयारी पूर्ण झाली असल्याचे संचालिका प्रा. प्रीती अग्रवाल व प्रा. संजय शेखावत तसेच विद्यार्थी विकास विभागाचे प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांनी सांगितले.

युवारंगातून रंगणार कलाविष्कार

या महोत्सवा करिता विविध पंचवीस समिती तयार केली असून मुलींच्या निवासाची व मुलांच्या निवासासाठी स्वतंत्र व्यवस्था वेगवेगळ्या इमारतींमध्ये करण्यात आली आहे. या युवक महोत्सवात सहभागी संघांसाठी भोजन व्यवस्था देखील महाविद्यालयाच्या आवारातच करण्यात आली आहे एकूण ११४ महाविद्यालयांनी या युवक महोत्सवात सहभागी होत असून महाविद्यालयांच्या व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थी या युवक महोत्सवात आपल्या विविध कला सादर करून युवारंगात रंगून जाणार आहेत.

विविध नावाने रंगमंच

या महोत्सवासाठी सज्ज करण्यात आलेले रंगमंच क्र. १ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह, रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह, रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृह, रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृह आणि रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृह असे आहेत. दि ८ ऑक्टोबर रोजी सायंकाळी ६ वाजता ऋषी बंकीमचंद्र चटपोध्याय यांच्या आनंदमठ या अजरामर कादंबरीवर आधारित कोलाज क्रिएशन पुणे निर्मित मातृभूमीच्या उत्कट प्रेमाची अनुभूती देणारे अलौकीक संगीत आनंदमठ हे नाटक सादर झाले..

आज ९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९ वाजून ३० मिनिटांनी राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री श्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते उद्घाटन होणार असून प्रमुख अतिथी म्हणून विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन हे उपस्थित राहतील. कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थानी कुलगुरु प्रा. व्ही एल माहेश्वरी हे असून रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी व प्र. कुलगुरु प्रा. एस. टी इंगळे यांच्यासह विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य व स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांच्या समवेत विविध विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य, अधिसभा सदस्य, विद्या परिषद सदस्य व रायसोनी एज्युकेशन चे पदाधिकारी यावेळी उपस्थित राहणार आहेत.

दैनिक दिव्य मराठी
Thursday 09/10/2025

विद्यापीठाच्या 'युवारंग' महोत्सवाचे आज उद्घाटन

प्रतिनिधी | जळगाव

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सव गुरुवारपासून जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट येथील प्रांगणात आयोजित केला आहे. यंदा ११४ महाविद्यालयांच्या व्यवस्थापकांसह एकूण १८०० विद्यार्थी आपल्या कला सादर करणार आहेत. महोत्सवाचे ९ रोजी सकाळी ९.३० वाजता जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांच्या हस्ते उद्घाटन होईल. प्रमुख पाहुणे म्हणून विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन हे उपस्थित राहतील. अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा.व्ही. एल. माहेश्वरी हे असतील. रायसोनी एज्युकेशनचे चेअरमन सुनील रायसोनी, प्र.कुलगुरू प्रा.एस.टी. इंगळे, विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य व स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंगचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांच्या समवेत इतर मान्यवर उपस्थित राहणार आहे.

सायंदैनिक साईमत

Thursday 09/10/2025

युवारंग महोत्सव : जी. एच. रायसोनी कॉलेजमध्ये पाच प्रमुख रंगमंचांवर विविध स्पर्धांचा उत्साह

जळगाव । प्रतिनिधी

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठांतर्गत आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाची सुरुवात झाली आहे. त्यात विद्यापीठाच्या ११५ महाविद्यालयांच्या संघांनी नोंदणी केली आहे. स्पर्धेत ५१३ विद्यार्थी कलावंत आणि ८११ विद्यार्थीनी कलावंत सहभागी होत आहे. त्यांना साथ देणारे १७१ व्यवस्थापकांसह १ हजार ४९५ सहभागी प्रेक्षक उपस्थित आहेत. पुरुष व्यवस्थापकांची संख्या १४३ तर महिला व्यवस्थापकांची १११ असणार आहे.

यंदाचा युवक महोत्सव जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट (स्वायत्त)च्या प्रांगणात रंगमंच सज्ज करून आयोजित केला आहे. युवारंगाची २५ वर्षांची गौरवशाली परंपरा कायम ठेवत विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी. एच. रायसोनी कॉलेज यांच्या संयुक्त विद्यमाने हा महोत्सव घेण्यात येत आहे. यंदा महोत्सवाची थीम "वंदे मातरम १५०" ठेवण्यात आली आहे. भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या बंकीमचंद्र चटर्जी यांच्या 'वंदे मातरम' राष्ट्रगीताला आणि 'आनंद मठ' कादंबरीला १५० वर्ष पूर्ण होण्याचे औचित्य साधण्यात आले आहे. त्यामुळे यंदाचा महोत्सव कलात्मक, सांस्कृतिक आणि राष्ट्रभक्तीचा भव्य संगम ठरणार आहे.

महोत्सवासाठी पाच प्रमुख रंगमंच सज्ज केले आहेत. त्यात रंगमंच क्र. १ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह, २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर, ३ कवी प्रदीप, ४ कवी प्रेम धवन, ५ राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृह यांचा समावेश आहे. राज्याचे जलसंपदा तथा आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीष महाजन यांच्या हस्ते गुरुवारी, ९ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ९:३० वाजता उद्घाटन होणार आहे. प्रमुख पाहुणे म्हणून विद्यापीठ सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन उपस्थित राहतील. अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही एल माहेश्वरी असतील. याप्रसंगी उद्योजक महेंद्र रायसोनी, प्रा. एस. टी इंगळे, व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, संचालिका डॉ. प्रीती अग्रवाल यांच्यासह विविध पदाधिकारी उपस्थित राहणार आहेत.

युवक महोत्सवातील आजचे प्रमुख कार्यक्रम असे

युवक महोत्सवातील आजच्या प्रमुख कार्यक्रमांमध्ये बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात दु. १ वाजता नक्कल कलाप्रकार, दु. ४ वाजता मूक अभिनय, स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात दु. १ वाजता भारतीय समूहगान, कवी प्रदीप सभागृहात दु. १ वाजता वक्तृत्व स्पर्धा, कवी प्रेम धवन सभागृहात दु. १ वाजता स्थळचित्र स्पर्धा, दु. ४ वाजता व्यंगचित्र स्पर्धा, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृहात दु. १ वाजता भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत (स्वर वाद्य) तर दु. ४ वाजता भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत (ताल वाद्य) आदी कार्यक्रमांचा समावेश आहे. हा युवक महोत्सव विद्यार्थ्यांसाठी कलात्मक, सांस्कृतिक आणि राष्ट्रभक्तीच्या आव्हानांनी भरलेला अनुभव ठरणार असल्याचे विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ. संजय शेखावत यांनी सांगितले.

सायंदैनिक साईमत

Friday 10/10/2025

विद्यार्थ्यांनी 'व्यसनमुक्त' राहून राष्ट्रासाठी ज्ञानार्पण करावे

जी.एच. रायसोनी महाविद्यालयातील आयोजित युवारंग महोत्सवाच्या उद्घाटनाप्रसंगी मंत्री गिरीष महाजन यांचे आवाहन

जळगाव । प्रतिनिधी

खान्देशातून भास्काराचार्य, साने गुरूजी, शिरीष कुमार, बालकवी ठोंबरे, लता मंगेशकर, भालचंद्र नेमाडे, अभिनेत्री स्मिता पाटील, कवि ना.धो. महानोर, प्रतिभाताई पाटील, उद्योजक भंवरलाल जैन, शितल महाजन यांसारख्या व्यक्तिमत्त्वांनी आपल्या क्षेत्रात नाम कमावले आहे. आजच्या तरुणांनी त्यांच्याकडून प्रेरणा घेऊन व्यसनमुक्त राहून ज्ञान देशासाठी अर्पण करावे, एक क्षेत्र निवडून त्यात सातत्याने सर्वोच्च स्थानी पोहचण्याचा प्रयत्न करावा, सोबतच आत्मविश्वास बाळगावा, असे आवाहन राज्याचे जलसंपदा तथा आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीष महाजन यांनी केले.

खान्देशातील प्रतिभावंत व्यक्तिमत्त्वांना प्रेरणा मानून युवारंग युवक महोत्सवाला गुरुवारी, ९ ऑक्टोबर रोजी जळगावात भव्यपणे प्रारंभ झाला. कार्यक्रमाचे उद्घाटन मंत्री गिरीष महाजन यांच्या हस्ते करण्यात आले. हा महोत्सव जळगाव उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ आणि जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग व मॅनेजमेंट (स्वायत्त) यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित केला होता. त्यावेळी ते बोलत होते.

उद्घाटन समारंभात मंचावर कुलगुरू प्रा. व्ही.एल. माहेश्वरी, विद्यापीठ सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन, प्रा. कुलगुरू प्रा. एस.टी. इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, विद्यापीठ व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य ॲड. अमोल पाटील, प्रा. शिवाजी पाटील, प्रा. पवित्रा पाटील, प्रा. महेंद्रसिंग रघुवंशी, प्रा. एस.एस. राजपूत, प्रा. जगदीश पाटील, प्रा. सुरेखा पालवे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, संचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल, वित्त व लेखाधिकारी सीए रवींद्र पाटील, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळाचे संचालक प्रा. योगेश पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भंगाळे, स्वप्नाली महाजन, प्रा. संदीप नेरकर, प्रा. मंदा गावित, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक

डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ. संजय शेखावत, डॉ. संजय पाटील, डॉ. विवेकानंद चव्हाण (जिल्हा समन्वयक) तसेच सर्व माजी विद्यार्थी विकास संचालक उपस्थित होते. समारंभात विद्यापीठाचे माजी विद्यार्थी संचालक प्रा. केशव ढाकणे, प्रा. शांताराम बडगुजर, प्रा. विलास चव्हाण, प्रा. पंकजकुमार नन्नवरे, प्रा. सत्यजित साळवे, प्रा. जी.ए. उस्मानी, प्रा. एस.टी. इंगळे, प्रा. सचिन नांद्रे, प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांचा मंचावरील मान्यवरांच्या हस्ते सत्कार करण्यात आला. यावेळी अधिष्ठाता प्रा. अनिल डोंगरे, प्रा.एस.टी. भुकन, अधिसभा सदस्य ऋषीकेश चित्तम, डॉ. कविता महाजन, नेहा जोशी, वैशाली वराडे, व्ही.टी. जोशी, नितीन ठाकूर, दीपक पाटील, भानुदास येवलेकर, प्रा. गजानन पाटील, ॲड. केतन ढाके, केदारनाथ कवडीवाले यांच्यासह सहभागी विद्यार्थी, व्यवस्थापक, कर्मचारी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

विद्यापीठाच्या युवारंगाला थीम बेस करण्याचे गेल्या तीन वर्षापासून सुरु केले आहेत. राज्यात हा प्रयोग प्रथम आपल्या विद्यापीठाने सुरु केला त्याचे अनुकरण आता इतर विद्यापीठे करीत आहेत. यंदा बकीमचंद्र चटोपाध्याय लिखीत 'वंदे मातरम' राष्ट्रगीताला १५० वर्षे पूर्ण होत असल्याने ही थीम दिली आहे. विद्यापीठाने चांगला नावलौकीक व राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणात दिलेल्या योगदानामुळे एनआयआरएफ रँकींगमध्ये आपले ५१ ते १०० मधील स्थान कायम ठेवले असल्याचे स्वागताध्यक्ष राजू नन्नवरे यांनी सांगितले.

युवारंग ही स्पर्धा सहभागासाठी आहे. जिंकणे किंवा हरणे महत्वाचे नाही तर अनुभवातून शिकणे महत्त्वाचे असल्याचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे यांनी विद्यार्थ्यांना सांगितले. युवारंग महोत्सवाची परंपरा २५ वर्षांची आहे. विद्यापीठाने ग्रामीण व आदिवासी भागातील विद्यार्थ्यांना सुसंस्कारी नागरिक बनवले आहे. यंदाच्या महोत्सवाची थीम "वंदे मातरम १५० वर्षे" ठेवण्यात आली आहे. राष्ट्रगीत केंद्रस्थानी राहून विद्यार्थ्यांना राष्ट्रीय अभिमान आणि राष्ट्रभक्तीची शिकवण दिली जात आहे.

युवारंग महोत्सवाची वैशिष्ट्ये अशी

'मेक इन इंडिया' विषयक विद्यार्थ्यांनी तयार केलेला लोगो, एआय-युवा-किंवा : कृत्रिम बुद्धिमत्तेवर आधारित सहायक, जो महोत्सवाची माहिती विद्यार्थ्यांना देईल. युवारंग महोत्सवात विद्यार्थ्यांचा ४० टक्के तर ६० टक्के विद्यार्थिनींचा सहभाग आहे. युवारंगात महाविद्यालयातील शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी तसेच २५० स्वयंसेवक विद्यार्थी परिश्रम घेत असल्याचे महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल यांनी सांगितले.

उद्घाटन समारंभात ध्वजारोहण

उद्घाटन समारंभात ध्वजारोहण करण्यात आले. तसेच कुलगुरू प्रा. व्ही.एल. माहेश्वरी (विद्यापीठ ध्वज), डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे (युवारंग ध्वज), डॉ. प्रिती अग्रवाल (महाविद्यालय ध्वज) तर राष्ट्रगीत, राज्यगीत, विद्यापीठ गीत आणि युवारंग गीत गायले गेले. सुमीत खैरे ह्या विद्यार्थ्याने प्रतिज्ञा दिली.

प्रामाणिकपणे काम करून राष्ट्र प्रथम ठेवावे

राष्ट्रगीतातून राष्ट्राचे ऐक्य, धैर्य, शौर्य, अभिमान आणि अखंडता स्पष्ट होत असल्याचे कुलगुरू प्रा. व्ही.एल. माहेश्वरी यांनी सांगितले. त्यांनी विद्यार्थ्यांना प्रामाणिकपणे काम करून राष्ट्र प्रथम ठेवावे, शिक्षणाद्वारे समिक्षात्मक विचार, अस्तित्व टिकवण्याचे कौशल्य व भावनिक बुध्दीमत्ता या गुणांची जोपासना करावी, असे मार्गदर्शन केले. कार्यक्रमाची सांगता 'वंदे मातरम्' गाण्याने झाली. जे विवेकानंद प्रतिष्ठानच्या कलाकारांनी सादर केले. सूत्रसंचालन हर्षल पाटील तर आभार समन्वयक प्रा. संजय शेखावत यांनी मानले.

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

नवभारत
Friday 10/10/2025

समारोह | KBCNM के 'युवारंग' महोत्सव का शुभारंभ, ईमानदार बनने की सलाह

युवा ही बनाएंगे भारत को विश्वगुरु: महाजन

■ **जलगांव, (सं.)** कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय और जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (स्वायत्त) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरमहाविद्यालयीन 'युवारंग' युवा महोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के जलसंपदा और आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि आज की पीढ़ी को 'राष्ट्र सर्वप्रथम' का संकल्प लेकर आगे बढ़ना चाहिए.

खानदेश की प्रतिभाओं से लें प्रेरणा : मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि खानदेश की धरती ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएं दी हैं. उन महान विभूतियों से प्रेरणा लेकर युवाओं को अपने ज्ञान और कौशल को राष्ट्र की सेवा में समर्पित करना चाहिए. उन्होंने कहा कि खानदेश की भूमि ने भास्कराचार्य, साने गुरुजी, लता मंगेशकर, स्मिता पाटिल, भालचंद्र नेमाडे और प्रतिभाताई पाटिल जैसे अनेक रत्न देश को दिए हैं. उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे व्यसनमुक्त जीवन अपनाकर आत्मविश्वास और समर्पण की भावना से आगे बढ़ें. महाजन ने कहा कि युवारंग केवल सांस्कृतिक मंच नहीं, बल्कि जीवन में दिशा देने वाला एक अवसर है. इस बार युवारंग की थीम 'वंदे मातरम 150' रखी गई है, जो देशभक्ति और एकता की भावना को पुनर्जीवित करती है. अध्यक्षीय संबोधन में कुलगुरु प्रो. वी.एल. माहेश्वरी ने कहा कि 2047 तक भारत एक विकसित, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली राष्ट्र बनेगा. इसके लिए उन्होंने युवाओं को ईमानदारी, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया.

युवा-किंबा का अनावरण व 60% छात्राओं की भागीदारी

उन्होंने छात्रों को आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और निरंतर सीखने की लगन जैसे तीन गुण जीवनभर संजोए रखने की सलाह दी. रायसोनी कॉलेज की संचालिका डॉ. प्रीति अग्रवाल ने बताया कि कॉलेज के छात्रों ने 'मेक इन इंडिया' से प्रेरित एक मॉडल और 'एआई आधारित वर्चुअल असिस्टेंट – युवा-किंबा' विकसित किया है, जो कार्यक्रम से जुड़ी सभी जानकारियां तुरंत उपलब्ध कराएगा. छात्र विकास निदेशक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाले ने बताया कि इस वर्ष के रजत जयंती 'युवारंग' में 60 प्रतिशत प्रतिभागी छात्राएं हैं. कार्यक्रम का समापन विवेकानंद प्रतिष्ठान के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत वंदे मातरम गीत की गूंज के साथ हुआ. इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. एस.टी. इंगले, अशोक जैन, राजेंद्र नन्नावरे सहित कई नागरिक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे.

नवशक्ति
Friday 10/10/2025

आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाचे उद्घाटन

तरुण पिढीने राष्ट्र प्रथम ही भूमिका अंगीकारावी - गिरीश महाजन

जळगाव : खान्देशातील भूमीतून अनेक क्षेत्रातील प्रतिभावंत निर्माण झाले आहेत. त्यांना प्रेरणा मानून, युवारंगाद्वारे विद्यार्थ्यांनी मिळालेल्या संधीचा पूर्ण उपयोग करावा, असा आग्रह राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांनी आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाचे उद्घाटन करताना व्यक्त केला. त्यांनी तरुण पिढीला राष्ट्र प्रथम ही भूमिका अंगीकारावी आणि प्राप्त ज्ञान देशाप्रती समर्पित करावे असे आवाहन केले.

मंत्री गिरीश महाजन म्हणाले, "खान्देशाच्या भूमीतून भास्कराचार्य, साने गुरुजी, लता मंगेशकर, स्मिता पाटील, ना.धो. महानोर यांसारख्या व्यक्तींनी आपली क्षमता सिद्ध करून खान्देशाला नावलौकिक मिळवून दिले आहे. या प्रेरणेचा फायदा विद्यार्थ्यांनी घेतला पाहिजे. आजच्या तरुणांनी व्यसनाधीनतेला नकार देत उत्कृष्ट सुसंस्कृत नागरिक बनावे. एका क्षेत्रात सातत्य ठेवा, सर्वोच्च स्थान प्राप्त करण्याचा प्रयत्न करा, आत्मविश्वास ठेवा आणि ज्ञान देशासाठी अर्पण करा. प्रधानमंत्री व राज्य सरकारने युवकांसाठी विविध योजना जाहीर केल्या आहेत, त्यांचा लाभ घ्यावा."

> विद्यार्थ्यांनी शिक्षणाद्वारे उच्च शिक्षित झाल्यानंतर गुंतागुंत व्यवस्थापित करण्याचे कौशल्य, समीक्षात्मक विचार व वैज्ञानिक बुद्धीमत्ता कायम राखावी. पैशन, सहानुभूती आणि सामाजिक बांधिलकी जपणे महत्त्वाचे आहे. - प्रा. व्ही.एल. माहेश्वरी, कुलगुरू

युवारंगाला २५ वर्षांची परंपरा असून, त्यातून अनेक उत्कृष्ट कलावंत निर्माण झाले आहेत. विद्यापीठाने ग्रामीण व आदिवासी भागातील विद्यार्थ्यांना सुसंस्कृत नागरीक बनवले आहे, जे यशस्वी झाले आहेत. या युवारंगात "वंदे मातरम १५०" ही संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे. गायक वंदे मातरम गीतातून भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा मिळाली आणि राष्ट्रभक्तीची ज्वाला पेटविली गेली.

स्वागताध्यक्ष राजू नन्नवरे यांनी सांगितले की, विद्यापीठाने गेल्या तीन वर्षांपासून युवारंगाला थीम-आधारित केले आहे. पहिले युवारंग शिवराज्याभिषेक, दुसरे अहिल्यादेवी होळकर, आणि आता वंदे मातरम या राष्ट्रगीताच्या १५० वर्षांच्या साजरीकरणासाठी थीम दिली गेली आहे. विद्यापीठाचे योगदान एनआयआरएफ रँकिंगमध्ये ५१ ते १०० स्थान राखण्यासही महत्त्वाचे ठरले

आयोजक डॉ. प्रीती म्हणाल्या की, युवारंग रायसोनी महाविद्याल प्रांगणात होत असल्या ऐतिहासिक घटना आहे.

9

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

सकाळ

Friday 10/10/2025

मिळालेले ज्ञान देशासाठी अर्पण करा

मंत्री गिरीश महाजन : युवारंग रौप्यमहोत्सवाचे थाटात उद्घाटन

महोत्सवाची क्षणचित्रे

- यंदाच्या 'युवारंग'चा रौप्यमहोत्सव.
- ६० टक्के विद्यार्थिनींचा उत्साही सहभाग.
- एआय-युवा किंवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहायकाचे उद्घाटन.

सकाळ वृत्तसेवा

जळगाव, ता. ९ : खानदेश प्रतिभावंतांची भूमी असून, या भूमीतील महान व्यक्तींच्या कार्यातून प्रेरणा घ्या आणि मिळालेले ज्ञान राष्ट्रासाठी अर्पण करा, असे आवाहन राज्याचे जलसंपदा व आपत्ती व्यवस्थापनमंत्री गिरीश महाजन यांनी गुरुवारी (ता. ९) येथे केले.

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ आणि जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग ॲन्ड मॅनेजमेंट (स्वायत्त) यांच्यातर्फे होणाऱ्या आंतरमहाविद्यालयीन 'युवारंग' युवक महोत्सवाच्या उद्घाटनप्रसंगी ते बोलत होते.

मंत्री महाजन म्हणाले, की भास्कराचार्य, साने गुरुजी, लता मंगेशकर, स्मिता पाटील, भालचंद्र नेमाडे, प्रतिभाताई पाटील, भंवरलाल जैन यांसारख्या व्यक्तींनी खानदेशाला नावलौकिक मिळवून दिला. त्या कार्याची प्रेरणा घेऊन विद्यार्थ्यांनी उत्कृष्टतेकडे वाटचाल करावी. त्यांनी तरुणांना व्यसनमुक्त व सुसंस्कारित नागरिक बनून आत्मविश्वासाने यशाकडे वाटचाल करावी. प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्र्यांनी युवकांसाठी जाहीर केलेल्या योजनांचा लाभ घ्यावा, असेही आवाहन त्यांनी केले.

'वंदे मातरम १५०' युवारंगची थीम

यंदाच्या युवारंग महोत्सवाची थीम 'वंदे मातरम् १५०' असून, बंकिमचंद्र चटोपाध्याय यांच्या या राष्ट्रगीताने भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिलेल्या प्रेरणेचा सन्मान या थीमद्वारे करण्यात आला. स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे म्हणाले, की तीन वर्षांपासून विद्यापीठ 'युवारंग'ला थीम-बेस संकल्पना देत आहे. शिवराज्याभिषेक, अहिल्यादेवी होळकर आणि आता 'वंदे मातरम् १५०' या सलग थीम राज्यात आदर्श ठरत आहेत.

जळगाव : युवारंग महोत्सवाच्या उद्घाटनप्रसंगी मंत्री गिरीश महाजन व मान्यवर.

मान्यवरांची उपस्थिती

व्यासपीठावर कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी, प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी. इंगळे, सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, विद्यार्थी विकास संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे, संचालिका डॉ. प्रीती अग्रवाल, विद्यापीठाचे अधिकारी, प्राध्यापक आदी उपस्थित होते.

नवकल्पनांची झलक

संचालिका डॉ. प्रीती अग्रवाल म्हणाल्या, की या वर्षी युवारंगात कृत्रिम बुद्धिमत्तेवर आधारित एआय-युवा- किंवा सहायक तयार केला आहे. या प्रणालीद्वारे उपस्थितांना युवारंगविषयी कोणताही प्रश्न विचारता येईल. तसेच, विद्यार्थ्यांनी 'मेक इन इंडिया' संकल्पनेवर आधारित युवारंगचा लोगो तयार केला आहे. या महोत्सवासाठी २५० स्वयंसेवक, शिक्षक व कर्मचारी कार्यरत आहेत.

कुलगुरूंच्या 'शेरशायरी'ने रंगला माहोल

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी यांनी 'कैसे कहू की मुलाकात नही होती, रोज मिलते है पर बात नही होती' हा शेर ऐकवून विद्यार्थ्यांमध्ये उत्साह निर्माण केला. ते म्हणाले, की २०४७ पर्यंत भारत एक विकसित, सामर्थ्यशाली आणि आत्मनिर्भर देश बनेल. विद्यार्थ्यांनी भावनिक बुद्धिमत्ता, समीक्षात्मक विचार व सामाजिक बांधिलकी या तीन गुणांवर भर द्यावा.

मंगलमय वातावरणात प्रारंभ

प्रारंभी विद्यापीठ, युवारंग व रायसोनी महाविद्यालयाचे ध्वजारोहण झाले. राष्ट्रगीत, राज्यगीत, विद्यापीठ गीत आणि युवारंग गीताने मंगलमय वातावरण झाले. विवेकानंद प्रतिष्ठानच्या कलावंतांनी सादर केलेल्या 'वंदे मातरम्' गीताने कार्यक्रमाची सांगता झाली.

दैनिक दिव्य मराठी

Friday 10/10/2025

युवारंग महोत्सव • उद्घाटन सत्रात जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजनांचा विद्यार्थ्यांना सल्ला

भारतीय समूहगान

स्थळ चित्र रेखाटन

शास्त्रीय वाद्य संगीत

तरुणाईने राष्ट्र प्रथम हा विचार अंगीकारावा

प्रतिनिधी | जळगाव

खान्देशाच्या भूमीतून विविध क्षेत्रातील प्रतिभावंत निर्माण झाले आहेत. त्यांना प्रेरणा मानून युवारंग महोत्सवाद्वारे प्राप्त झालेल्या संधीचे सोनं करा. तरुण पिढीने राष्ट्र सर्वप्रथम ही भूमिका अंगीकारावी. प्राप्त झालेले ज्ञान देशाप्रती समर्पित करावे, असे आवाहन राज्याचे जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन यांनी केले. कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ व जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग व मॅनेजमेंट (स्वायत्त), जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवात ते बोलत होते.

मंचावर अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी, विद्यापीठ सल्लागार समिती अध्यक्ष अशोक जैन, प्र. कुलगुरू प्रा. एस.टी इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंगचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे आदी उपस्थित होते. खान्देशाच्या भूमीतून भास्कराचार्य, साने गुरुजी, शिरीष कुमार, बालकवी ठोंबरे, लता मंगेशकर, भालचंद्र नेमाडे, अभिनेत्री स्मिता पाटील, कवी ना. धों. महानोर, प्रतिभाताई पाटील, उद्योजक भंवरलाल जैन, शीतल महाजन आदी त्या-त्या क्षेत्रातील नामवंत व्यक्तींनी आपली क्षमता सिद्ध करून खान्देशला नावलौकिक प्राप्त करून दिला. या व्यक्तींच्या कार्याची प्रेरणा घेऊन विद्यार्थ्यांनी नावलौकिक मिळवावा, असेही मंत्री महाजन म्हणाले.

विद्यापीठ व जी. एच. रायसोनी कॉलेजतर्फे आयोजित युवारंग स्पर्धा पारदर्शकपणे पार पाडण्याची शपथ घेताना विद्यार्थी व संघ व्यवस्थापक.

युवारंग महोत्सव थीम बेस

महोत्सवाचे स्वागताध्यक्ष राजू नन्नवरे यांनी विद्यापीठाच्या युवारंगाला थीम बेस करण्याचे गेल्या तीन वर्षांपासून सुरू केले आहे. राज्यात हा प्रयोग प्रथम आपल्या विद्यापीठाने सुरू केला त्याचे अनुकरण आता इतर विद्यापीठे करीत आहेत, असे सांगून पहिल्या युवारंगात शिवराज्याभिषेक, दुसऱ्या युवारंगात अहिल्यादेवी होळकर आणि आता बंकीमचंद्र चटोपाध्याय लिखित वंदे मातरम् या राष्ट्रगीताला १५० वर्षे पूर्ण होत असल्याने ही थीम देण्यात आली आहे.

युवारंगच्या ध्वजारोहणप्रसंगी जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन.

एआय-युवा -किंबाचे आकर्षण

रायसोनी कॉलेजच्या संचालिका डॉ. प्रीती अग्रवाल यांनी युवारंग युवक महोत्सव शहरातील रायसोनी महाविद्यालयाच्या प्रांगणात होणं ही इतिहासात नोंद घेणारी घटना आहे. युवारंगात मेक इन इंडियाचा या कॉलेजातील इलेक्ट्रिकल इंजिनिअरिंगच्या विद्यार्थ्यांनी तयार केलेला लोगोची प्रतिकृती तयार केली असल्याचे सांगितले. युवारंगचे दुसरे वैशिष्ट्य नमूद करताना त्यांनी एआय- युवा- किंबा हा कृत्रिम बुद्धिमत्तेवर आधारित सहायक तयार केला असून, या पाच दिवसांत या युवा-किंबाला कोणताही प्रश्न विचारला तर तो युवारंगाची माहिती देईल. युवारंगात शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी व २५० स्वयंसेवक विद्यार्थी मेहनत घेत असल्याचे सांगितले.

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

नवी आशा नवी दिशा
देशदूत
Friday 10/10/2025

तरुणांनी राष्ट्रनिर्मितीसाठी पुढे यावे-ना.महाजन

जळगाव । प्रतिनिधी

खान्देशातील भूमीतून विविध क्षेत्रातील प्रतिभावंत निर्माण झाले आहेत त्यांना प्रेरणा मानून युवारंगाद्वारे प्राप्त झालेल्या संधीचे सोने विद्यार्थ्यांनी करावे असे प्रतिपादन करून आजच्या तरुणपिढीने राष्ट्र सर्वप्रथम ही भूमिका अंगीकारावी व आपल्याला प्राप्त झालेले ज्ञान देशाप्रती समर्पित करावे असे आवाहन करीत कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ व जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनीअरिंग व मॅनेजमेंट (स्वायत्त), जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाचे उद्घाटन करतांना राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांनी केले.

यावेळी मंचावर अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही एल माहेश्वरी, विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन, प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य ॲड अमोल पाटील, प्रा. शिवाजी पाटील, प्रा. पवित्रा पाटील, प्रा. महेंद्रसिंग रघुवंशी, प्रा. एस.एस. राजपूत, प्रा. जगदीश पाटील, प्रा. सुरेखा पालवे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, संचालिका डॉ.प्रिती अग्रवाल, वित्त व लेखाधिकारी सीए रवींद्र पाटील, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळाचे संचालक प्रा. योगेश पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भंगाळे, स्वप्नाली महाजन, प्रा. संदीप नेरकर, प्रा. मंदा गावीत, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे व डॉ. संजय शेखावत, डॉ. संजय पाटील, डॉ. विवेकानंद चव्हाण (जिल्हा समन्वयक) आणि सर्व माजी विद्यार्थी विकास संचालक उपस्थित होते. ना. गिरीश महाजन पुढे म्हणाले की, खान्देशाच्या भूमितून भास्कराचार्य, साने गुरूजी, शिरिष कुमार, बालकवी ठोंबरे, लता मंगेशकर, भालचंद्र नेमाडे, अभिनेत्री स्मिता पाटील, कवि ना.धो. महानोर, प्रतिभाताई पाटील, उद्योजक भंवरलाल जैन, शितल महाजन इ. त्या त्या क्षेत्रातील नामवंत व्यक्तिंनी आपली छबा सिध्द करून खान्देशाला नावलौकीक प्राप्त करून दिला आहे. या व्यक्तिंच्या कार्याची प्रेरणा घेवून विद्यार्थ्यांनी नावलौकीक मिळवावा. आजच्या तरूणाईने व्यसनाधिनतेला स्पष्टपणे नकार देवून उत्कृष्ट सुसंस्कारित नागरीक प्राप्त झालेल्या शिक्षणाच्या आधारे बनावे. एका क्षेत्रात सातत्य ठेवून त्यामध्ये सर्वोच्चस्थानी पोहचण्याचा प्रयत्न करावा. मनामध्ये आत्मविश्वास ठेवावा. ज्ञान देशासाठी अर्पण करावे. प्रधानमंत्री मोदी व राज्याचे मुख्यमंत्री यांनी विविध योजना युवकांसाठी जाहीर केल्या आहेत त्याचा फायदा घ्यावा. आरोग्यम धनसंपदा या ब्रीदवाक्याला शिर्षक म्हणून समोर ठेवून व्यसनाधिनता ठेवू नये व राष्ट्राचे शिक्षीत व सुसंस्कृत नागरीक बनावे. या युवारंगाला २५ वर्षांची परंपरा आहे. त्यातून उत्कृष्ट कलावंत निर्माण झाले आहेत. विद्यापीठाने ग्रामीण व आदिवासी भागातील विद्यार्थ्यांना सुसंस्कृत नागरिक बनविले आहे. ते त्या त्या क्षेत्रात चमकली झाले आहेत. त्याचे श्रेय विद्यापीठाचे कुलगुरू व सर्व संबंधित घटकांचे आहे. या युवारंगात वंदे मातरम १५० संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे. वंदे मातरम या गीतातून भारतीय स्वातंत्र्य चळवळीला दिशा देणाऱ्या क्रांतीची ज्वाला पेटविली गेली आणि राष्ट्रभक्तीच्या चेतनेला आकार मिळाला आहे. विद्यार्थ्यांनी या युवारंगाच्या संधीचा लाभ घेवून उत्कृष्ट कलावंत व्हावं अशी अपेक्षा व्यक्त केली. विद्यापीठाला आपत्कालीन मदत केंद्र व इतर समस्या सोडविण्यासाठी जे जे शक्य आहे ते ते करण्याचे आश्वासन दिले आणि या युवारंगात विद्यार्थिनी विद्यार्थिनींना सहभाग लक्षणीय आहे. विद्यार्थ्यांनी देखील स्वदेशित बाबतीत आपला सहभाग वाढवावा असे आवाहन करीत उद्घाटनाचे जल्लोषपूर्ण भाषण केले.

स्वागताध्यक्ष राजू नन्नवरे यांनी विद्यापीठाच्या युवारंगाला थीम बेस करण्याचे गेल्या तीन वर्षांपासून सुरू केले आहेत. राज्यात हा प्रयोग प्रथम आपल्या विद्यापीठाने सुरु केला त्याचे अनुकरण आता इतर विद्यापीठे करीत आहेत असे सांगून पहिल्या युवारंगात शिवराज्याभिषेक, दुसऱ्या युवारंगात अहिल्यादेवी होळकर आणि आता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय लिखीत वंदे मातरम या राष्ट्रगीताला १५० वर्षे पूर्ण होत असल्याने ही थीम देण्यात आली आहे. विद्यापीठाने चांगला नावलौकीक व राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणात दिलेल्या योगदानामुळे एनआयआरएफ रँकिंगमध्ये आपले ५१ते १०० मधील स्थान कायम ठेवले आहे. कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे यांनी विद्यार्थ्यांना आवाहन केले की, युवारंग ही एक स्पर्धा आहे यात तुमचा सहभाग महत्त्वाचा आहे.

इतिहासात नोंद घेणारी घटना

अयोजक महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल यांनी युवारंग युवक महोत्सव रायसोनी महाविद्यालयाच्या प्रांगणात होणं ही इतिहासात नोंद घेणारी ही घटना आहे. या युवारंगात येथ इन इंडियाचा या महाविद्यालयातील इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींगच्या विद्यार्थ्यांनी तयार केलेला लोगोची प्रतिकृती तयार केली असल्याचे सांगितले तसेच युवारंगाचे दुसरे वैशिष्ट्य नमूद करतांना त्यांनी एआय-युवा-किंवा हा कृत्रिम बुध्दीमत्तेवर आधारीत सहायक तयार केला असून या पाच दिवसात या युवा-किंवाला कोणताही प्रश्न विचारला तर तो युवारंगाची माहिती देईल. या युवारंगात महाविद्यालयातील शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी व २५० स्वयंसेवक विद्यार्थी मेहनत घेत असल्याचे सांगितले.

जिंकणे किंवा हारणे हे महत्वाचे नाही. जीवनात आपल्याला अनेक स्पर्धांना सामोरे जावे लागेल. अध्यक्षीय समारोप करतांना कुलगुरू प्रा. व्ही.एल. माहेश्वरी यांनी 'कैसे कहू की मुलाकात नही होती, रोज मिलते है पर बात नही होती' हा शेर ऐकविता विद्यार्थ्यांमध्ये उत्साहाचे वातावरण निर्माण केले. पुढे त्यांनी सांगितले की, वंदे मातरम या राष्ट्रगीतातून राष्ट्राचे ऐक्य, धैर्य, शौर्य, अस्मिता, अभिमानाचे प्रतिक व अखंडता स्पष्ट होते. २०४७ मध्ये भारत एक विकसित, शक्तिशाली,आधुनिक, सामर्थ्यपूर्ण व आत्मनिर्भर देश म्हणून दिसेल. आपले काम प्रामाणिकपणे करून ते राष्ट्र प्रथम म्हणून राष्ट्र घावे. विद्यार्थ्यांनी शिक्षणाद्वारे उच्च शिक्षीत झाल्यानंतर अस्तित्व टिकवण्यासाठी गुंतगुंत चालवण्याचे कौशल्य, समिक्षात्मक विचार करणे व भावनिक बुध्दीमत्ता हे तीन गुण नित्य जपावे. पेशंटि एाव, सहानुभूती व सामाजिक बांधिलकी नेहमी जपावी असे सांगितले. प्रास्तविक विद्यार्थी विकास संचालक डॉ. लेकुरवाळे यांनी सहभागी कलावंतामध्ये ४० टक्के विद्यार्थी तर ६० टक्के विद्यार्थिनींचा लक्षणीय सहभाग आहे. यंदाच्या रौप्यमहोत्सवी युवारंग असल्याचे सांगितले.

कार्यक्रमाच्या सुरवातीला विद्यापीठ ध्वजाचे आरोहण कुलगुरू प्रा.व्ही.एल. माहेश्वरी, युवारंग ध्वजाचे आरोहण डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे आणि रायसोनी महाविद्यालयाच्या ध्वजाचे आरोहण डॉ. प्रिती अग्रवाल यांच्या हस्ते करण्यात आले. राष्ट्रगीत, राज्यगीत व विद्यापीठ गीताने कार्यक्रमाला सुरुवात झाली. त्यानंतर युवारंग गीत झाले. सुमीत खैर या विद्यार्थ्याने प्रतिज्ञा दिली. युवा-किंवाचे उद्घाटन मंचावरील मान्यवरांचे हस्ते करण्यात आले.

या समारंभात विद्यापीठाचे माजी विद्यार्थी संचालक प्रा. केशव झाकणे, प्रा. सांताराम बढगुजर, प्रा. विलास चव्हाण, प्रा. पंकजकुमार नन्नवरे, प्रा. सत्यजित साळवे, प्रा. जी.ए. उस्मानी, प्रा. एस.टी. इंगळे, प्रा. सचिन नांद्रे व प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांचा सत्कार मंचावरील मान्यवरांचे हस्ते करण्यात आला. सूत्रसंचालन हर्षल पाटील तर आभार समन्वयक प्रा. संजय शेखावत यांनी मानले. यावेळी अधिष्ठाता प्रा. अनिल डोंगरे, प्रा.एस.टी. भुकन, अधिसभा सदस्य ऋषीकेश चित्तम, डॉ. कविता महाजन, नेहा जोशी, वैशाली वराडे, व्ही.टी. जोशी, नितीन ठाकूर, दिपक पाटील, भानुदास येवलेकर, प्रा. गजानन पाटील, ॲड केतन ढाके, केदारनाथ कवडीवाले आदि मान्यवर व सहभागी विद्यार्थी, व्यवस्थापक व कर्मचारी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते. कार्यक्रमाची सांगता वंदेमातरम गिताने झाली हे गीत विवेकानंद प्रतिष्ठानच्या कलावंतांनी सादर केले.

स्पर्धांनी वेधले लक्ष

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग व जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग ॲन्ड मॅनेजमेंट, जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाचे आज जल्लोषात उद्घाटन झाल्यानंतर दुपारच्या सत्रात रायसोनी महाविद्यालयाचा परिसर संगीतमय वातावरणाने रुजबजलेला दिसून आला.

रंगमंच क्र. १ बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय सभागृहात नकल हा कलाप्रकार सादर करीत असताना प्रत्येक स्पर्धक आपल्या बाजूने कला सादर करताना दिसून येत होता. राजकीय नेते, चित्रपट अभिनेता, पक्षी, विविध कार्टून, पुष्पा चित्रपटातील नायक, संगीत वाद्य, नामवंत गायकांचे आवाज, विमान उड्डाण तसेच अमिताभ बच्चन, नाना पाटेकर, सिद्धू फुले, इंदोरीकर महाराज आदींची नकल हुबेहुब सादर करीत असताना प्रेक्षक विद्यार्थ्यांमधून दाद मिळत होती. एकुण २३ महाविद्यालयाच्या संघांनी यात सहभाग नोंदविला होता. याच रंगमंचावर दुपारच्या सत्रात मुक अभिनय ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती यात भ्रमणध्वनीचा अतिरेक विषयी जनजागृती, ॲसिड अटॅक, कृत्रिम बुध्दीमत्तेचा मानवतेवर होणारा परिणाम तसेच पालकांना मुलांकडून काय हवं आदी विषयावर २१ महाविद्यालयांच्या संघांनी सहभाग नोंदविला.

रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह येथे भारतीय समुहगान स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या कलाप्रकारात एकुण २१ स्पर्धकांनी सहभाग नोंदविला होता. यात सारे जहाँ से अच्छा, हे माय भू तुझे मी, यार डोंगराची हवा, रहू नको बाळा, आकाशी झेप घेरे पाखरा, हा देश माझा याचे भान, इतनी शक्ती हमें देना दाता, खंडोबाची कारभारीन, तेरी लाल मिट्टी अखिया, जय भारता जय भारता, छन छन बाजे पायलिया यासह अनेक समुहगान सादर करीत विद्यार्थ्यांनी दाद मिळवली. आपल्या गाण्याच्या शैलीनुसार विद्यार्थ्यांनी केलेले पेहराव लक्ष वेधून घेत होते.

महोत्सवातील उद्या होणारे कार्यक्रम

रंगमंच क्र. १ बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय सभागृह	
भारतीय लोकसंगीत वाद्यवृंद - दु. १.०० ते ४.००	प्रहसन - सकाळी ८.३० ते ११.३०
एकांकिका - सायंकाळी ४.०० ते ६.३०	
रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह	पाश्चिमात्य समुहगान - सकाळी ८.३० ते ११.३०
रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृह	वादविवाद - सकाळी ८.३० ते ११.३०
रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृह	चित्रकला - सकाळी ८.३० ते ११.३० माती कला - दु. १.०० ते ४.००
स्थळ छायाचित्रण (प्राथमिक फेरी) सायं. ४.०० ते ६.३०	
रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह	भारतीय शास्त्रीय गायन एकल - सकाळी ८.३० ते ११.३०
पाश्चिमात्य गायन एकल- दु. १.०० ते ४.००	
पाश्चिमात्य वाद्यसंगीत-एकल -सायंकाळी ४.०० ते ६.३०	

रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृह येथे वक्तृत्व स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. देशभक्तिचे व्यापक संदर्भ हा विषय स्पर्धकांना देण्यात आला. एकुणच प्रत्येक सहभागी आपल्या बोलण्यातून देशभक्ति अंगात संचारत असताना दिसून आला. एकप्रकारे संपूर्ण रंगमंचावर देशमय वातावरण निर्मिती झालेली दिसून येत होती. काही प्रसंग इतके गंभीर होते की प्रेक्षक विद्यार्थ्यांच्या डोळ्यात अश्रुरुपी पाणी येताना दिसत होते. एकुण ८१ स्पर्धकांनी सहभाग नोंदविला होता. यात ०४ दिव्यांग विद्यार्थ्यांचा सहभाग होता.

रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृहात स्थळचित्र ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. रायसोनी महाविद्यालय हा विषय स्थळचित्रासाठी देण्यात आला होता. ६० विद्यार्थी या स्पर्धेत सहभागी झाले होते. महाविद्यालयाच्या परिसरात ठिकठिकाणी विद्यार्थी आपले स्थळचित्र रेखाटतांना दिसून येत होते. याच रंगमंचावर दुपारी ४ वाजता व्यंगचित्र ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. रस्त्यावरील विक्रेता, राजकीय पात्र व पौराणिक पात्र हे तीन विषय यावेळी देण्यात आला होता. अतिशय सुरेख पध्दतीने प्रत्येक स्पर्धक आपल्या कुंचल्यांनी दिलेल्या विषयावर चित्र काढताना दिसून येत होते. एकुण ४० स्पर्धकांनी सहभाग नोंदविला यात ०४ विद्यार्थी दिव्यांग विद्यार्थी सहभागी होते.

रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह येथे भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत (स्वर वाद्य) ही स्पर्धा होती एकुण १२ विद्यार्थ्यांचा संघ यात सहभागी होता. बासरी, हार्मोनियम, विणा आदी वाद्यांची साथ-संगत घेत अतिशय उत्साहाने आपले सादरीकरण विद्यार्थी करताना दिसून येत होते. याच रंगमंचावर दुपारच्या सत्रात भारतिय शास्त्रीय वाद्य संगीत (ताल वाद्य) ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. यात एकुण १५ विद्यार्थ्यांचा संघ आपली कला सादर करताना दिसून आले. तबला, पखवाज, ढोलकी, मृदुंग तसेच अत्याधुनिक वाद्य या प्रकारात वाजताना दिसून आले.

शेखर/जळगाव सुधाकर माळे

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

नवराष्ट्र
Friday 10/10/2025

मंत्री गिरीश महाजन यांचे प्रतिपादन ● महाविद्यालयीन युवारंग महोत्सवाचे उद्घाटन

प्रतिभावंताची प्रेरणा घेत संधीचे सोने करा!

जळगाव (वा.) खान्देशातील भूमीतून विविध क्षेत्रातील प्रतिभावंत निर्माण झाले आहेत त्यांना प्रेरणा मानून युवारंगाद्वारे प्राप्त झालेल्या संधीच सोनं विद्यार्थ्यांनी करावं असे प्रतिपादन करून आजच्या तरूणपिढीने राष्ट्र सर्वप्रथम ही भूमिका अंगीकारावी व आपल्याला प्राप्त झालेले ज्ञान देशाप्रती समर्पित करावे असे आवाहन करीत कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ व जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनीअरींग व मॅनेजमेंट (स्वायत्त), जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाचे उद्घाटन करतांना राज्याचे जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांनी केले.

यावेळी मंचावर अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही एल माहेश्वरी, विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन, प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंग चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य अँड. अमोल पाटील, प्रा. शिवाजी पाटील, प्रा. पवित्रा पाटील, प्रा. महेंद्रसिंग रघुवंशी, प्रा. एस.एस. राजपूत, प्रा. जगदीश पाटील, प्रा. सुरेखा पालवे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, संचालिका डॉ.प्रिती अग्रवाल, वित्त व लेखाधिकारी सीए रवींद्र पाटील, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळाचे संचालक प्रा. योगेश पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भंगाळे, स्वप्नाली महाजन, प्रा. संदीप नेरकर, प्रा. मंदा गावीत, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे व डॉ. संजय शेखावत, डॉ. संजय पाटील, डॉ. विवेकानंद चव्हाण (जिल्हा समन्वयक) आणि सर्व माजी विद्यार्थी विकास संचालक उपस्थित होते.

ना. गिरीश महाजन पुढे म्हणाले की, खान्देशाच्या भूमीतून भास्काराचार्य, साने गुरूजी, शिरीष कुमार, बालकवी ठोंबरे, लता मंगेशकर, भालचंद्र नेमाडे, अभिनेत्री स्मिता पाटील, कवि ना.धो. महानोर, प्रतिभाताई पाटील, उद्योजक भंवरलाल जैन, शितल महाजन इ. त्या त्या क्षेत्रातील नामवंत व्यक्तींनी आपली क्षमता सिध्द करून खान्देशाला नावलौकीक प्राप्त करून दिला आहे. या व्यक्तींच्या कार्यांची प्रेरणा घेवून विद्यार्थ्यांनी नावलौकीक मिळवावा. आजच्या तरूणाईने व्यसनाधिनतेला स्पष्टपणे नकार देवून उत्कृष्ट सुसंस्कारीत नागरीक प्राप्त झालेल्या शिक्षणाच्या आधारे बनावे. एका क्षेत्रात सातत्य ठेवून त्यामध्ये सर्वोच्चस्थानी पोहचण्याचा प्रयत्न करावा. मनामध्ये आत्मविश्वास ठेवावा. ज्ञान देशासाठी अर्पण करावे.

स्वागताध्यक्ष राजू नन्नवरे यांनी विद्यापीठाच्या युवारंगाला थीम बेस करण्याचे गेल्या तीन वर्षापासून सुरु केले आहे. राज्यात हा प्रयोग प्रथम आपल्या विद्यापीठाने सुरु केला त्याचे अनुकरण आता इतर विद्यापीठे करीत आहेत असे सांगून पहिल्या युवारंगात शिवराज्यभिषेक, दुसऱ्या युवारंगात अहिल्यादेवी होळकर आणि आता बकीमचंद्र चटोपाध्याय लिखीत वंदे मातरम या राष्ट्रगीताला १५० वर्षे पूर्ण होत असल्याने ही थीम देण्यात आली असल्याचे त्यांनी यावेळी आपल्या मनोगतात सांगितले.

युवा-किंबा आकर्षण

कुलगुरू प्रा. माहेश्वरी यांनी 'कैसे कहू की मुलाकात नही होती, रोज मिलते है पर बात नही होती' हा शेर ऐकवित उत्साहाचे वातावरण निर्माण केले. प्रारंभी विद्यार्थी विकास संचालक डॉ. लेकूरवाळे यांनी सहभागी कलावंतामध्ये ४० टक्के विद्यार्थी तर ६० टक्के विद्यार्थिनींचा लक्षणीय सहभाग आहे. यंदाच्या रौप्यमहोत्सवी युवारंग असल्याचे सांगितले. आयोजक महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल यांनी युवारंग युवक महोत्सव रायसोनी महाविद्यालयाच्या प्रांगणात होणं ही इतिहासात नोंद घेणारी ही घटना आहे. मेक इन इंडियाचा या महाविद्यालयातील इलेक्ट्रीकल इंजिनिअरींगच्या विद्यार्थ्यांनी तयार केलेला लोगोची प्रतिकृती तयार केली असल्याचे सांगितले तसेच एआय-युवा-किंबा हा कृत्रिम बुध्दीमत्तेवर अधारीत सहायक तयार केला असून या युवा-किंबाला कोणताही प्रश्न विचारला तर तो युवारंगाची माहिती देईल. या युवारंगात महाविद्यालयातील शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी व २५० स्वयंसेवक मेहनत घेत आहेत.

देशोन्नती
Friday 10/10/2025

युवारंगाद्वारे प्राप्त झालेल्या संधीच सोनं विद्यार्थ्यांनी करावे - ना. महाजन

युवारंग महोत्सवाचे उदघाटन

देशोन्नती वृत्तसंकलन

जळगाव : खान्देशातील भूमीतून विविध क्षेत्रातील प्रतिभावंत निर्माण झाले आहेत त्याना प्रेरणा मानून युवारगाद्वारे प्राप्त झालेल्या सधीच सोन विद्यार्थ्यांनी करावे.आजच्या तरूणपिढीने राष्ट्र सर्वप्रथम ही भूमिका अगीकारावीवआपल्याला प्राप्तझालेलेज्ञान देशाप्रतीसमर्पित करावेअसेआवाहनजलसपदाआणिआपत्तीव्यवस्थापनमंत्री ना. गिरीश महाजन यानी केले.

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ व जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनीअरींग व मॅनेजमेंट, जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आतर महाविद्यालयीन युवारग युवक महोत्सवाचे उद्घाटन करताना ते बोलत होते. यावेळी अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही एल माहेश्वरी, विद्यापीठाच्या सल्लागारसमितीचेअध्यक्षअशोक जैन, प्र. कुलगुरूप्रा. एस. टी इगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारग चे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य ॲड अमोल पाटील, प्रा. शिवाजी पाटील, प्रा. पवित्रा पाटील, प्रा. महेंद्रसिंग रघुवंशी, प्रा. एस.एस. राजपूत, प्रा. जगदीश पाटील, प्रा. सुरेखा पालवे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, सचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल, सीए रवींद्र पाटील, प्रा. योगेश पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भगाळे, स्वप्नाली महाजन, प्रा. सदीप नेरकर, प्रा. मदागावीत, विद्यार्थीविकासविभागाचे सचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे व डॉ. सजय शेखावत, डॉ. सजय पाटील, डॉ. विवेकानद चव्हाण आणि माजी विद्यार्थी विकास सचालक उपस्थित होते. ना. गिरीश महाजन पुढे म्हणाले की, आजच्या तरूणाईने व्यसनाधिनतेला स्पष्टपणे नकार देवून उत्कृष्ट सुसस्कारीत नागरीक प्राप्त झालेल्या शिक्षणाच्या आधारे बनावे. अध्यक्षीय समारोप करताना कुलगुरूप्रा. व्ही.एल. माहेश्वरीयांनीविद्यार्थ्यांनीशिक्षणाद्वारे उच्च शिक्षीत झाल्यानतर अस्तित्व टिकवण्यासाठी गुतागुत घालवण्याचे कौशल्य, समिक्षात्मक विचार करणे व भावनिक बुध्दीमत्ता हे तीन गुण नित्य जपावे. असे सागितले.

कुलगुरु माहेश्वरी यांच्यासह मान्यवरांचे मार्गदर्शन

स्वागताध्यक्ष राजू नन्नवरे यांनी विद्यापीठाच्या युवारंगाला थीम बेस करण्याचे गेल्या तीन वर्षापासून सुरु केले आहेत. राज्यात हा प्रयोग प्रथम आपल्या विद्यापीठाने सुरु केला त्याचे अनुकरण आता इतर विद्यापीठे करीत आहेत असे सांगितले तर कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे यांनी विद्यार्थ्यांना आवाहन केले की, युवारंग ही एक स्पर्धा आहे यात तुमचा सहभाग महत्वाचा आहे. जिंकणे किंवा हारणे हे महत्वाचे नाही. जीवनात आपल्याला अनेक स्पर्धांना सामोरे जावे लागेल. समारंभात विद्यापीठाचे माजी विद्यार्थी संचालक प्रा. केशव ढाकणे, प्रा. शांताराम बडगुजर, प्रा. विलास चव्हाण, प्रा. पंकजकुमार नन्नवरे, प्रा. सत्यजित साळवे, प्रा. जी.ए. उस्मानी, प्रा. एस.टी. इंगळे, प्रा. सचिन नांद्रे व प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांचा सत्कार मंचावरील मान्यवरांचे हस्ते करण्यात आला. सूत्रसंचालन हर्षल पाटील तर आभार समन्वयक प्रा. संजय शेखावत यांनी मानले. यावेळी अधिष्ठाता प्रा. अनिल डोंगरे, प्रा.एस.टी. भुकन, अधिसभा सदस्य ऋषीकेश चित्तम, डॉ. कविता महाजन, नेहा जोशी, वैशाली वराडे, व्ही.टी. जोशी, नितीन ठाकूर, दिपक पाटील, भानुदास येवलेकर, प्रा. गजानन पाटील, ॲड केतन ढाके, केदारनाथ कवडीवाले, विद्यार्थी, व्यवस्थापक व कर्मचारी उपस्थित होते.

लोकमत
Friday 10/10/2025

राष्ट्र प्रथम मानून ज्ञान देशाला समर्पित करा!

जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन : जळगावात युवारंगचे थाटात उद्घाटन : भारतीय संस्कृती व इतिहासाचे घडले दर्शन

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : आजच्या तरुण पिढीने राष्ट्र सर्वप्रथम ही भूमिका अंगीकारावी आणि आपल्याला प्राप्त झालेले ज्ञान देशाप्रती समर्पित करावे, असे प्रतिपादन जलसंपदा आणि आपत्ती व्यवस्थापन मंत्री गिरीश महाजन यांनी केले. ते गुरुवार, ९ ऑक्टोबरला कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ आणि जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनीअरींग व मॅनेजमेंट (स्वायत्त) यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाचे उद्घाटन करतांना बोलत होते. यंदाच्या युवारंगमध्ये 'वंदे मातरम १५०' संकल्पना केंद्रस्थानी ठेवण्यात आली आहे.

अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही.एल.माहेश्वरी होते. मंचावर विद्यापीठाच्या सल्लागार समितीचे अध्यक्ष अशोक जैन, प्र. कुलगुरू प्रा. एस. टी. इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, युवारंगचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका डॉ.प्रीती अग्रवाल, शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ.संजय शेखावत, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे यांच्यासह विद्यापीठाच्या व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य ॲड.अमोल पाटील, प्रा. शिवाजी पाटील, पवित्रा पाटील, महेंद्रसिंग रघुवंशी, एस. एस. राजपूत, जगदीश पाटील, सुरेखा पालवे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, वित्त व लेखाधिकारी सीए रवींद्र पाटील, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळाचे संचालक प्रा. योगेश पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भंगाळे, स्वप्नाली महाजन, संदीप नेरकर, मंदा गावीत, डॉ. संजय पाटील, डॉ. विवेकानंद चव्हाण आणि सर्व माजी विद्यार्थी विकास संचालक उपस्थित होते. सकाळी युवारंगच्या विविध कार्यक्रमांना सुरुवात झाली.

युगारंग सोहळ्यात मार्गदर्शन करताना गिरीश महाजन, सोबत प्रीती अग्रवाल, विष्णू भंगाळे, विनोद पाटील, एस.टी.इंगळे, अशोक जैन, व्ही.एल.माहेश्वरी, राजेंद्र नन्नवरे, नितीन झाल्टे, जयेंद्र लेकुरवाळे यांच्यासह मान्यवर.

महोत्सवात आज...

शुक्रवार १० रोजी स्कीट, पाश्चिमात्य समूहगान, वादविवाद, चिकट कला, भारतीय शास्त्रीय गायन-एकल, भारतीय लोक संगीत वाद्यवृंद, माती कला, पाश्चिमात्य गायन-एकल, एकांकिका, स्थळ छायाचित्रण, पाश्चिमात्य वाद्यसंगीत-एकल हे कार्यक्रम होतील.

समूह गायन सादर करताना विद्यार्थी.

समारोप करतांना कुलगुरू प्रा. व्ही.एल. माहेश्वरी यांनी विद्यार्थ्यांना उच्च शिक्षित झाल्यानंतर अस्तित्व टिकवण्यासाठी गुंतागुंत घालवण्याचे कौशल्य, समीक्षात्मक विचार करणे व भावनिक बुद्धिमत्ता हे तीन गुण नित्य जपावे, असे सांगितले. अधिष्ठाता प्रा. अनिल डोंगरे, प्रा. एस. टी. भुकन, अधिसभा सदस्य ऋषीकेश चित्तम, डॉ. कविता महाजन, नेहा जोशी, वैशाली वराडे, व्ही. टी. जोशी, नितीन ठाकूर, दीपक पाटील, भानुदास येवलेकर, ॲड. केतन ढाके, केदारनाथ कवडीवाले आदी मान्यवर उपस्थित होते.

माजी विद्यार्थी संचालकांचा सत्कार

विद्यापीठाचे माजी विद्यार्थी संचालक प्रा. केशव ढाकणे, शांताराम बडगुजर, विलास चव्हाण, पंकजकुमार नन्नवरे, सत्यजित साळवे, जी. ए. उस्मानी, एस. टी. इंगळे, सचिन नांद्रे व जयेंद्र लेकुरवाळे यांचा सत्कार झाला. सूत्रसंचालन हर्षल पाटील यांनी केले. सुमीत खैरे यांनी प्रतिज्ञा दिली.

देशभक्तीचे नवभाष्य, हास्याचे फवारे अन् सुरांची उधळण !

रंगमंच क्र. १ : बकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात नक्कल हा कलाप्रकार सादर करीत असताना स्पर्धकांनी राजकीय नेते, चित्रपट अभिनेता, गायक, पक्षी, विविध कार्टून, पुष्पा चित्रपटातील नायक, संगीत वाद्य, नामवंत गायकांचे आवाज, विमान उड्डाण आदींची नक्कल हुबेहुब सादर करीत असताना विद्यार्थ्यांमधून दाद मिळवली. मूक अभिनयात भ्रमणध्वनीचा अतिरेक, ॲसिड अटॅक, कृत्रिम बुध्दीमत्तेचा मानवतेवर होणारा परिणाम आदी विषय हाताळण्यात आले.

रंगमंच क्रमांक २ : स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात भारतीय समूहगान स्पर्धा झाली. सारे जहाँ से अच्छा, हे माय भू तुझे मी, गार डोंगराची हवा यासह अनेक समूह गीते सादर केली.

रंगमंच क्रमांक ३: कवी प्रदीप सभागृह येथे वक्तृत्व स्पर्धेत देशभक्तीचे व्यापक संदर्भ हा विषय स्पर्धकांना देण्यात आला होता. देशभक्ती म्हणजे नेमकी काय हे तेवढ्याच अभ्यासपूर्ण पद्धतीने विद्यार्थ्यांनी मांडले. या स्पर्धेत ४ दिव्यांग विद्यार्थ्यांचा सहभाग होता.

रंगमंच क्रमांक ४ : कवी प्रेम धवन सभागृहात स्थळ चित्र स्पर्धा झाली. रायसोनी महाविद्यालय हा विषय स्थळ चित्रासाठी देण्यात आला होता. व्यंगचित्र स्पर्धेत रस्त्यावरील विक्रेता, राजकीय पात्र व पौराणिक पात्र हे तीन विषय होते. रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृहात शास्त्रीय वाद्य संगीत (स्वर व ताल वाद्य) स्पर्धा झाली. बासरी, हार्मोनियम, वीणा, तबला, पखवाज, ढोलकी, मृदुंग तसेच अत्याधुनिक वाद्यांचे सादरीकरण विद्यार्थ्यांनी केले.

Youth must adopt 'nation first' spirit: Girish Mahajan

FPJ News Network
JALGAON

"The youth of today must adopt the role of 'nation first' and dedicate the knowledge they have acquired to the country," said State Water Resources and Disaster Management Minister Girish Mahajan. He was speaking at the inauguration of the inter-collegiate youth festival organised by North Maharashtra University (NMU) at Raisoni College, Jalgaon.

Vice Chancellor (VC) Prof VL Maheshwari presided over the function. University Advisory Committee chairman Ashok Jain, Pro VC Prof ST Ingle, Welcome Committee chairman Rajendra Nannaware, Prof Surekha Palave, Registrar Vinod Patil, Raisoni College director Priti Agarwal, Student Development Department director Jayendra Lekurwale and Sanjay Shekhawat were present.

Mahajan said that the land of Khandesh has produced several luminaries who have brought fame to the region — including Bhaskaracharya, Sane Guruji, Shirish Kumar, Balkavi Thombre, Lata Mangeshkar, Bhalchandra Nemade, actress Smita Patil, poet Na D Mahanor, and former president Pratibhatai Patil. He urged students to draw inspiration from these achievers and pursue excellence in their chosen fields.

"Today's youth must clearly reject addiction and strive to become cultured, disciplined citizens. Stay consistent, believe in yourself and work to reach the top in your field. Dedicate your education and skills to nation-building," Mahajan said, adding that several schemes announced by Prime Minister Narendra Modi and the state government aim to empower the youth.

He noted that NMU's Yuvarang festival, which has now completed 25 years, has produced many talented artists and provided a platform for rural and tribal students to become cultured citizens. "This year's central theme — Vande Mataram 150 — celebrates 150 years of Bankim Chandra Chatterjee's revolutionary song that ignited the flame of patriotism during India's freedom movement," Mahajan said.

Welcoming the guests, Raju Nannaware said that NMU has been organising its youth festival based on unique themes for the past three years, a concept now being followed by other universities in the state.

In his presidential address, VC Maheshwari urged students to cultivate three key qualities to succeed after higher education — problem-solving ability, critical thinking and emotional intelligence. "Along with these, passion, empathy and social commitment must remain at the core of one's personality," he said.

Earlier, the university flag was hoisted by the VC. Student Sumit Khaire administered the pledge.

दैनिक दिव्य मराठी

Saturday 11/10/2025

युवारंग महोत्सव • विद्यार्थ्यांनी राजकीय अनास्था, सोशल मीडियाच्या दुष्परिणामांवरही केले भाष्य

प्रहसनातून मांडल्या पूरग्रस्तांच्या वेदना

वादविवाद स्पर्धेत एकविसाव्या शतकात भारत जगाचे नेतृत्व करण्याचा बुलंद विश्वास व्यक्त केला

प्रतिनिधी | जळगाव

पूरग्रस्त गावातील परिस्थिती, प्रेमविवाहामुळे कुटुंबातील कलह, मुक्त संवादमुळे जीवनाचे महत्व, आताची राजकीय परिस्थिती, शासनाच्या योजना आणि बारगळलेला विकास, सोशल मीडियाचे दुष्परिणाम, समाज व्यवस्थेचे भिषण वास्तव असे सामाजिक संदेश देणारे प्रयोग प्रहसन कलाप्रकाराने सहभागी स्पर्धकांनी आजच्या दिवसाची सुरुवात जल्लोषात केली. या सोबतच पाश्चिमात्य समुहगान, २१ व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का? या वादविवाद स्पर्धेच्या विषयाने झालेली जुगलबंदी शुक्रवारी युवारंग महोत्सवाचे वैशिष्ट्ये ठरले.

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग व जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या दुसऱ्या दिवशी रंगमंच क्र.१ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात प्रहसन हा कलाप्रकार सादर करीत असताना आजच्या जीवनात आवश्यक असलेल्या प्रत्येक गोष्टीवर प्रकाश टाकण्याचा छान प्रयत्न प्रत्येक सहभागी संघाकडून होताना दिसून आला. एकूण २६ महाविद्यालयाच्या संघांनी यात सहभाग नोंदवला होता. प्रत्येक सहभागी महाविद्यालयाच्या संघांनी आपल्या कल्पकतेच्या अनुषंगाने केलेली वेशभूषा व पारंपारिक संगीत उपस्थितांचे लक्ष्य वेधून घेत होती. सर्वच कलाप्रकारांना दाद मिळाली.

पाश्चात्य संगीत वादन

प्रहसन

भारतीय शास्त्रीय गायन-एकल

स्पर्धकांच्या चेहऱ्यावरच्या भावमुद्रा, कलाकौशल्याला मिळाली दाद

समूहगान : स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह येथे पाश्चिमात्य समूहगान स्पर्धेचे आयोजन केले होते. अत्याधुनिक वाद्य साधन क्लॅप बॉक्स, गिटार तसेच पाश्चिमात्य वेशभूषा यामुळे प्रत्येक सहभागी स्पर्धक हा जिंकण्याच्या दृष्टीने सादरीकरण केले. सहा विद्यार्थ्यांचा एक संघ याप्रमाणे १० कॉलेजच्या संघांनी सहभाग नोंदवला होता.

क्ले मॉडेलिंग

कोलाज

कोलाज : कवी प्रेम धवन या सभागृहात चिकट कला (कोलाज) या कलाप्रकाराचे आयोजन करण्यात आले होते. निसर्गचित्र, स्थिरचित्र व व्यक्तिचित्र हे विषय देण्यात आले. एकूण ४८ विद्यार्थ्यांनी सहभाग नोंदवला. राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह येथे भारतीय शास्त्रीय गायन एकल ही स्पर्धा होती. १० विद्यार्थ्यांचा संघ सहभागी होता.

वादविवाद : कवी प्रदीप सभागृहात वादविवाद ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. २१ व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का हा विषय स्पर्धकांना देण्यात आला होता. सहभागी स्पर्धक अनुकूल व प्रतिकूल या प्रमाणे आपले म्हणणे सादर करीत होते. ६२ विद्यार्थी या स्पर्धेत सहभागी झाले होते.

सकाळ

Saturday 11/10/2025

प्रहसनातून उलगडले समाजाचे वास्तव

युवारंग महोत्सव : पाश्चिमात्य गीते, वादविवाद, कलाकृतींनी गाजविले रंगमंच

सकाळ वृत्तसेवा

जळगाव, ता. १० : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवात शुक्रवारी (ता. १०) प्रहसने, वादविवाद स्पर्धा, पाश्चिमात्य गीतांनी लक्ष वेधले. विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अॅन्ड मॅनेजमेंट यांच्यातर्फे सुरू असलेल्या महोत्सवात विविध कलाप्रकारांनी रंगमंच गाजले.

युवारंग २०२५

बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात सादर झालेल्या प्रहसन या कलाप्रकारात स्पर्धकांनी 'पूरग्रस्त गावांची स्थिती', 'प्रेमविवाहातील कलह', 'मुक्त संवादाचे महत्त्व', 'राजकीय वास्तव', 'शासनाच्या योजना आणि सोशल मीडियाचे दुष्परिणाम' अशा विषयांवर हसत-खेळत विचारप्रवर्तक संदेश दिला. एकूण २६ महाविद्यालयीन संघांनी यात सहभाग घेतला. प्रत्येक संघाची वेशभूषा, सादरीकरण आणि पारंपरिक संगीत प्रेक्षकांच्या मनावर ठसा उमटवत होते.

पाश्चिमात्य समूहगान

स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात झालेल्या पाश्चिमात्य समूहगान स्पर्धेत क्लॅप बॉक्स, गिटार आणि आधुनिक वेशभूषा यांचा जलवा पाहायला मिळाला दहा महाविद्यालयांच्या संघांनी यात भाग घेतला.

वादविवादाची जुगलबंदी

कवी प्रदीप सभागृहात वादविवाद स्पर्धा रंगली. विषय होता, 'एकविसाव्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का?' यात ६२ विद्यार्थ्यांनी समर्थक व विरोधक म्हणून आपली मते प्रभावीपणे मांडली.

कलात्मकतेचा मेळ

कवी प्रेम धवन सभागृहात झालेल्या चिकट कला (कोलाज) स्पर्धेत विद्यार्थ्यांनी निसर्गचित्र, स्थिरचित्र, व्यक्तिचित्र या विषयांवर सुंदर कलाकृती साकारल्या. यात ४८ विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला.

शास्त्रीय गायनाने मंत्रमुग्ध

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृहात भारतीय शास्त्रीय गायन एकल स्पर्धा झाली. यात १० विद्यार्थ्यांच्या संघांनी रसिकांना सुरेल अनुभव दिला.

जळगाव : युवारंग महोत्सवात पाश्चिमात्य गीते, वादविवाद आणि कलाकृती सादर करताना विद्यार्थी.

उत्साहाने भारावले वातावरण

उत्तम भोजन व निवास व्यवस्थेमुळे स्पर्धक समाधान व्यक्त करीत होते. युवारंग महोत्सवाचे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष अॅड. नितीन झाल्टे, प्रा. शिवाजी पाटील, प्रा. मंदा गावित, डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ. प्रीती अग्रवाल, डॉ. संजय शेखावत आदींनी भेट देऊन विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढविला.

लोकमत
Saturday 11/10/2025

युवारंग महोत्सवात तरुणाईचा जल्लोष

प्रहसन, वादविवाद, समूहगीत गायन स्पर्धांनी रंगली उत्सवाची दुसरी माळ

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : पूरग्रस्त गावातील परिस्थिती, प्रेमविवाहामुळे कुटुंबातील कलह, मुक्त संवादामुळे जीवनाचे महत्त्व, आताची राजकीय परिस्थिती, शासनाच्या योजना आणि बारगळलेला विकास, सोशल मीडियाचे दुष्परिणाम, समाजव्यवस्थेचे भीषण वास्तव यांसह अनेक सामाजिक संदेश देणारे प्रहसन या कलाप्रकाराने सहभागी स्पर्धकांनी जल्लोषात कथा सादर केल्या. यासोबतच पाश्चिमात्य समूहगान आणि '२१व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का?' या वादविवाद स्पर्धेचा विषय या जुगलबंदीत आजच्या युवारंग महोत्सवाचे वैशिष्ट्य ठरले.

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनीअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या दुसऱ्या दिवशी विविध स्पर्धा पार पडल्या.

युवारंग महोत्सवात पाश्चिमात्य समूहगान सादर करताना संघ.

वादविवाद स्पर्धेत आपले मत मांडताना विद्यार्थिनी.

रंगमंच क्र. १ (बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह) : येथे प्रहसन या कलाप्रकार सादर करताना आजच्या जीवनात आवश्यक असलेल्या प्रत्येक गोष्टीवर प्रकाश टाकण्याचा उत्कृष्ट प्रयत्न प्रत्येक सहभागी संघाकडून दिसून आला. एकूण २६ महाविद्यालयांच्या संघांनी यात सहभाग नोंदविला. प्रत्येक संघाने आपल्या कल्पकतेनुसार केलेली वेशभूषा आणि पारंपरिक संगीताने उपस्थितांचे लक्ष वेधून घेतले.

रंगमंच क्रमांक २, स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह : येथे पाश्चिमात्य समूहगान स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. अत्याधुनिक वाद्यवादने जसे क्लॅप बॉक्स, गिटार, तसेच पाश्चिमात्य वेशभूषेमुळे प्रत्येक सहभागी स्पर्धक जिंकण्याच्या दृष्टीने सादरीकरण करताना दिसून आला. ६ विद्यार्थ्यांचा एक संघ अशा १० महाविद्यालयांच्या संघांनी या स्पर्धेत सहभाग घेतला.

रंगमंच क्रमांक ३, कवी प्रदीप सभागृह : येथे वादविवाद स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. '२१व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का?' हा विषय स्पर्धकांना देण्यात आला होता. सहभागी स्पर्धक अनुकूल आणि प्रतिकूल पक्ष मांडत आपले विचार सादर करत होते. या स्पर्धेत एकूण ६२ विद्यार्थी सहभागी झाले.

रंगमंच क्रमांक ४, कवी प्रेम धवन सभागृह : येथे चिकट कला (कोलाज) या कलाप्रकाराचे आयोजन करण्यात आले होते. निसर्गचित्र, स्थिरचित्र आणि व्यक्तिचित्र हे विषय देण्यात आले होते. विद्यार्थ्यांनी अत्यंत सुंदर पद्धतीने आपली कला सादर केली. एकूण ४८ विद्यार्थ्यांनी या स्पर्धेत सहभाग घेतला.

प्रहसन सादरीकरण करताना विद्यार्थी. छाया : गोकूळ सोनार

रंगमंच क्रमांक ५, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृह : येथे भारतीय शास्त्रीय गायन एकल ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. यामध्ये एकूण १० विद्यार्थ्यांचा संघ सहभागी होता. युवारंगचे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष ॲड.नितीन झाल्टे, व्यवस्थापन परिषद सदस्य प्रा.शिवाजी पाटील, अधिसभा सदस्य प्रा.संदीप नेरकर, प्रा.मंदा गावित, स्वप्नाली काळे, दीपक पाटील, ऋषिकेश चित्तम, विद्यार्थी विकास संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ.प्रीती अग्रवाल, डॉ.संजय शेखावत, बेंडाळे महिला महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ.व्ही.जे. पाटील, उपप्राचार्य डॉ.सत्यजीत साळवे, उपप्राचार्य डॉ.प्रमोद तायडे, केसीईचे प्रशासकीय अधिकारी शशिकांत वडोदकर, रंगकर्मी हेमंत पाटील आदींनी युवारंग युवक महोत्सवाच्या रंगमंचावर भेटी देत विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढविला.

'युवास्पार्क'चा विजेता नेत्रदीप

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या प्रतिष्ठित 'युवारंग २०२५' युवा महोत्सवांतर्गत 'केसीआयआयएल' इन्क्युबेशन सेंटरमार्फत आयोजित केलेल्या 'युवास्पार्क २०२५' या नावीन्यपूर्ण स्टार्टअप कल्पना स्पर्धेचे यशस्वी आयोजन करण्यात आले.

या स्पर्धेत ५०हून अधिक नावीन्यपूर्ण प्रकल्प सादर झाले, ज्यामुळे विद्यार्थ्यांमध्ये प्रचंड उत्साह आणि निकोप स्पर्धेचे वातावरण निर्माण झाले. विद्यार्थ्यांमधील उद्योजकीय गुणांना वाव देणे आणि त्यांच्या नवनवीन कल्पनांना हक्काचे व्यासपीठ मिळवून देणे हा या स्पर्धेचा मुख्य उद्देश होता. या स्पर्धेच्या यशस्वी अंमलबजावणीसाठी कुलगुरु प्रा. विजय एल. महेश्वरी यांचे मोलाचे मार्गदर्शन लाभले तसेच संचालक मंडळाच्या सदस्यांनीही अमूल्य सहकार्य दिले. विविध प्रकल्पांचे मूल्यांकन करण्यासाठी विशेष ज्युरी पॅनलची नियुक्ती करण्यात आली होती.

युवास्पार्क २०२५चे विजेते

प्रथम पारितोषिक : नेत्रदीप आर. कदम शील्ड टेक : प्रकल्प : एन-फॅंटम स्टील्थ कोटिंग.

द्वितीय पारितोषिक : हर्ष कोटेचा - प्रकल्प : इको स्मार्ट कॅप्सूल.

तृतीय पारितोषिक - सारंग बी. पाटील, प्रकल्प : टेक जीआय सप्लाय चेन ५.० यांना मिळाले.

यासह सर्वोत्कृष्ट १० स्पर्धकांना त्यांचा स्टार्टअप उभारण्यासाठी 'केसीआयआयएल'तर्फे १ वर्षासाठी विनामूल्य इन्क्युबेशन साहाय्य प्रदान केले जाईल. युवास्पार्कने विद्यार्थ्यांच्या सर्जनशीलतेला एक प्रभावी व्यासपीठ मिळवून दिले आहे.

यात डॉ. राजेश जवळेकर, अजिंक्य तोतला, निखिल जाधव, रोहन मंत्री, कल्याण दानी व डॉ. नवीन खंडारे या तज्ज्ञ परीक्षकांनी आपल्या अनुभवातून सहभागींच्या प्रकल्पांना दिशा दाखवली व विजेत्यांची निवड केली.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

देशदूत
नवी आशा नवी दिशा

Saturday 11/10/2025

लक्षवेधी...

भारतीय शास्त्रीय गायन-एकल

चित्रकला

पुरग्रस्त गावातील परिस्थिती, प्रेमविवाहामुळे कुटुंबातील कलह, मुक्त संवादामुळे जीवनाचे महत्व, आताची राजकीय परिस्थिती, शासनाच्या योजना आणि बारगळलेला विकास, सोशल मीडियाचे दुष्परिणाम, समाज व्यवस्थेचे भिषण वास्तव आदीचे...

तरुणांनी दिला सामाजिक एकतेचा संदेश

जळगाव । प्रतिनिधी

पाश्चिमात्य समूहगान या स्पर्धेचे आयोजन करण्यात

चैतन्यदायी उत्साह

पाश्चिमात्य समूहगान

भरभरून प्रतिसाद

मातीकला...

महोत्सवातील आज होणारे कार्यक्रम

रंगमंच क्र १ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृह	भारतीय लोक समुहनृत्य - सकाळी ८.३० ते ११.३०
रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह	भारतीय शास्त्रीय नृत्य - सकाळी ८.३० ते ११.३०
रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृह	पोस्टर मेकिंग - सकाळी ८.३० ते ११.३० रांगोळी दुपारी १ ते ४.०० स्थळ छायाचित्रण (अंतिम फेरी) दुपारी १ ते ४.०० इन्स्टॉलेशन आणि मेहंदी- सायं. ४.०० ते ६.३०
रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह	भारतीय नाट्यसंगीत -एकल - सकाळी ८.३० ते ११.३०
भारतीय सुगम संगीत- एकल- दु. १.०० ते ४.००	

भारतीय शास्त्रीय गायन-एकल

पाश्चिमात्य गायन-एकल

पुण्य नगरी
Saturday 11/10/2025

वादविवाद स्पर्धा, नाटकांनी गाजवला युवारंग महोत्सव

जळगाव : पुरग्रस्त गावातील परिस्थिती, प्रेमविवाहामुळे कुटुंबातील कलह, मुक्त संवादामुळे जीवनाचे महत्व, आताची राजकीय परिस्थिती, शासनाच्या योजना आणि बारगळलेला विकास, सोशल मिडीयाचे दुष्परिणाम, समाज व्यवस्थेचे भिषण वास्तव आदी सामाजिक संदेश देणारे प्रयोग प्रहसन या कलाप्रकाराने सहभागी स्पर्धकांनी आजचा दिवसाची सुरूवात जल्लोषात केली. यासोबतच पाश्चिमात्य समुहगान, २१ व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का ? या वादविवाद स्पर्धेचा विषयाने झालेली जुगलबंद आजच्या युवारंग महोत्सवाचे वैशिष्टे ठरले.

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग व जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग ॲन्ड मॅनेजमेंट, जळगाव यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या दुसऱ्या दिवशी रंगमंच क्र. १मध्ये बकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात प्रहसन हा कलाप्रकार सादर करीत असताना आजच्या जीवनात आवश्यक असलेल्या प्रत्येक गोष्टीवर प्रकाश टाकण्याचा खुप छान प्रयत्न प्रत्येक सहभागी संघाकडून होताना दिसून येत होते. एकुण २६ महाविद्यालयाच्या संघांनी यात सहभाग नोंदविला होता. प्रत्येक सहभागी महाविद्यालयाच्या संघांनी आपल्या कल्पकतेनुसार केलेली वेशभुषा व पारंपारिक संगीत उपस्थितांची लक्ष्य वेधून घेत होती.

रंगमंच क्रमांक २ मध्ये स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह येथे पाश्चिमात्य समुहगान या स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. अत्याधुनिक वाद्य साधन क्लॅप बॉक्स, गिटार तसेच पाश्चिमात्य वेशभुषा यामुळे

प्रत्येक सहभागी स्पर्धक हा जिंकण्याच्या दृष्टीने आपले सादरीकरण करताना दिसून आले. ६ विद्यार्थ्यांचा १ संघ याप्रमाणे १० महाविद्यालयाच्या संघांनी यात सहभाग नोंदविला होता.

रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृहात वादविवाद ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. २१ व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का हा विषय स्पर्धकांना देण्यात आला होता. सहभागी स्पर्धक अनुकुल व प्रतिकुल या प्रमाणे आपले म्हणणे सादर करीत होते. ६२ विद्यार्थी या स्पर्धेत सहभागी झाले होते.

रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन या सभागृहात चिकट कला (कोलाज) या कलाप्रकाराचे आयोजन करण्यात आले होते. निसर्गचित्र, स्थिरचित्र व व्यक्तिचित्र हे विषय देण्यात आले. अतिशय सुंदर पध्दतीने विद्यार्थ्यांनी आपली कला सादर केली. एकुण ४८ विद्यार्थ्यांनी यात सहभाग नोंदविला.

रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह येथे भारतीय शास्त्रीय गायन एकल ही स्पर्धा होती एकुण १० विद्यार्थ्यांचा संघ यात सहभागी होता.

महोत्सवा दरम्यान विद्यार्थ्यांमध्ये चैतन्यदायी उत्साह होता. भोजन व निवास व्यवस्था उत्तम असल्यामुळे स्पर्धक संयोजनावर समाधानी होते. युवारंग चे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष ॲड नितीन झाल्टे, व्यवस्थापन परिषद सदस्य प्रा. शिवाजी पाटील, अधिसभा सदस्य प्रा. संदिप नेरकर, प्रा. मंदा गावीत, स्वप्नाली काळे, दिपक पाटील, ऋषिकेश चित्तम, विद्यार्थी विकास संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ.प्रिती अग्रवाल, डॉ. संजय शेखावत, बेंडाळे महिला महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. व्ही.जे.पाटील, उपप्राचार्य डॉ.सत्यजित साळवे, उपप्राचार्य डॉ.प्रमोद तायडे, केसीईचे प्रशासकीय अधिकारी शशिकांत वडोदकर, रंगकर्मी हेमंत पाटील आदींनी युवारंग युवक महोत्सवाच्या रंगमंचावर भेटी देत विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढविला.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

सायंदैनिक साईमत

Saturday 11/10/2025

युवारंग युवक महोत्सवात रंगला सामाजिक संदेशांचा उत्सव

विद्यार्थ्यांनी प्रहसन, पाश्चिमात्य संगीत, वादविवाद अन् कलांमधून उमटविले वर्तमानाचे प्रतिबिंब

जळगाव । प्रतिनिधी

पुरग्रस्त गावातील परिस्थिती, प्रेमविवाहामुळे कुटुंबातील कलह, मुक्त संवादामुळे जीवनाचे महत्व, आताची राजकीय परिस्थिती, शासनाच्या योजना आणि बारगळलेला विकास, सोशल मीडियाचे दुष्परिणाम, समाज व्यवस्थेचे भीषण वास्तव आदी सामाजिक संदेश देणारे प्रयोग प्रहसन कलाप्रकाराने सहभागी स्पर्धकांनी शुक्रवारी, १० ऑक्टोबर रोजीची सुरूवात जल्लोषात केली. यासोबतच पाश्चिमात्य समुहगान, '२१ व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का...?' वादविवाद स्पर्धेच्या विषयाने झालेली जुगलबंदी युवारंग महोत्सवाचे वैशिष्ट्य ठरले.

जळगाव विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग व जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अॅन्ड मॅनेजमेंट यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या दुसऱ्या दिवशी रंगमंच क्र.१ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात प्रहसन कलाप्रकार सादर करीत असताना आजच्या जीवनात आवश्यक असलेल्या प्रत्येक गोष्टीवर प्रकाश टाकण्याचा खुप छान प्रयत्न प्रत्येक सहभागी संघाकडून होताना दिसून येत होते. यात २६ महाविद्यालयाच्या संघांनी सहभाग नोंदविला होता. प्रत्येक सहभागी महाविद्यालयाच्या संघांनी आपल्या कल्पकतेनुसार केलेली वेशभुषा आणि पारंपरिक संगीत उपस्थितांची लक्ष्य वेधून घेत होती.

रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात पाश्चिमात्य समुहगान स्पर्धेचे आयोजन केले होते. अत्याधुनिक वाद्य साधन क्लॅप बॉक्स, गिटार तसेच पाश्चिमात्य वेशभुषेमुळे प्रत्येक सहभागी स्पर्धक जिंकण्याच्या दृष्टीने आपले सादरीकरण करताना दिसून आले. यात ६ विद्यार्थ्यांचा १ संघ याप्रमाणे १० महाविद्यालयाच्या संघांनी सहभाग नोंदविला होता. रंगमंच क्रमांक ३ कवी प्रदीप सभागृहात वादविवाद स्पर्धा आयोजित केली होती. स्पर्धकांना '२१ व्या शतकातील भारत जगाचे नेतृत्व करण्यास सक्षम आहे का...?' विषय देण्यात आला होता. सहभागी स्पर्धक अनुकुल व प्रतिकुल याप्रमाणे आपले म्हणणे सादर करीत होते. स्पर्धेत ६२ विद्यार्थी सहभागी झाले होते.

रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृहात चिकट कला (कोलाज) कलाप्रकाराचे आयोजन केले होते. निसर्ग, स्थिर व व्यक्तिचित्र हे विषय देण्यात आले होते. अतिशय सुंदर पध्दतीने विद्यार्थ्यांनी आपली कला सादर केली. त्यात ४८ विद्यार्थ्यांनी सहभाग नोंदविला. रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृहात भारतीय शास्त्रीय गायन एकल ही स्पर्धा होती. त्यात १० विद्यार्थ्यांचा संघ सहभागी झाला होता.

विद्यार्थ्यांचा उत्साह अन् व्यवस्थापनाची रंगमंचावर भेटी

महोत्सवा दरम्यान विद्यार्थ्यांमध्ये चैतन्यदायी उत्साह होता. भोजनासह निवास व्यवस्था उत्तम असल्यामुळे स्पर्धक संयोजनावर समाधानी होते. युवारंगचे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, व्यवस्थापन परिषद सदस्य प्रा. शिवाजी पाटील, अधिसभा सदस्य प्रा. संदीप नेरकर, प्रा. मंदा गावित, स्वप्नाली काळे, दीपक पाटील, ऋषिकेश चित्तम, विद्यार्थी विकास संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ.प्रिती अग्रवाल, डॉ. संजय शेखावत, बेंडाळे महिला महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. व्ही.जे.पाटील, उपप्राचार्य डॉ.सत्यजित साळवे, उपप्राचार्य डॉ.प्रमोद तायडे, केसीईचे प्रशासकीय अधिकारी शशिकांत वडोदकर, रंगकर्मी हेमंत पाटील आदींनी युवारंग युवक महोत्सवाच्या रंगमंचावर भेटी देत विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढविला.

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

नवराष्ट्र
Sunday 12/10/2025

रायसोनीतर्फे नवीन इंडक्शन प्रोग्राम

▸ **पुणे, शहर प्रतिनिधी** जी एच रायसोनी इंटरनॅशनल स्किल टेक युनिव्हर्सिटी, पुणे यांनी नवीन प्रवेश घेतलेल्या विद्यार्थ्यांचे स्वागत करण्यासाठी आणि त्यांना विद्यापीठाच्या दृष्टिकोनाची, शैक्षणिक रचना आणि करिअर-निर्मितीच्या संधींची ओळख करून देण्यासाठी इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित केला होता. या कार्यक्रमाचा उद्देश विद्यार्थ्यांना संशोधन, नवोपक्रम आणि कौशल्य विकास याचे महत्व पटवून देणे हा होता. युनिवर्सिटीचे कुलगुरू डॉ. आर. डी. खराडकर यांनी सांगितले की विद्यापीठात प्रवेश मिळवणे हा विद्यार्थ्यांच्या करिअर प्रवासात एक महत्त्वाचा टप्पा आहे. संशोधन आणि नवोपक्रम हे करिअर विकासासाठी महत्त्वाचे आहेत. विद्यापीठे विद्यार्थ्यांना आंतरराष्ट्रीय मानकांशी जुळवून घेणाऱ्या विविध कौशल्यांनी सुसज्ज करण्यात महत्त्वाची भूमिका बजावतात. विद्यापीठाच्या कौशल्य प्रशिक्षण आणि अध्यापनाचा 60:40 मॉडेल विद्यार्थ्यांना प्रत्यक्ष अनुभवाची आणि विषय ज्ञानाची भर घालेल. आमच्या विद्यापीठाचे उद्दिष्ट केवळ नोकरी शोधणारे निर्माण करणे नाही तर नोकरी निर्माण करणारे उद्योजन आणि लिडर निर्माण करणे आहे. युनिवर्सिटीचे प्र – कुलगुरू डॉ. वैभव हेंद्रे, यांनी पीपीटीद्वारे विद्यापीठाचा तपशीलवार आढावा सादर केला. डॉ. प्रवीण जांगडे आणि डॉ. सचिन उंबरे यांनी शैक्षणिक अभ्यासक्रम, प्रशिक्षण आणि प्लेसमेंटच्या संधींबद्दल विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन केले.

विद्यार्थ्यांचे केले अभिनंदन

कार्यक्रमाला विद्यार्थी कल्याण विभागाचे अधिष्ठाता डॉ. संदीप रासकर आणि स्कुल आफ इंजिनिअरिंगच्या अधिष्ठाता डॉ. राहत खान यांच्यासह अन्य मान्यवर उपस्थित होते. रायसोनी एज्युकेशनचे अध्यक्ष श्री. सुनील रायसोनी, रायसोनी एज्युकेशनचे कार्यकारी संचालक श्री. श्रेयश रायसोनी यांनी विद्यापीठात नवीन प्रवेश घेतलेल्या विद्यार्थ्यांचे अभिनंदन केले.

सायंदैनिक साईमत

Sunday 12/10/2025

भारतीय संस्कृतीच्या रंगात रंगला 'युवारंग' महोत्सव

विद्यार्थ्यांच्या नृत्य-संगीत कलाविष्काराने सभागृह दुमदुमले, बेल्जियमच्या विद्यार्थ्यानेही जल्लोषात भरले रंग

जळगाव । प्रतिनिधी

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अ‍ॅन्ड मॅनेजमेंट यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या शनिवारी, ११ ऑक्टोबर रोजी तिसऱ्या दिवशी सकाळ सत्रात विद्यार्थी कलावंतांनी भारतीय संगीत, नाट्य, शास्त्रीय व समूह नृत्यांचा कलाविष्कार सादर केला. त्यामुळे युवारंगाच्या तिसऱ्या दिवशी भारतीय संस्कृतीचे रंग भरले गेल्याने प्रेक्षकांमध्येही आनंदोत्सव होता. तसेच बेल्जीयममधील विद्यार्थ्यानेही युवारंगात जल्लोष केला.

जी.एच.रायसोनी महाविद्यालयाच्या प्रांगणात ९ ऑक्टोबरपासून सुरू झालेल्या युवारंग युवक महोत्सवाच्या तिसऱ्या दिवशी सकाळी रंगमंच क्र. १ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात भारतीय लोक समूह नृत्य ही स्पर्धा झाली. स्पर्धेत 'केसरीया बालमा आओ पधारो मारे देश', 'रून झुन बाजे पुखराज', 'ताहू की गोमेल', 'घेरू-घेरू, मारा देशारा दिल', 'सोना आहुती में काय काव', 'घागर घुमु दे', 'रामा पावा वाजू दे', 'आरारारा रंगीलो मारो ढोलना', 'वेसावसी पारू नेसली गे नेसली', 'विठूचा गजर हरी नामाचा झेंडा रोवीला', 'आईच्या नावाचा गोंधळ मांडीला' अशा विविध समूह नृत्याद्वारे राजस्थानी, गुजराथी, कोळी नृत्य, आदिवासी पारंपरिक वेशभुषा परिधान करीत आदिवासी नृत्य, खान्देशी, गोंधळ, दिंडी पारंपरिक वेशभुषा परिधान करून प्रत्येक सहभागी स्पर्धक अतिशय तन्मयतेने आपली कला सादर करताना दिसून येत होता. यात महाविद्यालयांच्या २२ संघांनी सहभाग घेतला.

रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात भारतीय शास्त्रीय नृत्य स्पर्धा झाली. त्यात कलावंत विद्यार्थ्यांनी भारतीय शास्त्रीय नृत्याचे दर्शन घडवत आपल्या अदाकारीने नृत्य उत्तमोत्तम सादर करण्याचा प्रयत्न केला. भरतनाट्यम, आनंद तांडवम, कथ्थक आदी प्रकार सादर केले. यात महाविद्यालयाच्या ८ संघांनी सहभाग नोंदविला. रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन सभागृहात पोस्टर मेकिंग स्पर्धा आयोजित केली होती. स्पर्धेसाठी 'विकसनशील भारत २०३०' हा विषय देण्यात आला होता. अतिशय सुरेख रेखाटन स्पर्धकांकडून करण्यात आले. स्पर्धेत ५२ विद्यार्थ्यांनी सहभाग नोंदविला. रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृहात भारतीय नाट्यसंगीत एकल स्पर्धेत गायक विद्यार्थ्यांनी विविध नाट्यगीते सादर केली. या प्रकारात ९ विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला. याच रंगमंचावर दुपारच्या सत्रात सुगमसंगीत कला प्रकार सादर करण्यात आला. त्यात ३७ महाविद्यालयाच्या संघांनी सहभाग नोंदविला. अतिशय सुरेख पध्दतीने स्पर्धक सादरीकरण करत होते.

'युवारंग युवक महोत्सव २०२५' मध्ये शनिवारी एक वेगळीच झलक पहायला मिळाली. बेल्जियम येथील विद्यार्थी फेलिक्स म्युबेन यांनी महोत्सवाला भेट देऊन भारतीय लोककला, संस्कृती आणि खान्देशी परंपरेचा जवळून अनुभव घेतला. फेलिक्स म्युबेन हे रोटरी युथ एक्सचेंज कार्यक्रमाअंतर्गत भारतात शिक्षणासाठी आलेले आहे. त्यांना युवारंग महोत्सवाविषयी माहिती मिळाल्यानंतर त्यांनी खास जळगावला भेट दिली. दोन दिवस त्यांनी महोत्सवातील सर्व कलाप्रकार रसिकतेने पाहिले. भारतीय लोकसंगीत, शास्त्रीय गायन, समूह गान, नाट्यसंगीत, वाद्यसंगीत आणि लोकनृत्य अशा विविध प्रकारच्या सादरीकरणांनी फेलिक्स यांना भारताच्या संस्कृतीची झलक अनुभवायला मिळाली.

विशेष म्हणजे, शनिवारी झालेल्या आदिवासी लोकनृत्याच्या सादरीकरणावेळी फेलिक्स यांनी स्वतः ढोल वाजवत आणि ताल धरत नृत्यकारांसोबत सहभागी होत प्रेक्षकांचे लक्ष वेधून घेतले. यावेळी युवरंगाचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, अधिसभा सदस्य नेहा जोशी, स्वप्नाली महाजन यांच्यासह विद्यार्थी कलावंत यांनीही आदिवासी नृत्य करत आनंद लुटला. भारतीय तरुणांच्या उर्जेने, संस्कृती प्रेमाने आणि कलाविष्काराने ते पूर्णपणे भारावल्याचे पहायला मिळाले. भारताची कला, संगीत आणि लोक संस्कृती अतिशय रंगीबेरंगी आणि उत्साही आहे. युवारंग महोत्सव म्हणजे भारतीय संस्कृतीचा जिवंत अनुभव आहे. इथल्या विद्यार्थ्यांची प्रतिभा आणि उत्साह पाहून प्रभावित झालो असल्याचे फेलिक्स यांनी माध्यमांशी बोलताना सांगितले.

एकांकिका स्पर्धेत ९ संघांची नोंदणी

युवारंग महोत्सवाच्या दरम्यान विविध महाविद्यालयातील विद्यार्थी संघांनी भारतीय लोककलांचा संगम सादर करत 'एकता आणि विविधतेचे' सुंदर दर्शन घडवले. भारतीय संस्कृतीला परदेशी विद्यार्थ्यांचा असलेला हा उत्स्फूर्त प्रतिसाद युवारंगच्या यशाला आणखी उजाळा देणारा ठरला आहे. दरम्यान शुक्रवारी रात्री उशिरापर्यंत झालेल्या एकांकिका स्पर्धेत ९ संघांनी नोंदणी केली होती. आपल्या उत्कृष्ट अभिनयाचा परिचय देत विद्यार्थी कलावंतांनी 'मादी', 'कॅनल', 'शेवटचं पत्र', 'धाव-पळ', 'परवानगी पत्र' आणि 'म्हसनातील सोनं' या एकांकिका सादर केल्या. कलावंत विद्यार्थ्यांच्या अभिनयासह सादरीकरणाने प्रेक्षकांनी उत्कृष्ट दाद दिली.

मान्यवरांनी भेटी देत विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढविला

विविध रंगमंचावर शनिवारी युवारंगचे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष अ‍ॅड नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, अधिसभा सदस्य प्रा. संदीप नेरकर, प्रा. मंदा गावित, स्वप्नाली काळे, दीपक पाटील, ऋषिकेश चित्तम, नेहा जोशी, प्राचार्य एस.एन.भारंबे, डॉ.प्रिती अग्रवाल, विद्यार्थी विकास संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ. संजय शेखावत, प्रा. राम भावसार आदींनी युवारंग युवक महोत्सवाच्या रंगमंचावर भेटी देत विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढविला.

आज सकाळी पारितोषिक वितरण

गेल्या चार दिवसात युवक महोत्सवातील झालेल्या विविध कला, सांस्कृतीक स्पर्धेतील विजेत्यांना कुलगुरू प्रा. व्ही.एल.माहेश्वरी यांच्या अध्यक्षतेखाली समारंभात जळगाव जिल्ह्याचे पालकमंत्री गुलाबराव पाटील, मंत्री ना.संजय सावकारे, खासदार स्मिता वाघ, सिनेकलावंत केतकी माटेगावकर, आ.सुरेश भोळे यांच्या हस्ते पारितोषिक वितरण रंगमंच क्रमांक १ येथे रविवारी, १२ ऑक्टोबर रोजी सकाळी १० वाजता होणार आहे. यावेळी प्र-कुलगुरू प्रा.एस.टी. इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, सर्व व्यवस्थापन परिषद सदस्य व अधिसभा सदस्य व विद्या परिषद सदस्य, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे, महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल, समन्वयक डॉ. संजय शेखावत उपस्थित राहतील.

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

दिव्य मराठी, जळगाव, रविवार, १२ ऑक्टोबर २०२५ ६

धम्माल • तिसऱ्या दिवशी भारतीय संगीत, नाट्य, शास्त्रीय व समूह नृत्याचा कलाविष्कार

युवारंगात भारतीय संस्कृतीने भरले रंग

शास्त्रीय नृत्य

लोक समूहनृत्य

प्रतिनिधी | जळगाव

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अॅण्ड मॅनेजमेंटतर्फे आयोजित आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या तिसऱ्या दिवशी सकाळ सत्रात विद्यार्थी कलावंतांनी भारतीय संगीत, नाट्य, शास्त्रीय व समूह नृत्यांचा कलाविष्कार सादर केला. त्यामुळे महोत्सवात एक प्रकारे भारतीय संस्कृतीचे रंग भरले गेल्याचा प्रत्यय आला.

जी. एच. रायसोनी महाविद्यालयाच्या प्रांगणात ९ ऑक्टोबरपासून सुरू असलेल्या युवारंग युवक महोत्सवात शनिवारी एक वेगळीच झलक पाहायला मिळाली. बेल्जियम येथील विद्यार्थी फेलिक्स म्युबेन यांनी या महोत्सवाला भेट देऊन भारतीय लोककला, संस्कृती आणि खान्देशी परंपरेचा जवळून अनुभव घेतला. फेलिक्स म्युबेन हे रोटरी यूथ एक्स्चेंज कार्यक्रमांतर्गत भारतात शिक्षणासाठी आलेले असून, त्यांना युवारंग महोत्सवाविषयी माहिती मिळाल्यानंतर त्यांनी खास जळगावला भेट दिली. दोन दिवस त्यांनी महोत्सवातील सर्व कलाप्रकार रसिकतेने पाहिले. भारतीय लोकसंगीत, शास्त्रीय गायन, समूह गान, नाट्यसंगीत, वाद्यसंगीत आणि लोकनृत्य अशा विविध प्रकारच्या सादरीकरणांनी फेलिक्स यांना भारताच्या संस्कृतीची झलक अनुभवायला मिळाली.

लोक समूहनृत्य

महोत्सवाचे आज बक्षीस वितरण

युवक महोत्सवाचे सकाळी १० वाजता पारितोषिक वितरण होणार आहे. अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी हे असतील. या वेळी पालकमंत्री गुलाबराव पाटील, मंत्री संजय सावकारे, खासदार स्मिता वाघ, सिने कलावंत केतकी माटेगावकर, आमदार सुरेश भोळे यांची प्रमुख उपस्थिती राहणार आहे.

पोस्टर मेकिंग

नाट्य संगीत एकल

सुगम संगीत एकल

राजस्थानी, गुजराथी, आदिवासी वेशभूषा परिधान करून कला सादर

रंगमंच क्र. १ : बंकीमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात भारतीय लोक समूहनृत्य ही स्पर्धा झाली. यात राजस्थानी, गुजराथी, कोळी नृत्य, आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा परिधान करीत विद्यार्थ्यांनी आदिवासी नृत्य, खान्देशी, वारकरी, गोंधळावर अतिशय तन्मयतेने आपली कला सादर केली. एकूण २२ संघांनी यात सहभाग घेतला.

रंगमंच क्र. २ : स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह येथे भारतीय शास्त्रीय नृत्य ही स्पर्धा झाली. या स्पर्धेत कलावंत विद्यार्थ्यांनी भारतीय शास्त्रीय नृत्याचे दर्शन घडवत आपल्या अदाकारीने नृत्य उत्तमोत्तम सादर करण्याचा प्रयत्न केला. भरतनाट्यम, आनंद तांडवम, कथ्थक आदी प्रकार सादर केले. एकूण ८ महाविद्यालयांच्या संघांनी यात सहभाग नोंदविला.

रंगमंच क्र. ४ : कवी प्रेम धवन या सभागृहात पोस्टर मेकिंग ही स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. या स्पर्धेसाठी विकसनशील भारत २०३० हा विषय देण्यात आला होता. अतिशय सुरेख रेखाटन स्पर्धकांकडून करण्यात आले. एकूण ५२ विद्यार्थ्यांनी या स्पर्धेत सहभाग नोंदवला.

रंगमंच क्र. ५ : राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृह येथे भारतीय नाट्यसंगीत- एकल या स्पर्धेत गायक विद्यार्थ्यांनी विविध नाट्यगीते सादर केली. या प्रकारात ९ विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला. याच रंगमंचावर दुपार सत्रात सुगमसंगीत हा कला प्रकार सादर करण्यात आला. ३७ महाविद्यालयांच्या संघांनी सहभाग नोंदवला. अतिशय सुरेख पद्धतीने स्पर्धक सादरीकरण करत होते.

नॉलेज टेस्ट

Q१. हुंद्रा धबधबा, दशम धबधबा आणि जोन्हा धबधबा यांसारख्या प्रसिद्ध धबधब्यांचे घर असलेले "धबधब्यांचे शहर" म्हणून कोणते शहर ओळखले जाते?

[A] शिलाँग (मेघालय) [B] रांची (झारखंड)
[C] मसुरी (उत्तराखंड) [D] म्हैसूर (कर्नाटक)

Q२. नीलगिरी टेकड्यांमध्ये दर १२ वर्षांनी एकदा उमलणाऱ्या या फुलाचे नाव काय आहे?

[A] शिसम फूल [B] नेलकुरिंजी फूल [C] कमल फूल [D] लिली फूल

उत्तर 1. रांची (झारखंड) 2. नेलकुरिंजी फूल

नवराष्ट्र

Sunday 12/10/2025

युवारंगमध्ये विद्यार्थ्यांचे कलाविष्कार

जळगाव (वा.) कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अॅन्ड मॅनेजमेंट यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या तिसऱ्या दिवशी सकाळ सत्रात विद्यार्थी कलावंतांनी भारतीय संगीत, नाट्य, शास्त्रीय व समुहनृत्यांचा कलाविष्कार सादर केला. भारतीय संस्कृतीचे रंग भरले गेल्याने प्रेक्षकांमध्ये आनंदोत्सव होता. बेल्जीयमच्या विद्यार्थ्याने युवारंगात जल्लोष केला.

रायसोनी महाविद्यालयाच्या प्रांगणात सकाळी रंगमंच क्र. १ बकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात भारतीय लोक समुहनृत्य स्पर्धेत केसरीया बालमा आओ पधारो मारे देश, रून झुन बाजे पुखराज, ताहू की गोमेल, घेरू-घेरू, मारा देशारा दिल, सोना आहुती में काय काय, घागर घुमु दे, रामा पावा वाजू दे, आरारारा रंगीलो मारो ढोलना, वेसावसी पारू नेसली गे नेसली, विठूचा गजर हरी नामाचा झेंडा रोवीला, आईच्या नावाचा गोंधळ मांडीला अशा विविध समुहनृत्याद्वारे राजस्थानी, गुजराथी, कोळी नृत्य, आदिवासी पारंपारिक वेशभुषा परिधान करीत आदिवासी नृत्य, खान्देशी, गोंधळ, दिंडी पारंपारिक वेशभुषा परिधान करून प्रत्येक स्पर्धकाने कला सादर केली. २२ महाविद्यालयांच्या संघांनी यात सहभाग घेतला. रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात भारतीय शास्त्रीय नृत्य स्पर्धेत कलावंत विद्यार्थ्यांनी नृत्याचे दर्शन घडवत नृत्य उत्तमोत्तम सादर केले. भरतनाट्यम, आनंद तांडवम, कथ्थक नृत्यात ८ संघांनी भाग घेतला. रंगमंच क्रमांक ४ कवी प्रेम धवन या सभागृहात पोस्टर मेकिंग स्पर्धेसाठी विकसनशील भारत २०३० विषयात ५२ विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला. रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृहात भारतीय नाट्यसंगीत – एकल या स्पर्धेत गायक विद्यार्थ्यांनी विविध नाट्यगीते सादर केली. दुपार सत्रात सुगमसंगीत पार पडले. या 'युवारंग युवक महोत्सव २०२५' मध्ये शनिवारी एक वेगळीच झलक पाहायला मिळाली. बेल्जियम येथील विद्यार्थी फेलिक्स ग्युबेन यांनी या महोत्सवाला भेट देऊन भारतीय लोककला, संस्कृती आणि खान्देशी परंपरेचा जवळून अनुभव घेतला. कार्यक्रमात रंगमंचावर युवारंगचे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष अॅड नितीन झाल्टे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, अधिसभा सदस्य प्रा. संदिप नेरकर, प्रा. मंदा गावीत, स्वप्नाली काळे, दिपक पाटील, ऋषिकेश चित्तम, नेहा जोशी, प्राचार्य एस.एन.भारंबे, डॉ.प्रिती अग्रवाल, विद्यार्थी विकास संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे, डॉ. संजय शेखावत, प्रा. राम भावसार, आदींनी युवारंग युवक महोत्सवाच्या रंगमंचावर भेटी देत विद्यार्थ्यांचा उत्साह वाढविला.विजेत्यांना कुलगुरू माहेश्वरी, पालकमंत्री गुलाबराव पाटील, ना.संजय सावकारे, वस्त्रोद्योग मंत्र, महाराष्ट्र राज्य, खा.स्मिता वाघ, केतकी माटेगावकर, आ. सुरेश भोळे यांच्या हस्ते पारितोषिक वितरण करण्यात येणार आहे. रंगमंच क्रमांक १ येथे रविवार सकाळी १० वाजता होणार आहे. यावेळी मान्यवर आयोजक उपस्थित राहतील.

नवी आशा नवी दिशा

देशदूत

Sunday 12/10/2025

सकाळ

Sunday 12/10/2025

भारतीय संस्कृतीने उजळला युवारंग महोत्सव

बेल्जियमच्या विद्यार्थ्याचा उत्स्फूर्त सहभाग; आज समारोप

■ सकाळ वृत्तसेवा

जळगाव, ता.११ : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अ‍ॅन्ड मॅनेजमेंट यांच्या संयुक्त विद्यमाने सुरू असलेल्या आंतरमहाविद्यालयीन 'युवारंग युवक महोत्सव २०२५'च्या तिसऱ्या दिवशी भारतीय संस्कृती, संगीत आणि नृत्य कलांनी प्रेक्षक मुग्ध झाले. रविवारी (ता.१२) महोत्सवाचा समारोप होणार आहे. समारोपप्रसंगी सकाळी दहाला रंगमंच क्रमांक एकवर प्रमुख पाहुण्यांच्या हस्ते विद्यार्थ्यांना पारितोषिके प्रदान केली जातील.

बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात पार पडलेल्या स्पर्धेत २२ महाविद्यालयांच्या संघांचा सहभाग होता. या राजस्थानी, गुजराती, कोळी, आदिवासी, खानदेशी पारंपरिक नृत्यप्रकार सादर झाले. 'विठूचा गजर हरी नामाचा झेंडा रोवीला', 'आरारारा रंगीलो मारो ढोलना' अशा गीतांवर सादरीकरणाने सभागृहात उत्साहाचे वातावरण निर्माण झाले.

स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात पार पडलेल्या भारतीय शास्त्रीय नृत्य स्पर्धेत भरतनाट्यम, आनंद तांडव, कथ्थक आदी प्रकार विद्यार्थ्यांनी सादर केले. यात आठ महाविद्यालयांच्या विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला. कवी प्रेम धवन सभागृहात पोस्टर मेकिंग स्पर्धा झाली. यात 'विकसनशील भारत २०३०' या विषयावर स्पर्धा पार पडली. यात ५२ विद्यार्थ्यांनी सहभाग नोंदविला.

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सभागृहात आयोजित भारतीय नाट्यसंगीत आणि सुगमसंगीत स्पर्धेत नाट्य संगीतात ९ विद्यार्थी, तर सुगमसंगीतात ३७ महाविद्यालयांचे संघ सहभागी झाले. शुक्रवारी रात्री पार पडलेल्या एकांकिका स्पर्धेत ९ संघांनी सहभाग नोंदविला. मादी, कॅनल, शेवटंच पत्र, धाव-पळ, म्हसनातील सोनं अशा एकांकिकांनी प्रेक्षकांची वाहवा मिळविली.

बेल्जियमच्या विद्यार्थ्यांचा सहभाग

'रोटरी युथ एक्सचेंज' अंतर्गत भारतात आलेले फेलिक्स ग्युबेन (बेल्जियम) यांनी युवारंग महोत्सवाला विशेष भेट दिली. भारतीय लोककला, संस्कृती आणि खानदेशी परंपरेचा त्यांनी अनुभव घेतला. आदिवासी नृत्यादरम्यान ढोल वाजवत आणि ताल धरत स्वतः सहभागी झाले. त्यांनी माध्यमांशी बोलताना सांगितले की, भारताची कला, संगीत आणि संस्कृती अतिशय रंगीबेरंगी व उत्साही आहे. युवारंग म्हणजे भारतीय संस्कृतीचा जिवंत अनुभव आहे.

जळगाव : आंतरमहाविद्यालयीन 'युवारंग युवक महोत्सव २०२५'च्या तिसऱ्या दिवशी नृत्याचे सादरीकरण करताना विद्यार्थिनी.

आज पारितोषिक वितरण सोहळा

■ 'युवारंग युवक महोत्सव २०२५' चा पारितोषिक वितरण सोहळा सकाळी दहाला रंगमंच क्रमांक एकवर कुलगुरू प्रा. व्ही.एल. माहेश्वरी यांच्या अध्यक्षतेखाली होणार आहे. या सोहळ्यात पालकमंत्री गुलाबराव पाटील, मंत्री संजय सावकारे, खासदार स्मिता वाघ, आमदार सुरेश भोळे, अभिनेत्री, गायिका केतकी माटेगावकर, प्र-कुलगुरू प्रा. एस.टी. इंगळे, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, संचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल, विद्यार्थी विकास संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे उपस्थित राहणार आहे

लोकमत
Sunday 12/10/2025

संगीत, नृत्यातून भारतीय संस्कृतीची झलक!

युवारंग महोत्सव : विद्यार्थ्यांकडून टाळ्यांच्या गजरात उत्स्फूर्त दाद; पोस्टर स्पर्धेतून झळकले 'विकसित भारत २०३०'चे छायाचित्र

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : भारतीय संगीत, नाट्य, शास्त्रीय व समूहनृत्यांचा कलाविष्कार सादर करत खान्देशातील विद्यार्थ्यांनी शनिवारी, ११ ऑक्टोबरला भारतीय संस्कृतीची सफर प्रेक्षकांना घडवली. प्रचंड जल्लोषात आणि टाळ्यांचा जोरदार गजरात प्रत्येक सादरीकरणाला सभागृहातील उपस्थितांतून उत्स्फूर्त दाद मिळाली.

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या तिसऱ्या दिवशी, विद्यार्थी स्पर्धकांनी भारतीय संगीत, नाट्य, शास्त्रीय व समूहनृत्यांचा लक्ष वेधून घेणारा कलाविष्कार सादर केला.

नृत्य कलाविष्काराने प्रेक्षक झाले थक्क...

रंगमंच क्रमांक २ स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृह येथे भारतीय शास्त्रीय नृत्य स्पर्धा झाली. विद्यार्थ्यांनी भारतीय शास्त्रीय नृत्याचे दर्शन घडवत भरतनाट्यम, आनंद तांडवम, कथ्थक आदी प्रकार सादर केले.

भारत २०३०चे रेखाटन...

रंगमंच क्रमांक ४ : कवी प्रेम धवन सभागृहात पोस्टर मेकिंग स्पर्धा आयोजित झाली. या स्पर्धेसाठी विकसित भारत २०३० हा विषय देण्यात आला होता. अतिशय सुरेख रेखाटन स्पर्धकांकडून करण्यात आले.

भारतीय लोक समूहनृत्य स्पर्धेपूर्वी नूतन मराठा महाविद्यालयाच्या संघातील नृत्य कलाकार पौर्णिमा कोळी, जयदीप धांडे, लोकेश बडगुजर, दीपाली चौधरी, गायत्री गोपाळ, दीक्षा सोनवणे, वैष्णवी सोनवणे, अर्चना पाटील, चेतन कोळी, ललित हिरे आदी.

युवारंग युवक महोत्सवाला तिसऱ्या दिवशी बेल्जियम येथील विद्यार्थी फेलिक्स ग्युबेन याने भेट दिली. यावेळी त्याने ढोल वाजविण्याचा आनंदही लुटला. सोबत नितीन झाल्टे व विद्यार्थी.

विठूचा गजर हरी नामाचा झेंडा रोविला...

सकाळी रंगमंच क्र. १ बंकिमचंद्र चटोपाध्याय सभागृहात भारतीय लोक समूहनृत्य स्पर्धा झाली. या स्पर्धेत केसरिया बालमा आओ पधारो मारे देश, रुणझुण बाजे पुखराज, विठूचा गजर हरी नामाचा झेंडा रोविला यासह इतर गाण्यांवर राजस्थानी, गुजराथी, कोळी व आदिवासी नृत्य स्पर्धकांनी सादर केले. पारंपरिक वेशभूषा परिधान करून गोंधळ, दिंडीही सादर केली.

बेल्जियमचा फेलिक्स ग्युबेन युवारंगमध्ये रमला!

१ युवारंग युवक महोत्सवाला तिसऱ्या दिवशी बेल्जियम येथील विद्यार्थी फेलिक्स ग्युबेन याने भेट देऊन भारतीय लोककला, संस्कृती आणि खान्देशी परंपरेचा जवळून अनुभव घेतला.

२ फेलिक्स ग्युबेन हा रोटरी युथ एक्सचेंज कार्यक्रमाच्या अंतर्गत भारतात शिक्षणासाठी आला आहे. भारतीय लोकसंगीत, शास्त्रीय गायन, समूह गान, नाट्यसंगीत, वाद्य संगीत आणि लोकनृत्य अशा विविध प्रकारच्या सादरीकरणातून त्याने भारतीय संस्कृतीची झलक अनुभवली.

३ आदिवासी लोकनृत्याच्या सादरीकरणावेळी फेलिक्स याने स्वतः ढोल वाजवत ताल धरला. युवारंगचे कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, अधिसभा सदस्य नेहा जोशी, स्वप्नाली महाजन यांच्यासह विद्यार्थी कलावंत यांनीदेखील आदिवासी नृत्य करत आनंद लुटला.

आज पारितोषिक वितरण...

युवक महोत्सवातील गेल्या चार दिवसांत झालेल्या विविध कला, सांस्कृतिक स्पर्धेतील विजेत्यांना पारितोषिक वितरण रंगमंच क्रमांक १ येथे रविवारी, सकाळी १० वाजता केले जाणार आहे.

याप्रसंगी सिनेकलावंत केतकी माटेगावकर यांच्यासह मान्यवरांची उपस्थिती राहणार आहे.

नाट्यगीतांना लाभली रसिकांची दाद...

रंगमंच क्रमांक ५ राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सभागृह येथे भारतीय नाट्यसंगीत एकल या स्पर्धेत गायक विद्यार्थ्यांनी विविध नाट्यगीते सादर केली. सुगमसंगीत कला प्रकारात ३७ महाविद्यालयांच्या संघांनी सहभाग नोंदविला. सायंकाळी मेहंदी व इतर स्पर्धा प्रकार झाले.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

प्रभात
Sunday 12/10/2025

करिअर निर्मितीच्या संधीसाठी इंडक्शन प्रोग्राम

'रायसोनी'त नवीन विद्यार्थ्यांचे स्वागत

प्रभात वृत्तसेवा

पुणे, दि. ११ - जी. एच. रायसोनी इंटरनॅशनल स्किल टेक युनिव्हर्सिटी यांनी नवीन प्रवेश घेतलेल्या विद्यार्थ्यांचे स्वागत करण्यासाठी आणि त्यांना विद्यापीठाच्या दृष्टिकोनाची, शैक्षणिक रचना आणि करिअर-निर्मितीच्या संधींची ओळख करून देण्यासाठी इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित केला होता.

या कार्यक्रमाचा उद्देश विद्यार्थ्यांना संशोधन, नवोपक्रम,कौशल्य विकासाचे महत्त्व पटवून देणे हा होता. कुलगुरू डॉ. आर. डी. खराडकर, युनिवर्सिटीचे प्र - कुलगुरू डॉ. वैभव हेंद्रे, विद्यार्थी कल्याण विभागाचे अधिष्ठाता डॉ. संदीप रासकर, स्कूल ऑफ इंजिनिअरिंगच्या अधिष्ठाता डॉ. राहत खान, डॉ. प्रवीण जांगडे, डॉ. सचिन उंबरे यांच्यासह अन्य मान्यवर उपस्थित होते.

विद्यापीठाचे उद्दिष्ट केवळ नोकरी शोधणारे निर्माण करणे नाही तर नोकरी निर्माण करणारे उद्योजक आणि लिडर निर्माण करणे आहे, असे डॉ. आर. डी. खराडकर यांनी सांगितले. रायसोनी एज्युकेशनचे अध्यक्ष सुनील रायसोनी, कार्यकारी संचालक श्रेयश रायसोनी यांनी विद्यापीठात नवीन प्रवेश घेतलेल्या विद्यार्थ्यांचे अभिनंदन केले.

महाराष्ट्र टाइम्स
Sunday 12/10/2025

विद्यापीठात प्रवेश हा महत्त्वाचा टप्पा

म. टा. प्रतिनिधी, पुणे

जी. एच रायसोनी इंटरनॅशनल स्किल टेक युनिव्हर्सिटीच्या वतीने नव्याने प्रवेश घेतलेल्या विद्यार्थ्यांचे स्वागत करण्यासाठी इंडक्शन प्रोग्रामचे आयोजन करण्यात आले. या कार्यक्रमाचा उद्देश विद्यार्थ्यांना विद्यापीठाचा दृष्टिकोन, शैक्षणिक रचना आणि करिअर विकासाच्या संधींची ओळख करून देणे हा होता. कुलगुरू डॉ. आर. डी. खराडकर म्हणाले की, विद्यापीठात प्रवेश मिळवणे हा विद्यार्थ्यांच्या करिअर प्रवासातील महत्त्वाचा टप्पा आहे. संशोधन, नवोपक्रम आणि कौशल्य विकास हे करिअर घडवण्याचे प्रमुख आधारस्तंभ आहेत. आमचा कौशल्य प्रशिक्षण व अध्यापन मॉडेल विद्यार्थ्यांना विषयज्ञानाबरोबरच प्रत्यक्ष अनुभव देतो. आमचे उद्दिष्ट नोकरी शोधणारे नव्हे तर नोकरी निर्माण करणारे उद्योजक आणि नेते घडवणे आहे. प्रकुलगुरू डॉ. वैभव हेंद्रे यांनी पॉवर पॉइंट प्रझेंटेशनद्वारे विद्यापीठाचा सविस्तर आढावा सादर केला. डॉ. प्रवीण जांगडे आणि डॉ. सचिन उंबरे यांनी शैक्षणिक अभ्यासक्रम, प्रशिक्षण आणि प्लेसमेंटच्या संधींबाबत विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन केले.कार्यक्रमाला विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता डॉ. संदीप रासकर, अधिष्ठाता डॉ. राहत खान यांच्यासह विद्यापीठातील इतर प्राध्यापक उपस्थित होते.

दैनिक
दिव्य मराठी

Monday 13/10/2025

युवारंग महोत्सव • अभिनेत्री केतकी माटेगावकरने जपले बहिणाबाईंचे 'वेड'

सलग आठव्यांदा 'मूजे' विजेता

प्रतिनिधी | जळगाव

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँण्ड मॅनेजमेंट यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित युवारंग-२०२५ चा समारोप रविवारी झाला. यंदा देखील सलग आठव्यांदा मू.जे. महाविद्यालयाने युवारंगचे सर्वसाधारण विजेतेपद पटकावले. तर चोपडा येथील सुरेश जी पाटील कॉलेजला उपविजेतेपद मिळाले.

युवारंग २०२५ व 'दिव्यांग महोत्सवाचे पारितोषिक वितरण समारंभ रविवारी जल्लोषात झाला. अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी होते. प्रमुख पाहुणे म्हणून अभिनेत्री केतकी माटेगावकर, खासदार स्मिता वाघ, आमदार सुरेश भोळे, प्र-कुलगुरू प्रा. एस.टी. इंगळे, प्रा. सुनील कुलकर्णी, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे आदी उपस्थित होते. या वेळी राज्याचे वस्त्रोद्योग मंत्री संजय सावकारे यांनी सांगितले की, स्वतः मोठे होत असताना देशाचा प्रथम विचार करावा. युवारंगातील आठवणींची शिदोरी विद्यार्थ्यांना आयुष्यभर कामात येईल, असे सांगितले. कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी यांनी युवापार्कमधील पहिल्या १० संकल्पनांना मोफत इन्क्युबेशनची घोषणा केली. प्रा. जयेंद्र लेकुरवाळे यांनी अहवालाचे वाचन केले. प्रा. वीणा महाजन व प्रा. रफिक शेख यांनी सूत्रसंचालन केले. कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांनी आभार मानले.

भरीत, शेवभाजी आवडते

अभिनेत्री केतकी माटेगावकर यांनी विद्यार्थ्यांना तुमच्यात जे टॅलेंट आहे त्यावर विश्वास ठेवा आणि पुढे जात रहा. अभ्यासाबरोबर आवड जपा. विश्वास दृढ राहू द्या तो यशस्वी व्यक्तींच्या एक टक्का यादीत तुम्हाला नेऊन ठेवेल. असे सांगून लवकर स्टेजवर काम करायला मिळाल्याने कॉलेजचे आयुष्य जगता आले नाही; मात्र आज युवारंग कार्यक्रमात मी अनुभवत आहे. जळगावचे भरीत व शेवभाजी आवडते असे सांगितले.

युवारंग महोत्सवात सलग आठव्यांदा विजेतेपद मिळाल्याने जल्लोष करताना जळगावातील मू. जे. महाविद्यालयाचा संघ व प्राध्यापक आदी.

असा आहे निकाल : सुरेश जी. पाटील महाविद्यालयाला उपविजेतेपद

• **जिल्हानिहाय प्रोत्साहनपर फिरते चषक :** जळगाव जिल्हा : प्रा. डॉ. अरविंद चौधरी, जामनेर पुरस्कृत स्व. वसुंधरा चौधरी फिरता चषक विद्यापीठ प्रशाळा, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव, धुळे जिल्हा : प्रा. मुक्ता महाजन, जळगाव पुरस्कृत स्व. मातोश्री शांताबाई जगन्नाथ महाजन फिरता चषक एच. आर. पटेल इन्स्टिट्यूट, शिरपूर, नंदुरबार जिल्हा : प्रा. सुनील बाबूराव कुळकर्णी, देशगव्हाणकर पुरस्कृत स्व. बाबूराव कुळकर्णी देशगव्हाणकर फिरता चषक गजमल तुळशीराम पाटील महाविद्यालय, नंदुरबार.

• **कला प्रकार :** संगीत : नाहाटा वाणिज्य महाविद्यालय, भुसावळ, नृत्य : प्रताप महाविद्यालय, अमळनेर, वाङ्मयीन कला प्रकार : एच. आर. पटेल इन्स्टिट्यूट, शिरपूर, रंगमंचीय कला प्रकार : मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव, ललित कला : मू. जे. महाविद्यालय.

• **संगीत कला प्रकार :** भारतीय शास्त्रीय गायन-एकल : नाहाटा महाविद्यालय, भुसावळ प्रथम, कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ द्वितीय, मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव तृतीय, भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत : तालवाद्य-एकल मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा, द्वितीय, युनिव्हर्सिटी स्कूल्स कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव तृतीय, भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत : स्वरवाद्य एकल मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा द्वितीय, पालेशा महाविद्यालय, धुळे तृतीय, नाट्यसंगीत-एकल : नाहाटा महाविद्यालय, भुसावळ प्रथम, युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव द्वितीय, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा तृतीय, भारतीय सुगम संगीत : युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव प्रथम, नाहाटा महाविद्यालय, भुसावळ द्वितीय, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा तृतीय, भारतीय समूहगान : मू. जे. महाविद्यालय जळगाव प्रथम, नाहाटा महाविद्यालय, भुसावळ द्वितीय, युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव तृतीय, भारतीय

• **वाङ्मयीन कला प्रकार :** वक्तृत्व स्पर्धा : मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय, आर.सी. पटेल इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एज्युकेशन अँड रिसर्च, शिरपूर तृतीय, वादविवाद स्पर्धा : एच. आर. पटेल इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एज्युकेशन अँड रिसर्च, शिरपूर प्रथम, आर. सी. पटेल इन्स्टिट्यूट ऑफ फॉर्मसी, शिरपूर द्वितीय, युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव तृतीय.

लोकसंगीत वाद्यवृंद : डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा प्रथम, प्रताप महाविद्यालय, अमळनेर द्वितीय, मू. जे. महाविद्यालय जळगाव तृतीय, पाश्चिमात्य गायन-एकल : नाहाटा महाविद्यालय, भुसावळ प्रथम, मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय, जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव तृतीय, पाश्चिमात्य वाद्यसंगीत-एकल : युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव प्रथम, जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव द्वितीय, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा तृतीय, पाश्चिमात्य समूहगान : भुसावळ कला, विज्ञान आणि पी.ओ. नाहाटा वाणिज्य महाविद्यालय, भुसावळ प्रथम, जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव द्वितीय, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा तृतीय.

• **नृत्य कला प्रकार :** भारतीय शास्त्रीय नृत्य : एस. एस. मनियार लॉ कॉलेज, जळगाव प्रथम, मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय, आर. सी. पटेल इन्स्टिट्यूट ऑफ मॅनेजमेंट रिसर्च अँड डेव्हलपमेंट, शिरपूर तृतीय, भारतीय लोक समूहनृत्य : प्रताप महाविद्यालय, अमळनेर प्रथम, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा द्वितीय, युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव तृतीय.

• **रंगमंचीय कला प्रकार :** नक्कल : मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव द्वितीय, झुलाल भिलाजीराव पाटील महाविद्यालय, धुळे तृतीय. मूक अभिनय : अभियांत्रिकी आणि व्यवस्थापन महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय, अग्रवाल सायन्स कॉलेज नवापूर तृतीय. प्रहसन : प्रताप महाविद्यालय, अमळनेर प्रथम, युनिव्हर्सिटी स्कूल्स, कबचौ उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव द्वितीय, शारदा संस्थेचे विद्याधन वाणिज्य महाविद्यालय, धुळे तृतीय

• **ललित कला :** स्थळ चित्र : मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, बी. पी. कॉलेज, चाळीसगाव द्वितीय, श्रम साधना बॉम्बे ट्रस्ट संचलित महाविद्यालय, बांभोरी, जळगाव तृतीय, चिकटकला : मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, गजमल तुळशीराम पाटील महाविद्यालय, नंदुरबार द्वितीय, प्रताप महाविद्यालय, अमळनेर तृतीय, पोस्टरमेकिंग : बी. पी.कॉलेज, चाळीसगाव प्रथम, मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा (तृतीय), माती कला : मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय द्वितीय, गजमल तुळशीराम पाटील महाविद्यालय, नंदुरबार तृतीय. व्यंगचित्र : मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव प्रथम, गजमल तुळशीराम पाटील महाविद्यालय, नंदुरबार द्वितीय, डी. ई. एस. कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, धुळे तृतीय, रांगोळी : प्रताप महाविद्यालय, अमळनेर प्रथम, मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय, डॉ. बेंडाळे महिला महाविद्यालय, जळगाव तृतीय, स्थळ छायाचित्र : कला, वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय, धरणगाव प्रथम, मू. जे. महाविद्यालय, जळगाव द्वितीय, नाहाटा महाविद्यालय, भुसावळ तृतीय, इंस्टॉलेशन : डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा प्रथम, फार्मसी कॉलेज, शहादा द्वितीय, आर. सी. पटेल कॉलेज शिरपूर तृतीय, मेंदी : रायसोनी इंजिनिअरिंग, जळगाव प्रथम, चौधरी महाविद्यालय, नंदुरबार द्वितीय, बोदवड महाविद्यालय तृतीय.

देशदूत
नवी आशा नवी दिशा

Monday 13/10/2025

युवारंग 2-0-2-5 150

देशदूत
जळगाव/धुळे/नंदुरबार आवृत्ती।
सोमवार, दि. १३ ऑक्टोबर २०२५ । पान - ८

▪ युवा महोत्सवात सहभागी कलावंतांनी सादर केलेल्या कला, शिस्त व खिलाडूवृत्तीचे कौतूक ▪ युवारंगातील आठवणींची शिदोरी विद्यार्थ्यांना आयुष्यभर उपयोगी ▪ आपल्या सर्वांच्या मनात राष्ट्रभक्ती व राष्ट्रप्रेमाची भावना अशीच जागृत ठेवण्याचे आवाहन

विजेता-मूळजी जेठा महाविद्यालय, जळगाव

उपविजेता दादासाहेब सुरेश जी.पाटील महाविद्यालय, चोपडा

युवारंग महोत्सवात मू.जे.ची बाजी, चोपडा उपविजयी

जळगाव । प्रतिनिधी

स्पर्धेचा निकाल खालीलप्रमाणे

१	प्रथम क्रमांक : संघ सदस्य: नेत्रदीप आर. कदम, दीपांशु रहांगडाले, प्राजक्ता लंके, चैतन्य सातपुते प्रकल्प/कल्पना: N-Phantom Stealth Coating महाविद्यालय: युनिव्हर्सिटी इन्स्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नॉलॉजी, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव
२	द्वितीय क्रमांक: श्री. हर्ष बी. कोटेचा प्रकल्प/कल्पना: Eco Smart Capsule महाविद्यालय: के.सी.ई. सोसायटीचे अभियांत्रिकी आणि व्यवस्थापन महाविद्यालय, जळगाव
३	तृतीय क्रमांक: श्री. सारंग डी. पाटील प्रकल्प/कल्पना: Tech GI Supply Chain १.० महाविद्यालय: के.सी.ई. सोसायटीचे अभियांत्रिकी आणि व्यवस्थापन महाविद्यालय, जळगाव

युवारंग २०२५ स्पर्धेचा निकाल

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

युवारंगचा समारोप, मू. जे. महाविद्यालय विजेते

विद्यार्थ्यांच्या जल्लोषात मान्यवरांच्या हस्ते विजेत्यांचा गौरव, उपविजेता ठरले चोपड्याचे डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग आणि जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँण्ड मॅनेजमेंटच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सव व दिव्यांग महोत्सवाचा समारोप रविवारी, १२ ऑक्टोबरला विजेत्यांच्या जल्लोषात झाला. महोत्सवात खान्देश कॉलेज एज्युकेशन सोसायटीचे मूळजी जेठा महाविद्यालय विजेते ठरले. त्यांना डॉ. जी डी. बेंडाळे स्मृती चषक, तर उपविजेता महात्मा गांधी शिक्षण मंडळाचे डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा यांना कुसुमताई मधुकरराव चौधरी स्मृती चषक देण्यात आला.

मंचावर अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी होते. वस्त्रोद्योग मंत्री संजय सावकारे, खासदार स्मिता वाघ, आमदार सुरेश भोळे, अभिनेत्री केतकी माटेगावकर, प्र-कुलगुरू प्रा. एस. टी. इंगळे, प्रा. सुनील कुलकर्णी, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, व्यवस्थापन परिषद सदस्य डॉ. पवित्रा पाटील, सुरेखा पालवे, कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील, वित्त व लेखा अधिकारी सीए रवींद्र पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भंगाळे, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे, रायसोनी महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. प्रीती अग्रवाल, समन्वयक डॉ. संजय शेखावत उपस्थित होते.

युवारंगमधील विजेत्या मू. जे. कॉलेजच्या संघाला स्मृतिचिन्ह देताना व्ही. एल. माहेश्वरी. सोबत जयेंद्र लेकुरवाळे, संजय शेखावत, राजेंद्र नन्नवरे, एस. टी. इंगळे, शशिकांत वडोदकर, सुरेखा पालवे, विनोद पाटील, स्वप्नाली काळे, विष्णू भंगाळे यांच्यासह मान्यवर.

मंत्री संजय सावकारे यांनी इक प्यार का नगमा है, तर केतकी माटेगावकर हिने मला वेड लागले प्रेमाचे हे गीत गायले. सूत्रसंचालन प्रा. वीणा महाजन व रफीक शेख यांनी केले.

विशेष सत्कार केला...

विद्यार्थी कल्याणचे माजी संचालक प्रा. सुनील कुलकर्णी, विद्यापीठ विद्यार्थी परिषदेचे तत्कालीन अध्यक्ष मनोज दयाराम चौधरी, विष्णू भंगाळे, सचिव डॉ. योगेश तोरवणे, योगेश माळी यांचा सत्कार करण्यात आला. विद्यार्थी सुमीत राजपूत व विद्यार्थिनी चंचल धांडे यांनी मनोगत व्यक्त केले.

महोत्सवातील युवास्पार्कचा निकाल..

'युवास्पार्क' : प्रथम : संघ सदस्य : नेत्रदीप आर. कदम, दीपांशू रहांगदळे, प्राजक्ता लंके, चैतन्य सातपुते (युनिव्हर्सिटी इन्स्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नॉलॉजी, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ), द्वितीय क्रमांक : हर्ष कोटेचा (के.सी.ई. सोसायटीचे अभियांत्रिकी आणि व्यवस्थापन महाविद्यालय, जळगाव), तृतीय : सारंग पाटील (के.सी.ई. सोसायटीचे अभियांत्रिकी आणि व्यवस्थापन महाविद्यालय, जळगाव).

युवारंगमधील शास्त्रीय गायन, वाद्य संगीत, नाट्यसंगीत, सुगम संगीत स्पर्धेतील विजेते

संगीत : भारतीय शास्त्रीय गायन एकल : भुसावळ कला, विज्ञान आणि पी. ओ. नाहाटा वाणिज्य महाविद्यालय, भुसावळ (प्रथम), विद्यापीठ प्रशाळा, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव (द्वितीय), खान्देश कॉलेज एज्युकेशन सोसायटीचे मूळजी जेठा महाविद्यालय, जळगाव (तृतीय).

भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत - तालवाद्य - एकल : खान्देश कॉलेज एज्युकेशन सोसायटीचे मूळजी जेठा महाविद्यालय (प्रथम), महात्मा गांधी शिक्षण मंडळाचे दादासाहेब डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा (द्वितीय), विद्यापीठ प्रशाळा, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव (तृतीय).

भारतीय शास्त्रीय वाद्य संगीत- स्वरवाद्य - एकल : खान्देश कॉलेज एज्युकेशन सोसायटीचे मूळजी जेठा महाविद्यालय, जळगाव (प्रथम), महात्मा गांधी शिक्षण मंडळाचे दादासाहेब डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा (द्वितीय), एम. डी. पालेशा वाणिज्य महाविद्यालय, धुळे (तृतीय).

नाट्यसंगीत एकल : भुसावळ कला, विज्ञान आणि पु. ओ. नाहाटा वाणिज्य महाविद्यालय (प्रथम), विद्यापीठ प्रशाळा, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ (द्वितीय), महात्मा गांधी शिक्षण मंडळाचे दादासाहेब डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा (तृतीय)

भारतीय सुगम संगीत : विद्यापीठ प्रशाळा, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव (प्रथम), भुसावळ कला, विज्ञान आणि पी. ओ. नाहाटा वाणिज्य महाविद्यालय (द्वितीय), महात्मा गांधी शिक्षण मंडळाचे दादासाहेब डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय, चोपडा (तृतीय)

सायंदैनिक साईमत
Monday 13/10/2025

संगीत, कला क्षेत्रात विद्यार्थ्यांना प्रावीण्य साधण्याची संधी : मंत्री सावकारे

युवारंग युवक, दिव्यांग महोत्सवात विद्यार्थ्यांचे पारितोषिक वितरण; कला, संगीत क्षेत्रातील प्रतिभा सादर करण्यास प्रोत्साहन

जळगाव । प्रतिनिधी

भारताने आपल्या संगीत आणि कला अशा दोन बहुमूल्य देणगी दिल्या आहेत. 'युवारंग २०२५' मध्ये विद्यार्थ्यांना भारतीय संगीत, कला क्षेत्रात चांगले कर्तृत्व दाखविण्याची संधी गेल्या २५ वर्षांपासून विद्यापीठाने उपलब्ध करून दिली आहे. त्याचा फायदा विद्यार्थ्यांनी घ्यावा, असे आवाहन राज्याचे वस्त्रोद्योग मंत्री ना. संजय सावकारे यांनी केले. कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग, जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग ॲण्ड मॅनेजमेंट यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक व दिव्यांग महोत्सवाच्या पारितोषिक वितरणप्रसंगी ते बोलत होते. अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा.व्ही.एल.माहेश्वरी होते.

सर्वसाधारण विजेता : मुळजी जेठा महाविद्यालय, जळगाव

'अरे हम गरीब हुए तो क्या हुआ... दिले से अमीर है...'

विद्यार्थ्यांनी त्यांच्यामधील जे-जे टॅलेंट आहे, त्यावर विश्वास ठेवा आणि पुढे जात रहा. अभ्यासाबरोबर आवड जपा. विश्वास दृढ राहू द्या ती पायाभरी आत्मविश्वास एक टक्का वाढीत तुम्हाला नेऊन ठेवेल, असे सांगून लवकरच स्टेजवर काम करायला मिळाल्याने महाविद्यालयीन आयुष्य जगता आले नाही. मात्र, आज युवारंग कार्यक्रमात मी अनुभव आहे, असे सांगून जळगावचे भरीत व शेवभाजी पसंत असल्याचे कथन अभिनेत्री केतकी माटेगावकर यांनी केले.

'काक स्पर्श' चित्रपटनिर्मित कवयित्री बहिणाबाई यांच्या कवितेचा अभ्यास केला. 'अरे संसार संसार' ही बहिणाबाईंची कविता गायली. असे सांगून 'मला वेड लागले प्रेमाचे...' हे गीत गायले. विद्यार्थ्यांच्या आग्रहास्तव टाईमपास चित्रपटातील 'अरे हम गरीब हुए तो क्या हुआ.. दिले से अमीर है..' हे संवाद वाक्य ऐकविले.

राष्ट्रभक्ती अन् राष्ट्रप्रेमाची भावना जागृत ठेवण्याचे कुलगुरूंचे आवाहन

कला अभिव्यक्तीचे सशक्त माध्यम आहे. युवा महोत्सवात सहभागी कलावंतांनी सादर केलेल्या कला, शिस्त व खिलाडू वृत्तीचे कौतुक केले. तसेच दिव्यांग महोत्सवात विद्यार्थ्यांचा सहभाग लक्षणीय ठरला. यावर्षीपासून सुरू केलेल्या 'युवा स्पार्क २०२५' च्या माध्यमातून नवीन संकल्पनांना व्यासपीठ मिळावे, म्हणून सहभागी पहिल्या तिघांचा गौरव करण्यात आला. त्यातील पहिल्या १० संकल्पनांना विद्यापीठाच्या माध्यमातून इनक्युबेशन सहाय्य बोधन करणार आहे. गरज पडल्यास प्रशिक्षण व आर्थिक सहाय्य करण्याचे आश्वासन दिले. युवक महोत्सवाची 'वंदे मातरम्@१५०' थीमच्या माध्यमातून आपल्या सर्वांच्या मनात राष्ट्रभक्ती व राष्ट्रप्रेमाची भावना अशीच जागृत ठेवू या, असे आवाहन अध्यक्षीय समारोपप्रसंगी विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी यांनी केले.

सर्वसाधारण उपविजेता : दादासाहेब सुरेश जी. पाटील विद्यालय, चोपडा

संकलन : शरद भालेराव / सजावट : सुधाकर शिंदे

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

नवशक्ति
Monday 13/10/2025

जळगाव युवारंग २०२५ उत्साहात

जळगाव : भारताने जगाला संगीत व कला या दोन बहुमूल्य देणग्या दिल्या आहेत. युवारंग २०२५ मध्ये विद्यार्थ्यांना भारतीय संगीत व कला क्षेत्रात आपले कर्तृत्व सिद्ध करण्याची संधी गेल्या २५ वर्षांपासून कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाने उपलब्ध करून दिली आहे. याचा फायदा विद्यार्थ्यांनी घ्यावा, असे आवाहन राज्याचे वस्त्रोद्योग मंत्री संजय सावकारे यांनी पारितोषिक वितरण प्रसंगी केले. या कार्यक्रमात ११७ महाविद्यालयांचे एकूण १८०० विद्यार्थी सहभागी झाले, त्यात ९५० विद्यार्थिनींचा लक्षणीय समावेश होता.युवारंग २०२५ मध्ये सर्वसाधारण विजेतेपद खानदेश कॉलेज एज्युकेशन सोसायटीचे मुळजी जेठा महाविद्यालयाने पटकावले, तर उपविजेतेपद महात्मा गांधी शिक्षण मंडळाचे दादासाहेब डॉ. सुरेशजी पाटील महाविद्यालय, चोपडाने मिळवले.

तरुण भारत
Modnay 13/10/2025

टॅलेंटवर विश्वास ठेवा अन् पुढे जात रहा - केतकी माटेगावकर

तभा वृत्तसेवा
जळगाव, १२ ऑक्टोबर

"विद्यार्थ्यांनी त्यांच्यामधील जे जे टॅलेंट आहे त्यावर विश्वास ठेवा आणि पुढे जात रहा, अभ्यासाबरोबर आवड जपा. विश्वास दृढ राहू द्या. तो यशस्वी व्यक्तींच्या एक टक्क्का यादीत तुम्हाला नेऊन ठेवेल," असा विश्वास अभिनेत्री केतकी माटेगावकर यांनी व्यक्त केला.

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचा विद्यार्थी विकास विभाग व जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अ‍ॅन्ड मॅनेजमेंट, यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित आंतर महाविद्यालयीन युवारंग युवक महोत्सवाच्या व दिव्यांग महोत्सवाच्या पारितोषिक वितरण प्रसंगी त्या बोलत होत्या. यावेळी मंचावर अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रा.व्ही.एल.माहेश्वरी, वस्त्रोद्योग मंत्री संजय सावकारे, खासदार स्मिता वाघ, आमदार सुरेश भोळे, प्र-कुलगुरू प्रा.एस.टी.इंगळे, प्रा. सुनील कुळकर्णी, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, व्यवस्थापन परिषद सदस्य डॉ. पवित्रा पाटील, प्रा.सुरेखा पालवे, वित्त व लेखा अधिकारी सीए रवींद्र पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भंगाळे, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ.जयेंद्र लेकुरवाळे, महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. प्रिती अग्रवाल, समन्वयक डॉ. संजय शेखावत उपस्थित होते.

कला अभिव्यक्तीचे सशक्त माध्यम - कुलगुरू

अध्यक्षीय समारोप करतांना कुलगुरु प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी यांनी सांगितले की, कला अभिव्यक्तिचे सशक्त माध्यम आहे. युवा महोत्सवात सहभागी कलावंतांनी सादर केलेल्या कला, शिस्त व खिलाडूवृत्तीचे कौतुक केले. दिव्यांग महोत्सवात विद्यार्थ्यांचा सहभाग लक्षणीय ठरला. या वर्षापासून सुरु करण्यात आलेल्या 'युवास्पार्क २०२५' च्या माध्यमातून नवीन संकल्पनांना व्यासपीठ मिळावे म्हणून सहभागी पहिल्या तिघांचा गौरव करण्यात आला. यातील पहिल्या १० संकल्पनांना विद्यापीठाच्या माध्यमातून इनक्युबेशन सहाय्य मोफत करणार आहे. गरज पडल्यास प्रशिक्षण व आर्थिक सहाय्य करण्याचे आश्वासन दिले.

खासदार स्मिता वाघ यांनी सांगितले की, "युवारंग हे चांगले व्यासपीठ विद्यापीठाने विद्यार्थ्यांसाठी उपलब्ध करुन दिले आहे. देशामुळे आपले अस्तित्व आहे त्यामुळे जियेही जात तेथे देशाचा नावलौकीक वाढवावा," असे आवाहन केले.

आमदार सुरेश भोळे यांनी युवारंगतून संस्कृती व संस्कार टिकविले जातात. शिक्षणासोबत कलागुण महत्वाचे असून त्यातूनही विद्यार्थ्यांना करिअर करता येते असे सांगून आई-वडील हे आपले आयडॉल माना, असे आवाहन करीत राष्ट्राप्रती कायम अग्रेसर रहा, असेही त्यांनी सांगितले. युवारंगचे स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे यांनी जगातील इतर देशात जेन-झी चे वादळ नकारात्मक पायावर उभे आहे, त्याउलट भारतातील तरुण पिढी रचनात्मक राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रभक्ति मानत असल्याचे ते म्हणाले.

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

सकाळ
Modnay 13/10/2025

भारताकडून जगाला कला, संगीताची देणगी

मंत्री संजय सावकारे : युवारंग, दिव्यांग कलामहोत्सवाचे पारितोषिक वितरण

सकाळ वृत्तसेवा

जळगाव, ता. १२ : भारताने जगाला संगीत व कला या दोन बहुमूल्य देणगी दिल्या आहेत. युवारंग २०२५ मध्ये विद्यार्थ्यांना भारतीय संगीत व कला या क्षेत्रात चांगले कर्तृत्व दाखविण्याची संधी गेल्या २५ वर्षांपासून विद्यापीठाने उपलब्ध करून दिली आहे. त्याचा फायदा विद्यार्थ्यांनी घ्यावा, असे आवाहन राज्याचे वस्त्रोद्योगमंत्री संजय सावकारे यांनी केले.

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या विद्यार्थी विकास विभाग व जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंटतर्फे झालेल्या आंतरमहाविद्यालयीन युवारंग युवक व दिव्यांग महोत्सवाच्या पारितोषिक वितरणप्रसंगी ते बोलत होते. कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी अध्यक्षस्थानी होते. अभिनेत्री केतकी माटेगावकर, खासदार स्मिता वाघ, आमदार सुरेश भोळे, प्र-कुलगुरू प्रा. एस. टी. इंगळे, प्रा. सुनील कुलकर्णी, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र नन्नवरे, कार्याध्यक्ष नितीन झाल्टे, व्यवस्थापन परिषद सदस्य डॉ. पवित्रा पाटील, प्रा. सुरेखा पालवे, वित्त व लेखा अधिकारी रवींद्र पाटील, अधिसभा सदस्य विष्णू भंगाळे, विद्यार्थी विकास विभागाचे संचालक डॉ. जयेंद्र लेकुरवाळे, महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. प्रीती अग्रवाल, समन्वयक डॉ. संजय शेखावत उपस्थित होते. माजी विद्यापीठ विद्यार्थी परिषद अध्यक्ष मनोज चौधरी, विष्णू भंगाळे आणि माजी सचिव योगेश लोखंडे, योगेश माळी यांचा सत्कार करण्यात आला.

टॅलेंटवर विश्वास ठेवा : अभिनेत्री केतकी माटेगावकर

लोकप्रिय अभिनेत्री केतकी माटेगावकर म्हणाल्या, की आपल्या टॅलेंटवर विश्वास ठेवा, आवड जपा. कारण सातत्य आणि शिस्त हेच यशाचे रहस्य आहे. त्यांनी बहिणाबाईंची कविता 'अरे संसार संसार' आणि आपले प्रसिद्ध गीत 'मला वेड लागले प्रेमाचे' सादर करून उपस्थितांची मने जिंकली.

विद्यार्थ्यांनी देशाचा नावलौकिक वाढवावा : खासदार स्मिता वाघ

खासदार स्मिता वाघ म्हणाल्या, की युवारंग केवळ महोत्सव नसून विद्यार्थ्यांना स्वतःला सिद्ध करण्याची उत्तम संधी आहे. जिथे जाल, तिथे देशाचा नावलौकिक वाढवा. तरुणाई देशाला नवी दिशा देणारी ठरेल.

आई-वडील हेच आदर्श : आमदार सुरेश भोळे

आमदार सुरेश भोळे म्हणाले, की आई-वडील हेच आपले पहिले आदर्श आहेत. त्यांच्या निष्ठेने आणि संस्कारांनी राष्ट्रप्रेम निर्माण होते. विद्यार्थ्यांनी केवळ गुणांसाठी नव्हे, तर चारित्र्य आणि समाजसेवेसाठी शिक्षण घ्यावे.

कला म्हणजे अभिव्यक्तीचे सशक्त माध्यम : कुलगुरू माहेश्वरी

कुलगुरू प्रा. व्ही. एल. माहेश्वरी म्हणाले, की कला ही अभिव्यक्तीचे सशक्त माध्यम आहे. शिक्षणासोबत कला आणि संस्कार यांचा समन्वय झाल्यास व्यक्तिमत्त्वाचा सर्वांगीण विकास होतो. त्यांनी 'युवास्पार्क २०२५' या उपक्रमातील विजेत्या संकल्पनांना इनक्युबेशन सेंटरकडून मोफत सहाय्य देण्यात येणार असल्याची घोषणा केली. महोत्सवात ११७ महाविद्यालयांतील एक हजार ८०० विद्यार्थी विविध कलाप्रकारांत सहभागी झाले. प्रा. वीणा महाजन व प्रा. रफीक शेख यांनी सूत्रसंचालन केले. कुलसचिव डॉ. विनोद पाटील यांनी आभार मानले. महोत्सवात विद्यार्थ्यांचा उत्साह, कलेचा झंकार आणि नवसंशोधनाची झलक यांचा सुंदर मिलाफ दिसून आला. युवारंग २०२५ ने उत्तर महाराष्ट्रातील युवा प्रतिभेला उजाळा दिला आणि विद्यापीठाच्या सांस्कृतिक परंपरेला नवी झळाळी प्रदान केली.

जळगाव : युवारंग महोत्सवात सर्वसाधारण गटात उपविजेता ठरलेला चोपड्याचा दादासाहेब डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालयाचा संघ.

दिव्यांग कला महोत्सवाचे विजेते

- संगीत : पवन मनोज मराठे (धुळे)
- वाद्य संगीत : धनंजय मुकेश पाटील (धुळे)
- वक्तृत्व : वैभव भोंबे (विद्यापीठ प्रशाळा)
- माती कला : निशा बारी (शेंदुर्णी)
- व्यंग्यचित्र : गायत्री आमले (बेंडाळे महिला महाविद्यालय, जळगाव)

सर्वसाधारण विजेते

- विजेता : मुळजी जेठा महाविद्यालय (डॉ. जी. डी. बेंडाळे स्मृती करंडक)
- उपविजेता : दादासाहेब डॉ. सुरेश जी. पाटील महाविद्यालय (चोपडा)

युवास्पार्क-२०२५ नवकल्पना विजेते

- प्रथम : एन फँन्टॉम स्टेल्थ कोटिंग, नेत्रदीप कदम व सहकारी (युआयसीटी, जळगाव)
- द्वितीय : इको स्मार्ट कॅप्सूल, हर्ष कोटेचा (केसीई अभियांत्रिकी महाविद्यालय)
- तृतीय : टेक जीआय सप्लाय चेन ५.०, सारंग पाटील (केसीई अभियांत्रिकी महाविद्यालय)

विभागनिहाय विजेते व सहभाग

- संगीत विभाग : भुसावळ कला, विज्ञान व नाहाटा वाणिज्य महाविद्यालय
- नृत्य विभाग : प्रताप महाविद्यालय, अमळनेर
- वाङ्मयीन कला : एच. आर. पटेल फार्मसी इन्स्टिट्यूट, शिरपूर
- रंगमंचीय कला : मुळजी जेठा महाविद्यालय, जळगाव
- ललित कला : मुळजी जेठा महाविद्यालय, जळगाव

फिरते करंडक विजेते

- जळगाव जिल्हा : विद्यापीठ प्रशाळा
- धुळे जिल्हा : एच. आर. पटेल फार्मसी इन्स्टिट्यूट, शिरपूर
- नंदुरबार जिल्हा : गजमल तुळशीराम पाटील महाविद्यालय, नंदुरबार

raisoni EDUCATION
Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

TheHitavada
Tuesday 14/10/2025

G H Raisoni College of Engg and Management

THE Department of Computer Science and Engineering (Cyber Security), G H Raisoni College of Engineering and Management, Nagpur, inaugurated the Two-Day International Cyber Summit (ICYS-25), recently.

The inaugural ceremony was graced by Pooja Joshi, chief guest and President, EC-Council India, Dr Raakesh Kriplani as the guest of honour.

The event was presided over by Dr Vivek Kapur, Director, GHRCEMN, and organised under the leadership of Dr Priti M Bihade, Convener and Head, Department of CSE (Cyber Security).

Dr Kapur appreciated the department's efforts in hosting an international event connecting academia and industry on a single platform very first time in Nagpur. Dr Pravin Kulurkar and Saurabh Vyas served as faculty coordinators for the event.

लोकमत
Wednesday 15/10/2025

रायसोनी विद्यापीठात संशोधन कार्यशाळा

अमरावती : जी. एच. रायसोनी विद्यापीठात २०२५-२६ या शैक्षणिक सत्रासाठी पीएच.डी. संशोधकांसाठी आयोजित पाच दिवसीय संशोधन पद्धती कार्यशाळेत ४० हून अधिक संशोधकांनी सहभाग घेतला. उद्घाटन नागपूरच्या हिस्लॉप कॉलेजचे डॉ. प्रांतिक बनर्जी यांनी रजिस्ट्रार डॉ. स्नेहिल जैसवाल, पीएच.डी. सेल प्रभारी डॉ. श्रीकांत चवाटे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनायक डकरे आणि इतर मान्यवरांच्या उपस्थितीत केले. संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठाचे डॉ. मोहम्मद अतीक यांनी संशोधन नीतिमत्तेवर प्रकाश टाकला, तर डॉ. सचिन पडोले यांनी मापनाच्या अचूकतेवर भर दिला. सी.पी. अँड बेरार कॉलेजचे डॉ. आशिष लिंगे यांनी नमुना तंत्रांचे स्पष्टीकरण दिले, तर डॉ. अमोल झाडे यांनी बौद्धिक संपदा अधिकार व व्हीएनआयटीचे डॉ. राहुल रालेगावकर यांनी नैतिक लेखन आणि साहित्यिक चोरी प्रतिबंधनावर मार्गदर्शन केले. कुलपती डॉ. विनायक देशपांडे व विद्यार्थी कल्याण संचालक डॉ. प्रशांत आवचट यांच्या उपस्थितीत समारोप समारंभ झाला. डॉ. चवाटे आणि डॉ. पडोळे समन्वयक होते.

जनमाध्यम
Wednesday 15/10/2025

जी.एच.रायसोनी विश्वविद्यालयात संशोधकांसाठी कार्यशाळा

अमरावती/का.प्र.

जी. एच. रायसोनी विश्वविद्यालय, अमरावती येथे २०२५-२६ शैक्षणिक सत्रासाठी पीएच.डी. संशोधकांसाठी आयोजित पाच दिवसीय संशोधन पद्धती कार्यशाळा झाली. या परिवर्तनकारी कार्यक्रमात ४० हून अधिक उत्साही संशोधकांनी सहभाग घेतला. संशोधन डिझाइन, नैतिकता, डेटा विश्लेषण आणि विद्वत्तापूर्ण लेखन यांसारख्या महत्त्वपूर्ण कौशल्यांना प्रोत्साहन देणे हा या कार्यशाळेचा मुख्य उद्देश होता.

कार्यशाळेचे उद्घाटन मुख्य अतिथी डॉ. प्रांतिक बनर्जी, हिस्लॉप कॉलेज, नागपूर येथील इंग्रजी प्राध्यापक, यांच्या प्रेरणादायी भाषणाने झाले. त्यांनी 'तुमचे संशोधन प्रभावी आहे का? संशोधनाचे कौशल्य' या विषयावर सामाजिकदृष्ट्या प्रासंगिक संशोधनावर जोर दिला. रजिस्ट्रार डॉ. स्नेहिल जैसवाल, पीएच.डी. सेल प्रभारी डॉ. श्रीकांत चवाटे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनायक डकरे आणि इतर मान्यवरांच्या उपस्थितीने उद्घाटन समारंभाला विशेष महत्त्व प्राप्त झाले. डॉ. चवाटे यांच्या 'संशोधन परिदृश्याचे नेव्हिगेशन: संकल्पनेपासून निष्कर्षापर्यंत' या सत्राने उत्साहपूर्ण चर्चेला चालना दिली. विविध क्षेत्रांतील तज्ज्ञांनी संचालित केलेल्या सत्रांनी कार्यशाळेला समृद्ध केले. संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठाचे डॉ. मोहम्मद अतीक यांनी संशोधन नीतिमत्तेवर प्रकाश टाकला, तर डॉ. सचिन पडोले यांनी मापनाच्या अचूकतेवर भर दिला. नागपूरच्या सी.पी. अँड बेरार कॉलेजचे डॉ. आशीष लिंगे यांनी नमुना तंत्रांचे स्पष्टीकरण दिले, तर डॉ. अमोल झाडे यांनी बौद्धिक संपदा अधिकारांवर चर्चा केली. अंतिम दिवशी, व्हीएनआयटी, नागपूरचे डॉ. राहुल रालेगांवकर यांनी नैतिक लेखन आणि साहित्यिक चोरी प्रतिबंधनावर मार्गदर्शन केले. डॉ. चवाटे यांनी साहित्य समीक्षा आणि डेटा विश्लेषणासाठी डिजिटल साधनांचा परिचय करून दिला. रजिस्ट्रार डॉ. जैसवाल यांच्या 'शिकण्या पासून अंमलबजावणीपर्यंतचा मार्ग' या समारोप भाषणाने संशोधकांना नाविन्यपूर्ण संशोधनासाठी प्रेरणा दिली. विश्वविद्यालयाचे कुलपती डॉ. विनायक देशपांडे आणि विद्यार्थी कल्याण संचालक डॉ. प्रशांत आवचट यांच्या उपस्थितीत समारोप समारंभ झाला. यावेळी डॉ. देशपांडे यांनी संशोधकांना उत्साही राहून उच्च दर्जाचे संशोधन करण्याचा सल्ला दिला, तर डॉ. आवचट यांनी नियोजनबद्ध आणि व्यवस्थितपणे संशोधन कार्य करण्यावर भर दिला. डॉ. चवाटे आणि डॉ. पडोले यांनी समन्वित केलेली ही कार्यशाळा विश्वविद्यालयाच्या शैक्षणिक उत्कृष्टता आणि संशोधन संस्कृतीप्रती असलेल्या बांधिलकीचे दर्शन घडवते.

महाराष्ट्र टाइम्स
Wednesday 15/10/2025

विद्यापीठाच्या परीक्षेत रायसोनी कॉलेजचे यश

नागपूर : राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठाच्यावतीने घेण्यात आलेल्या विधी अभ्यासक्रमाच्या परीक्षेत रायसोनी कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांनी एलएलबीच्या सहाव्या आणि दहाव्या सत्रात उत्तम यश मिळविले. एलएलबी सहाव्या सत्रात हर्षल बजाज हिने विद्यापीठात द्वितीय क्रमांक मिळवला, तर सूरज संजय पालोड यांनी पाचवा क्रमांक पटकावला. बीए एलएलबीच्या दहाव्या सत्रात अनिरुद्धनाथ लिखितकर याने तृतीय, सुजान मुख्तार शेख हिने सहावा तसेच अद्वैतनाथ लिखितकर आणि श्रवणी पाठक यांनी सातवा क्रमांक मिळवला. या विद्यार्थ्यांच्या यशाचे महाविद्यालयातील प्राध्यापकवर्ग, व्यवस्थापन सदस्य तसेच रायसोनी लॉ कॉलेजच्या संरक्षक डॉ. अरुणा नंबाला आणि डॉ. फरहत खान यांनी कौतुक केले.

नवभारत
Wednesday 15/10/2025

रायसोनी लॉ कॉलेज के छात्र चमके

■ नागपुर, बिजनेस कनेक्ट. रायसोनी लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी संस्था को गौरवान्वित करते हुए राष्ट्र. संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय (आरटीएमएनयू) की विधि पाठ्यक्रम मेरिट लिस्ट 2025 में प्रतिष्ठित स्थान हासिल किए हैं. हाल ही में घोषित एलएलबी छठे सेमेस्टर और बीए एलएलबी 10वें सेमेस्टर (ग्रीष्म-2025) परीक्षाओं के परिणामों में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं.

एलएलबी छठे सेमेस्टर श्रेणी में हर्षल बजाज ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सूरज पालोड ने विश्वविद्यालय में 5वां स्थान प्राप्त किया. बीए एलएलबी 10वें सेमेस्टर में अनिरुद्धनाथ लिखितकर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, सुजान मुख्तार शेख ने छठा स्थान हासिल किया और अद्वैतनाथ लिखितकर और श्रावणी विनय पाठक ने आरटीएमएनयू की मेरिट लिस्ट में 7वां स्थान साझा किया. रायसोनी समूह के अध्यक्ष सुनील रायसोनी ने रायसोनी लॉ स्कूल के सभी मेरिट रैंक धारकों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी.

अमरावती दर्पण

Wednesday 15/10/2025

जी एच रायसोनी विश्वविद्यालय अमरावती में प्रभावशाली शोध पद्धति कार्यशाला संपन्न

अमरावती, जी.एच. रायसोनी विश्वविद्यालय, अमरावती ने 2025-26 शैक्षणिक सत्र के पीएच.डी. शोधार्थीयों के लिए पांच दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का सफ्लतापूर्वक आयोजन किया, जो 8 से 12 अक्टूबर तक आयोजित कार्यशाला में 40 से अधिक उत्साही शोधार्थीयों ने इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य शोध डिजाइन, नैतिकता, डेटा विश्लेषण और विद्वत्तापूर्ण लेखन जैसे महत्वपूर्ण कौशलों को निखारना था।

कार्यशाला का शुभारंभ 8 अक्टूबर को मुख्य अतिथि डॉ. प्रांतिक बनर्जी, हिस्लॉप कॉलेज, नागपुर के अंग्रेजी प्रोफेसर, के उद्घाटन भाषण के साथ हुआ, जिन्होंने क्या आपका शोध प्रभावशाली है? शोध का कौशल विषय पर सामाजिक रूप से प्रासंगिक शोध पर जोर दिया। रजिस्ट्रार डॉ. स्नेहिल जैसवाल, डॉ. श्रीकांत चवाटे (पीएच.डी. सेल प्रभारी), परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनायक डकरे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने समारोह की शोभा बढ़ाई। डॉ. चवाटे के सत्र शोध परिदृश्य का नेविगेशन: अवधारणा से निष्कर्ष तक ने उत्साहपूर्ण चर्चा को प्रज्वलित किया।

विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्रों ने कार्यक्रम को समृद्ध किया। एसजीबीएयू, अमरावती के डॉ. मोहम्मद अतीक ने शोध नैतिकता पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. सचिन पडोले ने मापन की सटीकता पर जोर दिया। नागपुर के सी.पी. एंड बेरार कॉलेज के डॉ. आशीष लिंगे ने नमूना तकनीकों को समझाया, और डॉ. अमोल झाडे ने बौद्धिक संपदा अधिकारों पर चर्चा की। अंतिम दिन, वीएनआईटी, नागपुर के डॉ. राहुल रालेगांवकर ने नैतिक लेखन और साहित्यिक चोरी रोकथाम पर बात की। डॉ. चवाटे ने साहित्य समीक्षा और डेटा विश्लेषण के लिए डिजिटल उपकरणों का परिचय दिया। रजिस्ट्रार डॉ. जैसवाल के समापन भाषण सीखने से अनुप्रयोग तक का मार्ग ने विद्वानों को नवाचार के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे और छात्र कल्याण डीन डॉ. प्रशांत आवचट की उपस्थिति में कार्यशाला का समापन समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर डॉ. देशपांडे ने शोधार्थीयों को उत्साही रहने तथा गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य पर ध्यान केंद्रित करने कि सलाह दी . जबकि डॉ. आवचट ने व्यवस्थित एवं योजनाबद्ध तरिके से आपना शोध कार्य किये जाने कि बात पार जोर दिया । डॉ. चवाटे और डॉ. पडोले द्वारा समन्वित यह कार्यशाला विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नवराष्ट्र
Wednesday 01/10/2025

विद्यार्थ्यांनी मध्यवर्ती कारागृहाला दिली भेट

विधी विद्यार्थ्यांना ३२ विद्यार्थ्यांचा समावेश

▶ अमरावती, ब्युरो. येथील रायसोनी विद्यापीठातील स्कूल ऑफ लॉ च्या विद्यार्थ्यांनी मध्यवर्ती कारागृहाला शैक्षणिक भेट दिली. ३२ विद्यार्थ्यांचा समावेश होता. विद्यार्थ्यांनी प्रत्यक्ष न्याय व्यवस्था कशी असते जवळून पाहायला मिळाली. समन्वयक डॉ. मीनाक्षी काळे यांच्या नेतृत्वाखाली आयोजित या भेटीचा उद्देश सैद्धांतिक कायदा अभ्यास आणि प्रत्यक्ष वास्तव यांच्यातील दरी कमी करणे हा होता.कारागृह अधीक्षक किर्ती चिंतामणी, अतिरिक्त अधीक्षक विलास भोईते, कारागृह शिक्षक ललित मुंडे आणि प्रवीण धर्माळे यांनी प्रतिनिधीमंडळाचे स्वागत केले.

अधिकाऱ्यांनी कारागृहाचा इतिहास, क्षमता आणि प्रशासकीय रचना याबद्दल सविस्तर माहिती दिली. मार्गदर्शीत भेटीदरम्यान विद्यार्थ्यांनी कारागृहातील बैरक, स्वयंपाकघर, आरोग्य सुविधा आणि व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमांचा आढावा घेतला. सुस्थितीत ठेवलेल्या बॅरकांमध्ये विचाराधीन आणि दोषी कैद्यांना वेगवेगळे ठेवले जाते, जिथे बेडिंग आणि स्वच्छता यासारख्या मुलभूत सुविधा सुनिश्चित केल्या जातात. आधुनिक सुविधांनी युक्त कारागृहाच्या स्वयंपाकघरात स्वच्छता आणि पोषणावर विशेष लक्ष दिले जाते. नियमित आरोग्य तपासणी आणि आजारी कैद्यांसाठी विशेष काळजीची व्यवस्था घेण्यात येते; जी मानवी हक्कांप्रती बांधिलकी दर्शवते. शिलाई, सुतारकाम आणि साक्षरता यासारख्या व्यावसायिक कार्यक्रमांनी कारागृहाच्या पुनर्वसन आणि पुन्हा गुन्हेगारी कमी करण्याच्या प्रयत्नांना अधोरेखित केले. शैक्षणिक सुविधा, मनोरंजनात्मक उपक्रम आणि सीसीटीव्ही देखरेखीने युक्त मजबूत सुरक्षा व्यवस्थेने शिस्त आणि सुधारणा यांच्यातील संतुलन दर्शवले. विद्यापीठाने कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे, डीन (विद्यार्थी कल्याण) डॉ. प्रशांत वचट आणि स्कूल ऑफ लॉच्या डीन डॉ. नीता नाथ यांची उपस्थिती होती.

वास्तविक जगाशी जोडणारा अनुभव

या भेटीने विद्यार्थ्यांना कारागृह प्रशासन, कैद्यांचे हक्क आणि न्याय व्यवस्थेत पुनर्वसनाचे महत्त्व समजण्याची संधी दिली. एका विद्यार्थ्याने सांगितले, हा अनुभव आमच्या वर्गातील शिकवणीला वास्तविक जगाशी जोडणारा ठरला. ही भेट कारागृहांच्या सुधारात्मक भूमिकेवर प्रकाश टाकते आणि विद्यार्थ्यांना सामाजिकदृष्ट्या जबाबदार कायदेशीर व्यावसायिक बनण्यासाठी प्रेरित करते.

नवभारत
Friday 17/10/2025

जीएच रायसोनी विवि में कार्यशाला आयोजित

शोध पद्धति पर किया मार्गदर्शन

■ **अमरावती, ब्यूरो.** जी.एच. रायसोनी विश्वविद्यालय ने 2025-26 शैक्षणिक सत्र के पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए पांच दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला ली. कार्यशाला में 40 से अधिक उत्साही शोधार्थियों ने भाग लिया. शुभारंभ मुख्य अतिथि नागपुर हिस्लॉप कॉलेज के अंग्रेजी प्रोफेसर डॉ. प्रांतिक बनर्जी के उद्घाटन भाषण के साथ हुआ. उन्होंने "क्या आपका शोध प्रभावशाली है? शोध का कौशल" विषय पर सामाजिक रूप से प्रासंगिक शोध पर जोर दिया. रजिस्ट्रार डॉ. स्नेहिल जैसवाल, डॉ. श्रीकांत चवाटे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनायक डकरे उपस्थित थे. डॉ. चवाटे के सत्र "शोध परिदृश्य का नेविगेशनः अवधारणा से निष्कर्ष तक" ने उत्साहपूर्ण चर्चा को प्रज्वलित किया. एसजीबीएयू के डॉ. मोहम्मद अतीक ने शोध नैतिकता पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. सचिन पडोले ने मापन की सटीकता पर जोर दिया. नागपुर के सी.पी. एंड बेरार कॉलेज के डॉ. आशीष लिंगे ने नमूना तकनीकों को समझाया, और डॉ. अमोल झाडे ने बौद्धिक संपदा अधिकारों पर चर्चा की. अंतिम दिन नागपुर वीएनआईटी के डॉ. राहुल रालेगांवकर ने नैतिक लेखन और साहित्यिक चोरी रोकथाम पर बात की. डॉ. चवाटे ने साहित्य समीक्षा और डेटा विश्लेषण के लिए डिजिटल उपकरणों का परिचय दिया.

रजिस्ट्रार डॉ. जैसवाल के समापन भाषण सीखने से अनुप्रयोग तक का मार्ग ने विद्वानों को नवाचार के लिए प्रेरित किया. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे और छात्र कल्याण डीन डॉ. प्रशांत आवचट की उपस्थिति में कार्यशाला का समापन समारोह आयोजित किया गया.

नवभारत
Wednesday 29/10/2025

जीएच रायसोनी विश्वविद्यालय में शतरंज स्पर्धा

स्पोर्ट्स क्लब ने किया आयोजन

■ **अमरावती, ब्यूरो.** जी एच रायसोनी विश्वविद्यालय, अमरावती के स्पोर्ट्स क्लब ने विश्वविद्यालय परिसर के खेल विभाग में एक रोमांचक शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया. स्पोर्ट्स क्लब के प्रभारी डॉ. अमर ए. मोरे के मार्गदर्शन में और डॉ. कैलाश दास व प्रो. नितिन चितले के समन्वय से आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्देश्य शतरंज के प्रति उत्साह और कौशल को बढ़ावा देना था. इस अवसर पर कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे, रजिस्ट्रार डॉ. स्नेहिल जायसवाल और छात्र कल्याण डीन डॉ. प्रशांत आवचट की उपस्थिति ने प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया. प्रतियोगिता में छात्रों ने जबरदस्त खेल भावना और रणनीतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया. स्पर्धा में प्रथम स्थान प्रेम यादव, एल.एल.बी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान निशाद मानसुते, बीसीए द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान आकाश पुंडे, एल.एल.बी. प्रथम वर्ष तथा चतुर्थ स्थान हर्षद पुंडे, बी.टेक (एआई) रहें. पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे और डीन डॉ. प्रशांत आवचट ने विजेताओं और उपविजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी प्रतिबद्धता और प्रतिभा की सराहना की.

नवराष्ट्र
Wednesday 29/10/2025

क्रीडा क्लबच्या बुध्दिबळ स्पर्धेत प्रेम यादव प्रथम

स्पर्धेत २६ विद्यार्थ्यांनी घेतला होता सहभाग

क्रीडा

अमरावती,ब्युरो. येथील जी. एच. रायसोनी विद्यापीठ, अमरावती येथील क्रीडा क्लबने विद्यापीठाच्या क्रीडा विभागात बुध्दीबळ स्पर्धेचे आयोजन केले होते. या स्पर्धेत २६ विद्यार्थ्यांपैंकी प्रेम यादव प्रथम विजेता ठरला. क्रीडा क्लबचे प्रभारी डॉ. अमर ए. मोरे यांच्या मार्गदर्शनाखाली तसेच डॉ. कैलाश दास व प्रा. नितीन चितळे यांच्या समन्वयाने ही स्पर्धा पार पडली. बुध्दीबळ बद्दल उत्साह आणि कौशल्य वाढवणे, याप्रसंगी कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे, निबंधक डॉ. स्नेहिल जायसवाल आणि विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत आवचट यांची उपस्थिती होती. प्रथम क्रमांक प्रेम यादव, द्वितीय निशाद मानसुते, तृतीय स्थान आकाश पुंडे आणि चतुर्थ क्रमांक हर्षद पुंडे यांनी पटाकाविला. पुरस्कार वितरण समारंभात कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे व अधिष्ठाता डॉ. आवचट यांनी विजेते, उपविजेते विद्यार्थ्यांना प्रमाणपत्र देऊन त्यांचे कौतुक केले.

विदर्भ मतदार
Wednesday 29/10/2025

बुद्धिबळ स्पर्धेत प्रेम यादव ठरला विजेता

नमस्कार अमरावती

अमरावती (प्रतिनिधी) दि. २८ : जी एच रायसोनी विद्यापीठाच्या क्रीडा क्लबतर्फे आयोजित बुद्धीबळ स्पर्धेत प्रेम यादव हा विजेता ठरला.

या स्पर्धेत २६ विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला आणि आपली रणनीतिक कुशलचक्र व खेळाबद्दलची आवड दाखवली.

क्रीडा क्लबचे प्रभारी डॉ. अमर ए. मोंरे यांच्या मार्गदर्शनाखाली तसेच डॉ. कैलाश दास व प्रा. नितीन चितळे यांच्या समन्वयाने ही स्पर्धा पार पडली. या प्रसंगी कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे, निबंधक डॉ. स्नेहिल जायसवाल आणि विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत आवचट यांची उपस्थिती लाभली.

स्पर्धेत प्रथम स्थान प्रेम यादव (एल.एल.बी. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान निशाद मानसुते (बीसीए द्वितीय वर्ष), तृतीयस्थान आकाश पुंडे (एल.एल.बी. प्रथम वर्ष) आणि चतुर्थ स्थान हर्षद पुंडे (बी.टेक (एआय) यांनी पटकाविले.

पुरस्कार वितरण समारंभात कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे आणि अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत आवचट यांनी विजेत्या व उपविजेत्या विद्यार्थ्यांना प्रमाणपत्र प्रदान केली.

लोकमत समाचार
Wednesday 29/10/2025

अमरावती में शतरंज प्रतियोगिता

स्पर्धा के दौरान उपस्थित छात्र.

अमरावती : जीएच रायसोनी विश्वविद्यालय अमरावती के स्पोर्ट्स क्लब ने विश्वविद्यालय के खेल विभाग की ओर से शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया. इसमें 26 छात्रों ने भाग लिया. स्पोर्ट्स क्लब के प्रभारी डॉ. अमर ए. मोरे के मार्गदर्शन में और डॉ. कैलाश दास, प्रो. नितिन चितले के समन्वय से स्पर्धा आयोजित की गई. कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे, रजिस्ट्रार डॉ. स्नेहिल जायसवाल, छात्र कल्याण डीन डॉ. प्रशांत अवचट उपस्थित थे. स्पर्धा में पहले स्थान पर प्रेम यादव, द्वितीय निशाद मानसुते, तृतीय आकाश पुंडे, चतुर्थ स्थान पर हर्षद पुंडे रहे.

पुण्यनगरी
Wednesday 29/10/2025

जी. एच. रायसोनी विद्यापीठात बुद्धिबळ स्पर्धा

अमरावती : जी. एच. रायसोनी विद्यापीठ, अमरावती येथील क्रीडा क्लबतर्फे बुद्धिबळ स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्पर्धेत २६ खेळाडूंनी सहभाग घेतला. क्रीडा क्लबचे प्रभारी डॉ. अमर ए. मोरे यांच्या मार्गदर्शनाखाली तसेच डॉ. कैलाश दास व प्रा. नितीन चितळे यांच्या समन्वयाने ही स्पर्धा पार पडली.

प्रेम यादव ठरला विजेता

याप्रसंगी कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे, निबंधक डॉ. स्नेहिल जयस्वाल आणि विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत अवचट यांची प्रमुख उपस्थिती होती. विद्यार्थ्यांनी या स्पर्धेत उत्तम खेळभावना आणि रणनीतिक बुद्धिमत्ता दाखवली. स्पर्धकांमध्ये कडवी झुंज झाल्यानंतर विजेत्यांची घोषणा करण्यात आली. यामध्ये प्रथम क्रमांक प्रेम यादव, द्वितीय निशाद मानसुते, तृतीय आकाश पुंडे आणि चतुर्थ क्रमांक हर्षद पुंडे यांनी पटकाविला. पुरस्कार वितरण समारंभात कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे आणि अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत अवचट यांनी विजेत्या व उपविजेत्या विद्यार्थ्यांना प्रमाणपत्र देऊन त्यांचा गौरव केला.

प्रतिदिन अखबार
Wednesday 29/10/2025

शतरंज प्रतियोगिता में 26 खिलाड़ियों ने लिया भाग

रायसोनी कालेज में हुआ आयोजन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 28 अक्टूबर- जी एच रायसोनी विश्वविद्यालय, अमरावती के स्पोर्ट्स क्लब ने विश्वविद्यालय परिसर के खेल विभाग में एक रोमांचक शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया. इस आयोजन में 26 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रणनीतिक कुशलता व खेल के प्रति जुनून का प्रदर्शन किया.

स्पोर्ट्स क्लब के प्रभारी डॉ. अमर ए. मोरे के मार्गदर्शन में और डॉ. कैलाश दास व प्रो. नितिन चितले के समन्वय से आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्देश्य शतरंज के प्रति उत्साह और कौशल को बढ़ावा देना था. इस अवसर पर कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे, रजिस्ट्रार डॉ. स्नेहिल जायसवाल और छात्र कल्याण डीन डॉ. प्रशांत आवचट की उपस्थिति ने प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया.

प्रतियोगिता में छात्रों ने जबरदस्त खेल भावना और रणनीतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया. कड़े मुकाबले के बाद विजेताओं की घोषणा की गई. जिनमें प्रथम स्थान प्रेम यादव- एल.एल.बी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान निशाद मानसुते- बीसीए द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान आकाश पुंडे- एल.एल.बी. प्रथम वर्ष तथा चतुर्थ स्थान हर्षद पुंडे- बी.टेक (एआई) के नाम शामिल हैं.

पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति डॉ. विनायक देशपांडे और डीन डॉ. प्रशांत आवचट ने विजेताओं और उपविजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी प्रतिबद्धता और प्रतिभा की सराहना की. यह आयोजन उत्साहपूर्ण भागीदारी, टीम भावना और शतरंज के प्रति साझा जुनून के साथ अत्यंत सफल रहा. स्पोर्ट्स क्लब निरंतर ऐसे समृद्धकारी आयोजनों के माध्यम से छात्रों को मानसिक चुस्ती और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता रहेगा.

लोकमत
महाराष्ट्राचा मानबिंदू
Thursday 30/10/2025

रायसोनीमध्ये बुद्धिबळ स्पर्धा

लोकमत न्यूज नेटवर्क

अमरावती : जी.एच. रायसोनी विद्यापीठ येथे क्रीडा क्लबद्वारा आयोजित बुद्धिबळ स्पर्धेचा एलएल.बी. द्वितीय वर्षाचा विद्यार्थी प्रेम यादव विजेता ठरला. स्पर्धेत २६ विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला. क्रीडा क्लबचे प्रभारी डॉ. अमर मोरे, डॉ. कैलाश दास व प्रा. नितीन चितळे यांच्या समन्वयाने ही स्पर्धा पार पडली.

कुलगुरू डॉ. विनायक देशपांडे, निबंधक डॉ. स्नेहील जायसवाल आणि विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत अवचट यांची उपस्थिती लाभली. दुसरा क्रमांक निषाद मानसुते (बीसीए द्वितीय), तृतीय क्रमांक आकाश पुंडे (एलएल.बी. प्रथम) आणि चतुर्थ क्रमांक हर्षद पुंडे (बी.टेक. एआय) यांनी पटकावला. डॉ. देशपांडे व डॉ. आवचट यांनी बक्षीस वितरण केले.

जी. एच. रायसोनी एकांकिका स्पर्धा, ७ पर्यंत नोंदणीची मुदत

लोकमत न्यूज नेटवर्क

जळगाव : जी. एच. रायसोनी स्पोर्ट्स अँण्ड कल्चरल फाउंडेशनतर्फे जी. एच. रायसोनी करंडक राज्यस्तरीय आंतरमहाविद्यालयीन एकांकिका स्पर्धा आयोजित करण्यात आली आहे. या स्पर्धेची प्राथमिक फेरी जळगाव येथे, तर अंतिम फेरी नागपूर येथे पार पडणार आहे. नोंदणीची अंतिम तारीख ७ नोव्हेंबर २०२५ आहे.

स्वायत्त जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँण्ड मॅनेजमेंट, जळगाव येथे प्राथमिक फेरीचे आयोजन करण्यात आले असून, यात अव्वल ठरणाऱ्या तीन एकांकिकांना अंतिम फेरीसाठी प्रवेश दिला जाणार आहे. अंतिम फेरी १ ते ४ फेब्रुवारी २०२६ दरम्यान नागपूर येथे रंगणार आहे. स्पर्धेचे प्रवेश अर्ज व नियमावली संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे. अधिक माहितीसाठी बापूसाहेब पाटील यांच्याशी संपर्क साधावा. सहभागाचे आवाहन जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रीती अग्रवाल, मुख्य समन्वयिका मृणाल नाईक यांनी केले आहे. (वा.प्र.)

दैनिक दिव्य मराठी
Thursday 30/10/2025

प्रथम फेरी • रायसोनी करंडक एकांकिका स्पर्धेसाठी ७ नोव्हेंबरपर्यंत करावी नोंदणी

जळगाव | जी.एच. रायसोनी स्पोर्ट्स अँड कल्चरल फाउंडेशनतर्फे जी.एच. रायसोनी करंडक राज्यस्तरीय आंतरमहाविद्यालयीन एकांकिका स्पर्धा आयोजित करण्यात आली आहे. या स्पर्धेची प्राथमिक फेरी जळगाव येथे तर अंतिम फेरी नागपूर येथे होणार आहे. प्राथमिक फेरीत अव्वल ठरणाऱ्या तीन एकांकिकांना अंतिम फेरीसाठी प्रवेश दिला जाणार आहे. अंतिम फेरी १ ते ४ फेब्रुवारी दरम्यान नागपूर येथे होणार आहे. स्पर्धेसाठी नाव नोंदणीसाठी ७ नोव्हेंबरपर्यंत अंतिम मुदत आहे. स्पर्धेचे प्रवेश अर्ज व नियमावली https://ghraisonikarandak.com/ या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे, अशी माहिती रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रीती अग्रवाल, मुख्य समन्वयिका मृणाल नाईक यांनी दिली.

सायंदैनिक साईमत

Thursday 30/10/2025

‘जी. एच. रायसोनी करंडक’ राज्यस्तरीय एकांकिका स्पर्धेचा बिगुल वाजला

नोंदणीसाठी ७ नोव्हेंबरपर्यंत मुदत; जळगावात रंगणार प्राथमिक फेरी ; विजेत्यांसाठी १ लाख ११ हजारांचे पहिले पारितोषिक

जळगाव । न्युज नेटवर्क

राज्यातील रंगभूमीवरील तरुणाईच्या कलागुणांना वाव देण्यासाठी जी. एच. रायसोनी स्पोर्ट्स अँड कल्चरल फाउंडेशनतर्फे “जी. एच. रायसोनी करंडक” राज्यस्तरीय आंतरमहाविद्यालयीन एकांकिका स्पर्धा आयोजित केली आहे. स्पर्धेची प्राथमिक फेरी जळगाव येथे तर अंतिम फेरी नागपूर येथे पार पडणार आहे. स्वायत्त जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव येथे प्राथमिक फेरीचे आयोजन केले आहे. त्यात अव्वल ठरणाऱ्या तीन एकांकिकांना अंतिम फेरीसाठी प्रवेश दिला जाणार आहे. अंतिम फेरी १ ते ४ फेब्रुवारी २०२६ दरम्यान नागपूर येथे रंगणार आहे.

विजेत्यांसाठी आकर्षक बक्षिसांची तरतूद केली आहे. प्रथम क्रमांक १ लाख ११ हजार रुपये, द्वितीय ७१ हजार रुपये, तृतीय ५१ हजार रुपये तर प्रथम व द्वितीय उत्तेजनार्थ संघांना प्रत्येकी २१ हजाराची पारितोषिके जाहीर केली आहेत. याशिवाय व्यक्तिगत व विशेष पुरस्कारही दिले जाणार आहेत. स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी महाविद्यालयांना एक हजार १०० रुपये प्रवेश शुल्क भरावे लागणार आहे. नोंदणीची अंतिम तारीख येत्या ७ नोव्हेंबर २०२५ निश्चित केली आहे. स्पर्धेचे प्रवेश अर्ज व नियमावली https://ghraisonikarandak.com/ या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत.

राज्यस्तरीय स्पर्धेत उत्तर महाराष्ट्रासह राज्यभरातील महाविद्यालयांनी उत्स्फूर्त सहभाग नोंदवावा, असे आवाहन जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रिती अग्रवाल, मुख्य समन्वयिका मृणाल नाईक आणि जी. एच. रायसोनी करंडक टीम यांच्यावतीने केले आहे. स्पर्धेबाबत अधिक माहितीसाठी जळगाव आयोजन समिती प्रमुख बापूसाहेब पाटील यांच्याशी ९१७५७५८६३० किंवा ८००७६८४९६० या मोबाईल क्रमांकावर संपर्क साधावा, असे आवाहन केले आहे.

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara

सकाळ

Thursday 30/10/2025

शहरात रायसोनी करंडक स्पर्धेची प्राथमिक फेरी

राज्यस्तरीय एकांकिका स्पर्धेचे आयोजन; अंतिम फेरी नागपूरला

■ सकाळ वृत्तसेवा

जळगाव, ता. २९ : राज्यातील रंगभूमीवरील तरुणाईच्या कलागुणांना वाव देण्यासाठी जी. एच. रायसोनी स्पोर्ट्स अँड कल्चरल फाउंडेशनतर्फे 'जी. एच. रायसोनी करंडक' राज्यस्तरीय आंतरमहाविद्यालयीन एकांकिका स्पर्धा आयोजित करण्यात आली आहे. या स्पर्धेची प्राथमिक फेरी जळगाव येथे तर अंतिम फेरी नागपूर येथे पार पडणार आहे.

स्वायत्त जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव येथे प्राथमिक फेरीचे आयोजन करण्यात आले असून, यात अव्वल ठरणाऱ्या तीन एकांकिकांना अंतिम फेरीसाठी प्रवेश दिला जाणार आहे. अंतिम फेरी १ ते ४ फेब्रुवारी २०२६ दरम्यान नागपूर येथे रंगणार आहे.

विजेत्यांसाठी आकर्षक बक्षिसांची तरतूद करण्यात आली असून, प्रथम क्रमांक १ लाख ११ हजार, द्वितीय ७१ हजार, तृतीय ५१ हजार, तर प्रथम व द्वितीय उत्तेजनार्थ संघांना प्रत्येकी २१ हजार रुपयांची रोख पारितोषिके जाहीर करण्यात आली आहेत. याशिवाय व्यक्तिगत व विशेष पुरस्कार देखील दिले जाणार आहेत. स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी महाविद्यालयांना ११०० प्रवेश शुल्क भरावे लागणार असून, नोंदणीची अंतिम तारीख ७ नोव्हेंबर आहे. स्पर्धेचे प्रवेश अर्ज व नियमावली https://ghraisonikarandak.com/ या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत.

या राज्यस्तरीय स्पर्धेत उत्तर महाराष्ट्रासह राज्यभरातील महाविद्यालयांनी उत्स्फूर्त सहभाग नोंदवावा, असे आवाहन जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रीती अग्रवाल, मुख्य समन्वयिका मृणाल नाईक आणि जी. एच. रायसोनी करंडक टीम यांच्या वतीने करण्यात आले आहे.

नवी आशा नवी दिशा
देशदूत
Thursday 30/10/2025

राज्यस्तरीय एकांकिका स्पर्धेचा बिगुल वाजला

विजेत्यांसाठी १ लाख ११ हजारांचे पहिले पारितोषिक

जळगाव । प्रतिनिधी

राज्यातील रंगभूमीवरील तरुणाईच्या कलागुणांना वाव देण्यासाठी जी. एच. रायसोनी स्पोर्ट्स अँड कल्चरल फाउंडेशनतर्फे जी. एच. रायसोनी करंडक राज्यस्तरीय आंतरमहाविद्यालयीन एकांकिका स्पर्धा आयोजित करण्यात आली आहे. या स्पर्धेची प्राथमिक फेरी जळगाव येथे तर अंतिम फेरी नागपूर येथे पार पडणार आहे.

स्वायत्त जी. एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट, जळगाव येथे प्राथमिक फेरीचे आयोजन करण्यात आले असून, यात अव्वल ठरणाऱ्या तीन एकांकिकांना अंतिम फेरीसाठी प्रवेश दिला जाणार आहे. अंतिम फेरी १ ते ४ फेब्रुवारी २०२६ दरम्यान नागपूर येथे रंगणार आहे.

विजेत्यांसाठी आकर्षक बक्षिसांची तरतूद करण्यात आली असून प्रथम क्रमांक १,११,०००, द्वितीय ७१,०००, तृतीय ५१,०००, तर प्रथम व द्वितीय उत्तेजनार्थ संघांना प्रत्येकी २१,००० ची पारितोषिके जाहीर करण्यात आली आहेत. याशिवाय व्यक्तिगत व विशेष पुरस्कार देखील दिले जाणार आहेत. स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी महाविद्यालयांना ११,०० प्रवेश शुल्क भरावे लागणार असून, नोंदणीची अंतिम तारीख ७ नोव्हेंबर २०२५ निश्चित करण्यात आली आहे. स्पर्धेचे प्रवेश अर्ज व नियमावली https://ghraisonikarandak.com/ या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत.

याराज्यस्तरीयस्पर्धेतउत्तरमहाराष्ट्रासह राज्यभरातील महाविद्यालयांनी उत्स्फूर्त सहभाग नोंदवावा, असे आवाहन जी. एच. रायसोनी इन्स्टिट्यूटच्या संचालिका प्रा. डॉ. प्रिती अग्रवाल, मुख्य समन्वयिका मृणाल नाईक आणि जी. एच. रायसोनी करंडक टीम यांच्या वतीने करण्यात आले आहे. स्पर्धेबाबत अधिक माहितीसाठी जळगाव आंयोजन समिती प्रमुख बापूसाहेब पाटील मो. ९१७५७५८६३० किंवा ८००७६८४९६० या क्रमांकांवर संपर्क साधावा, असे आवाहन करण्यात आले आहे.

1.	NAGPUR	G H Raisoni College of Engineering, Nagpur
2.	NAGPUR	G H Raisoni College of Engineering & Management, Nagpur
3.	NAGPUR	G H Raisoni College of Law, Nagpur
6.	NAGPUR	G H Raisoni College of Arts Commerce & Science, Nagpur
7.	NAGPUR	Sadabai Raisoni Womens College, Nagpur
8.	NAGPUR	G H Raisoni College of Business Management, Khaperkheda, Nagpur
9.	NAGPUR	G H Raisoni College of Business Managemen, Madhav Nagri, Nagpur
10.	NAGPUR	G H Raisoni Junior College, Nagpur (State & CBSE)
11.	NAGPUR	G H Raisoni Public School, Nagpur (State Board)
12.	NAGPUR	G H Raisoni Public School, Nagpur (CBSE Board)
13.	JALGAON	G H Raisoni Public School, Jalgaon (CBSE Board)
14.	JALGAON	G H Raisoni College of Engineering & Management, Jalgaon
15.	JALGAON	G H Raisoni Junior College, Jalgaon
16.	PUNE	G H Raisoni College of Engineering & Management, Pune
17.	PUNE	G H Raisoni College of Arts Commerce & Science, Pune
18.	PUNE	G H Raisoni Junior College, Pune
19.	PUNE	G H Raisoni Public School, Pune (CBSE Board)
20.	AMRAVATI	G H Raisoni University, Amravati
21.	CHHINDWARA	G H Raisoni University, Saikheda, Dist. Pandurna
22.	NAGPUR	G H Raisoni Skilltech University, Nagpur
23.	PUNE	G H Raisoni International Skilltech University, Pune

CORPORATE OFFICE

345, Shradha House, First Floor, Kingsway, Nagpur - 440 001 (BHARAT)
Website :- www.raisoni.net I E-mail :- info@raisoni.net
Ph. :- 91-712-6617181, 82, I Fax :- +91-712-6630782

raisoni EDUCATION

Nagpur | Pune | Jalgaon | Amravati | Pandhurna | Bhandara